नई दिल्ली । मंगलवार , 14 अप्रैल, 2026
बैशाख कृष्ण पक्ष नवमी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :98 । मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली संस्करण
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwakesari
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल समोआ ने लगातार दूसरी बार अंडर-19 महिला...
@ विचार पत्रकारिता की गिरती गरिमा और राजनीति...
@ व्यापार कमजोर वैश्विक संकेतों के चलते लाल निशान में बंद ...

नोएडा में फैक्ट्री कर्मचारियों का हिंसक प्रदर्शन

350 फैक्ट्रियों में तोड़फोड़, 150 गाड़ियां तोड़ीं

एजेंसी ■ नोएडा

नोएडा में सोमवार को फैक्ट्री कर्मचारियों ने हिंसक प्रदर्शन किया। 9 अप्रैल से सैलरी बढ़ाने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे सैकड़ों कर्मचारी हाथ में डंडे-लाठी लेकर सड़कों पर उतर आए।

कर्मचारियों ने अलग-अलग इलाकों में फैक्ट्रियों में पथराव, तोड़फोड़ की। कई गाड़ियों के शीशे तोड़ दिए और करीब 50 से ज्यादा फूंक दीं। पुलिस की गाड़ियां भी पलट दी।

हालात बिगड़े तो कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंची। कर्मचारियों ने उन पर पथराव कर दिया। फिर पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। कर्मचारियों का कहना है कि जब तक मांगें नहीं मानी जातीं, वो रुकेंगे नहीं। कई कर्मचारियों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। खास बात है कि इस प्रदर्शन का कोई चेहरा या लीडर नहीं था। 18 से 30 साल के युवा हिंसक प्रदर्शन कर रहे थे।

योगी सरकार ने जांच के लिए हाईलेवल कमेटी बनाई

नोएडा आंत्रप्रेन्योर एसोसिएशन के अध्यक्ष विपिन मल्हन के मुताबिक करीब 350 से ज्यादा इंडस्ट्री में तोड़फोड़ और 150 वाहन तोड़े गए हैं। उधर, योगी सरकार ने जांच के लिए हाईलेवल कमेटी बनाई है। सीएम ने कहा, औद्योगिक अशांति पैदा करने वाले लोगों से सावधान रहें। हमारी सरकार श्रमिकों के साथ है।

कहां और कैसे भड़की हिंसा- आगजनी ? सबसे पहले फेज-2 इलाके में हालात खराब हुए। सुनवाई न होने से कर्मचारी उग्र हो गए। पथराव कर दिया।

फेज-2 के बाद धीरे-धीरे प्रदर्शन नोएडा के करीब 10 इंडस्ट्रियल इलाकों और आसपास के जिलों में फैल गया।

कर्मचारियों ने नोएडा सेक्टर-57 में 30 से ज्यादा फैक्ट्रियों और दफ्तरों में तोड़फोड़ की। सेक्टर- 40 और 60 में कंपनियों का घेराव किया। सेक्टर 85 में डिक्सन कंपनी का गेट तोड़ दिया। सेक्टर 1, 15, 62 और फ्लाइओवर के पास सड़क जाम कर दी। पेज नं -2

समुद्री नाकाबंदी शुरू, पास आए ईरानी जहाज तो कर देंगे तबाह : ट्रंप

'किल सिस्टम' का प्रयोग किया जाएगा जो ड्रग तस्करों के खिलाफ किया जाता है

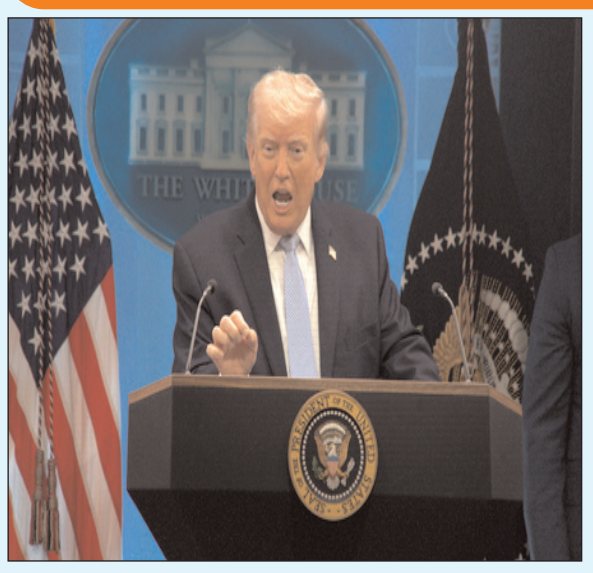

एजेंसी ■ वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने समुद्री नाकाबंदी शुरू कर देने की जानकारी देते हुए ईरानी जहाज को तबाह करने की धमकी दी है। उन्होंने कहा उसी 'किल सिस्टम' का प्रयोग किया जाएगा जो ड्रग तस्करों के खिलाफ किया जाता है।

सोमवार को एक बार फिर ट्रुथ सोशल पर ट्रंप ने अपनी बात रखी। उन्होंने आक्रामक अंदाज जारी रखते हुए कहा कि अमेरिकी सेना ने जानबूझकर 'फास्ट अटैक शिप' को निशाना नहीं बनाया।

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने फिर दोहराया , 'ईरान की नेवी समुद्र की गर्त में जा चुकी है और पूरी तरह तबाह-बर्बाद हो चुकी है। हमने उसके 158 जहाज तबाह कर दिए। कुछ को छोड़ दिया जिन्हें वे फास्ट अटैक शिप कहते हैं, क्योंकि हमारा मानना है कि उससे हमें कोई खतरा नहीं है।

इसके साथ ही ट्रंप ने चेतावनी देते हुए लिखा कि अगर इनमें से कोई भी जहाज हमारी नाकाबंदी के पास भी आया, तो उन्हें तुरंत खत्म कर दिया जाएगा, उसी 'किल सिस्टम' का इस्तेमाल करके जो हम समुद्र में नावों पर 'ड्रग डीलरों' के खिलाफ करते हैं।

किल सिस्टम का खौफ दिखाते हुए कहा कि ये तेज और बेरहम हैं। दावा किया कि इनकी वजह से ही समुद्री रास्ते से अमेरिका आने वाले 98.2 फीसदी ड्रग्स पर पाबंदी लग गई!

बता दें, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से ईरान पर लगाई गई समुद्री नाकाबंदी शुरू हो गई है। यह फैसला सोमवार शाम 7:30 बजे (अमेरिकी समयानुसार सुबह 10 बजे) से लागू हो गया।

ट्रंप ने पिछली पोस्ट्स में ही कह दिया था कि फैसले के तहत जो भी जहाज होर्मुज से गुजरने की कोशिश करेगा, उसे रोककर जांच की जाएगी। खास तौर पर उन जहाजों पर नजर रखी जाएगी, जो ईरान को टोल देते हैं। जो जहाज ईरान को गैरकानूनी टोल देंगे, उन्हें सुरक्षित रास्ता नहीं दिया जाएगा। ट्रंप के अनुसार, 'इससे ईरान की आर्थिक ताकत कम की जाएगी।

ईरान ने खाड़ी पड़ोसी देशों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की धमकी दी

तेहरान । ईरान के बंदरगाहों से निकलने वाले जहाजों पर अमेरिकी सैन्य नाकाबंदी शुरू करने की समय-सीमा सोमवार को समाप्त हो गई।

वहीं, युद्ध खत्म करने को लेकर सप्ताहांत में हुई बातचीत विफल होने के बाद तेहरान ने अपने खाड़ी पड़ोसी देशों के बंदरगाहों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की धमकी दी।

तेल की कीमतों में उछाल आया है और आपूर्ति में अब तक की सबसे बड़ी बाधा को कम करने के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य के जल्द खुलने के कोई संकेत नहीं हैं।

28 फरवरी को युद्ध शुरू होने के बाद से ईरान ने प्रभावी रूप से इस जलडमरूमध्य को अपने जहाजों को छोड़कर सभी के लिए बंद कर दिया है। उसका कहना है कि यहां से गुजरने की अनुमति केवल ईरानी नियंत्रण में और शुल्क के अधीन ही दी जाएगी।

बिहार में सत्ता परिवर्तन की तैयारी शुरू

नए सीएम के नाम पर जल्द खत्म होगा सस्पेंस

एजेंसी ■ पटना

बिहार की राजनीति इस समय एक अहम मोड़ पर है। जैसे-जैसे समय बीत रहा है, राज्य में नई सरकार के गठन को लेकर चर्चाएं तेज होती जा रही हैं। 14 और 15 अप्रैल को काफी अहम माना जा रहा है, क्योंकि पूरी संभावना है कि इसी दौरान बिहार के नए मुख्यमंत्री के नाम का ऐलान किया जाएगा।

सूत्रों के अनुसार, एनडीए ने अपने सभी 202 विधायकों को 14 और 15 अप्रैल को पटना में ही रहने का निर्देश दिया है। इस दौरान किसी भी विधायक को शहर छोड़कर जाने की इजाजत नहीं होगी।

भाजपा नेतृत्व ने शिवराज सिंह चौहान को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है, जो 14 अप्रैल को पटना पहुंचेंगे और इस पूरी प्रक्रिया पर नजर रखेंगे। एनडीए विधायी दल की एक अहम बैठक 14 अप्रैल को होनी है।इस बैठक में नए मुख्यमंत्री के नाम पर मुहर लगने की संभावना है। इसके बाद नीतीश कुमार अपना इस्तीफा दे सकते हैं।

अगले दिन यानी 15 अप्रैल को नए मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां चल रही हैं। पेज नं -2

महिला नेतृत्व से सिस्टम बनता है संवेदनशील: पीएम मोदी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित 'नारी शक्ति वंदन सम्मेलन' को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा कि 2023 में जब नारी शक्ति वंदन अधिनियम लाया गया था, तब सभी राजनीतिक दलों ने मिलकर इसे सर्वसम्मति से पारित किया था। उस समय एक सुर में यह भी मांग उठी थी कि इस कानून को हर हाल में 2029 तक लागू किया जाए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस बार भी सरकार की प्राथमिकता यही है कि सभी जरूरी फैसले संवाद, सहयोग और सहभागिता के जरिए लिए जाएं। उन्हें विश्वास है कि जिस तरह पहले इस अधिनियम ने संसद की गरिमा बढ़ाई थी, उसी तरह इस बार भी सामूहिक प्रयास से संसद नई

ऊंचाइयों को छुएगी।

पीएम मोदी ने देश में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को गर्व का विषय बताया। उन्होंने कहा कि आज भारत में राष्ट्रपति से लेकर वित्त मंत्री जैसे अहम पद महिलाओं के पास हैं और वे इन जिम्मेदारियों को बखूबी निभा रही हैं। इससे देश का गौरव लगातार बढ़ रहा है।

उन्होंने पंचायत स्तर पर महिलाओं की भागीदारी को भी एक बड़ा उदाहरण बताया और कहा कि आज देश में 14 लाख से अधिक महिलाएं लोकल गवर्नमेंट बॉडीज में सक्रिय रूप से काम कर रही हैं। करीब 21 राज्यों में पंचायतों में महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग 50 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि लाखों महिलाओं की यह सक्रियता दुनियाभर के बड़े नेताओं और राजनीतिक विशेषज्ञों को भी हैरान करती है। कई अध्ययनों में यह सामने आया है कि जब निर्णय लेने की प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी बढ़ती है, तो सिस्टम अधिक संवेदनशील और जवाबदेह बनता है। जल जीवन मिशन की सफलता इसका एक उदाहरण है, जहां पंचायत स्तर पर महिलाओं की अहम भूमिका रही है।

उन्होंने 2014 से पहले की स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे का आज उद्घाटन करेंगे पीएम मोदी

एजेंसी ■ देहरादून/नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को उत्तराखंड दौरे पर रहेंगे। यह दौरा राज्य के लिए बेहद अहम माना जा रहा है।

प्रधानमंत्री इस दौरान बहुप्रतीक्षित दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे का उद्घाटन करेंगे और टिहरी में 1,000 मेगावाट क्षमता वाले देश के पहले वेरिएबल स्पीड पंप स्टोरेज संयंत्र का भी लोकार्पण करेंगे।इसे लेकर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इस एक्सप्रेसवे का वीडियो शेयर करते हुए लिखा, 'दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे: उम्मीदों की उड़ान।

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया गया है। इसकी खास बात राजाजी राष्ट्रीय उद्यान के बीच से गुजरने वाला 12 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड वाइल्डलाइफ कॉरिडोर है, जो एशिया का सबसे लंबा कॉरिडोर माना जा रहा है। इससे हाथी और बाघ जैसे वन्यजीव सुरक्षित रूप से सड़क के नीचे से गुजर सकेंगे।

इसके अलावा डाट काली मंदिर के पास 340 मीटर लंबी नई सुरंग बनाई गई है । पेज नं -2

पंचतत्व में विलीन हुई आशा ताई, बेटे ने दी मुखाग्नि

एजेंसी ■ मुंबई

मुंबई में दिग्गज गायिका आशा भोसले को सोमवार को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। उनका अंतिम संस्कार शिवाजी पार्क में किया गया, जहां उनके बेटे ने मुखाग्नि दी। इस भावुक पल के साथ एक युग का अंत हो गया। पंचतत्व में विलीन होने से पहले आशा ताई को मुंबई पुलिस ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। अंतिम संस्कार के समय परिवार के सदस्य, करीबी रिश्तेदार और इंडस्ट्री से जुड़े कई बड़ी हस्तियां मौजूद रहीं।

इससे पहले आशा भोसले की अंतिम यात्रा उनके मुंबई स्थित निवास कासा ग्रांडे से शुरू हुई थी। पार्थिव शरीर को पूरे सम्मान के साथ तिरंगे में लपेटा गया और उन्हें राजकीय सम्मान के साथ अंतिम सलामी दी गई। जैसे ही उनका शव

वाहन शिवाजी पार्क की ओर बढ़ा, रास्ते में हजारों की संख्या में लोग सड़कों पर खड़े होकर उन्हें अंतिम विदाई देते नजर आए

सुबह से ही उनके घर पर अंतिम दर्शन के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी थी। फैंस, फिल्मी सितारे, राजनेता और संगीत जगत की बड़ी हस्तियों ने वहां पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि दी, जिनमें अमिताभ बच्चन, रणवीर सिंह, जैकी श्रॉफ, रितेश देशमुख, उदित नारायण और सचिन तेंदुलकर जैसे कई बड़े नाम शामिल रहे।

राजनीतिक जगत से भी कई बड़ी हस्तियां अंतिम विदाई में शामिल हुईं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके निधन पर गहरा शोक जताया। वहीं, देवेंद्र फडणवीस और उद्धव ठाकरे सहित कई नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। महाराष्ट्र सरकार ने भी उनके सम्मान में विशेष श्रद्धांजलि दी और उनके नाम पर एक संस्था स्थापित करने का निर्णय लिया।

अगर उनके जीवन की बात करें, तो आशा भोसले का करियर अपने आप में एक मिसाल रहा है। उन्होंने करीब 82 साल तक संगीत की दुनिया में सक्रिय रहकर 12 हजार से ज्यादा गाने गाए। हिंदी के अलावा, उन्होंने मराठी, कन्नड़, भोजपुरी समेत कई भाषाओं में अपनी आवाज का जादू बिखेरा।

आशा भोसले को 9 फिल्मफेयर अवॉर्ड और 100 से ज्यादा सम्मान मिले। उन्हें देश के दूसरे सबसे बड़े नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से भी नवाजा गया था। पेज नं -2

लूटने वालों को बख्शा नहीं जाएगा: शाह

एजेंसी ■ कोलकाता

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहे हैं, राजनीतिक सरगर्मियां भी तेज होती जा रही हैं। इसी कड़ी में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर जोरदार हमला बोला और संकेतों में कड़ी चेतावनी भी दी।

बीरभूम जिले के खैरासोल में आयोजित रैली के दौरान शाह ने कहा कि पिछले 15 वर्षों में राज्य की जनता को लूटने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि 'कट-मनी सिंडिकेट' के जरिए आम लोगों का शोषण किया गया है और भाजपा की सरकार बनने के बाद ऐसे लोगों की पहचान कर उन्हें एक-एक कर सख्त सजा दी जाएगी। उन्होंने यहां तक कहा कि इन लोगों को चुनाव के बाद 'उल्टा लटकाया' जाएगा।

गृह मंत्री ने आगे कहा कि जिन लोगों ने भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों की हत्या की है या उन्हें प्रताड़ित किया है, उन्हें भी कानून के दायरे में लाया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसे लोग अगर भूमिगत (अंडरग्राउंड) भी हो जाते हैं, तब भी उन्हें ढूंढ निकाला जाएगा और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इस दौरान गृह मंत्री शाह ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी अपने भतीजे अभिषेक बनर्जी को पश्चिम बंगाल का अगला मुख्यमंत्री बनाना चाहती हैं, लेकिन उनका यह सपना कभी पूरा नहीं होगा। पेज नं -2

खुदरा महंगाई दर मार्च में 3.4 प्रतिशत रही; अरहर, आलू और प्याज के दाम घटे

मुंबई। खुदरा महंगाई दर मार्च में सालाना आधार पर 3.4 प्रतिशत रही है, इसमें क्रमिक आधार पर 0.19 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। फरवरी में यह 3.21 प्रतिशत थी। यह जानकारी सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा सोमवार को दी गई।

मंत्रालय ने कहा कि मार्च में ग्रामीण इलाकों में खुदरा महंगाई दर 3.63 प्रतिशत और शहरी इलाकों में खुदरा महंगाई दर 3.11 प्रतिशत रही है।

खाद्य महंगाई दर मार्च में 3.87 प्रतिशत रही है और फरवरी में यह 3.47 प्रतिशत थी।

मार्च में ग्रामीण इलाकों में खाद्य महंगाई दर 3.96 प्रतिशत रही है और शहरी इलाकों में यह 3.71 प्रतिशत थी।

बीते महीने प्याज -27.76 प्रतिशत, आलू -18.98 प्रतिशत, लहसुन -10.18 प्रतिशत, अरहर -9.56 प्रतिशत और मटर, चना -7.87 प्रतिशत की गिरावट के साथ राष्ट्रीय स्तर पर सबसे कम महंगाई दर्ज करने वाले शीर्ष 5 प्रमुख आइटम थे। इन सभी में महंगाई दर सालाना आधार पर नकारात्मक रही है।

वहीं, दूसरी तरफ चांदी की ज्वैलरी 148.61 प्रतिशत, सोना/हीरा/प्लेटिनम ज्वैलरी 45.92 प्रतिशत, कोपरा 45.52 प्रतिशत, टमाटर (35.99 प्रतिशत और फूलगोभी 34.11 प्रतिशत, राष्ट्रीय स्तर पर सबसे अधिक महंगाई दर्ज करने वाले शीर्ष 5 प्रमुख आइटम थे। इन सभी आइटम में महंगाई दर सालाना आधार पर सकारात्मक रही है।मार्च में, जिन पांच राज्यों में खुदरा महंगाई दर सबसे अधिक रही है, उनमें तेलंगाना (5.83 प्रतिशत), आंध्र प्रदेश (4.05 प्रतिशत), कर्नाटक (3.96 प्रतिशत), तमिलनाडु (3.77 प्रतिशत) और राजस्थान (3.64 प्रतिशत) शामिल थे।

सरकार के मुताबिक, खुदरा महंगाई दर के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा संगठन (एनएसओ), सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) के फील्ड ऑपरेशंस डिवीजन के फील्ड स्टाफ द्वारा साप्ताहिक आधार पर व्यक्तिगत दौरों के माध्यम से सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को कवर करते हुए चयनित 1407 शहरी बाजारों (ऑनलाइन बाजारों सहित) और 1465 गांवों से रियल टाइम प्राइस डेटा एकत्र किया जाता है। मार्च 2026 के महीने के दौरान, 100 प्रतिशत ग्रामीण और शहरी बाजारों से मूल्य एकत्र किए गए, जबकि रिपोर्ट किए गए बाजारवार मूल्य ग्रामीण बाजारों के लिए 99.93 प्रतिशत और शहरी बाजारों के लिए 100 प्रतिशत थे।

14 अप्रैलः बाबासाहेब अंबेडकर की जयंती समानता और न्याय का उत्सव

नई दिल्ली। हर साल 14 अप्रैल उस चेतना का उत्सव है, जिसने भारत को बराबरी की नजर से देखना सिखाया। यह दिन डॉ. भीमराव अंबेडकर का है, जिनका जीवन संघर्ष, शिक्षा और सामाजिक न्याय की ऐसी यात्रा है, जो आज भी समाज को दिशा देती है।

मध्य प्रदेश की महू छावनी में 14 अप्रैल 1891 को जन्मे बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर ने बचपन से ही उस समाज का सामना किया, जहां जन्म ही पहचान तय कर देता था। भारतीय संविधान के मुख्य शिल्पकार और सामाजिक न्याय के महान योद्धा डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती हर वर्ष 14 अप्रैल को अंबेडकर जयंती के रूप में मनाई जाती है। उन्होंने दलितों के उत्थान और समाज में समानता एवं न्याय स्थापित करने के लिए आजीवन संघर्ष किया। सतारा, महाराष्ट्र में उनकी प्राथमिक शिक्षा और बॉम्बे के एलफिंस्टन हाई स्कूल से माध्यमिक शिक्षा पूरी हुई, लेकिन यह रास्ता उनके लिए आसान नहीं था। अनुसूचित जाति से होने के कारण उन्हें हर कदम पर भेदभाव झेलना पड़ा। अपनी आत्मकथात्मक टिप्पणी 'वेटिंग फॉर ए वीजा' में उन्होंने उस पीड़ा को शब्द दिए, जब स्कूल में उन्हें आम नल से पानी पीने तक की अनुमति नहीं थी। उन्होंने लिखा कि कोई चपरासी नहीं, तो पानी नहीं। यह वाक्य उस दौर की सामाजिक व्यवस्था का आईना था।

इन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने 1912 में बॉम्बे विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र और राजनीति विज्ञान में बीए की उपाधि प्राप्त की। उनकी प्रतिभा ने उन्हें सीमाओं से बाहर पहुंचाया और 1913 में बड़ौदा राज्य के महाराजा सयाजीराव गायकवाड़ की छात्रवृत्ति के सहारे वे अमेरिका के न्यूयॉर्क स्थित कोलंबिया विश्वविद्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने 1916 में 'ईस्ट इंडिया कंपनी का प्रशासन और वित्त' विषय पर अपनी मास्टर थीसिस प्रस्तुत की और 'भारत में प्रांतीय वित्त का विकास: शाही वित्त के प्रांतीय विकेंद्रीकरण में एक अध्ययन' विषय पर पीएचडी पूरी की।

मालदा हिंसा मामले में एनआईए ने कांग्रेस के दो नेताओं समेत तीन को किया गिरफ्तार

कोलकाता। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने मालदा के मोथाबाड़ी मामले में अब तक कुल तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। आईएसएफ नेता के बाद अब जांच एजेंसी ने दो कांग्रेस नेताओं को भी गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान शहदात हुसैन और आसिफ शेख के रूप में हुई है।

एनआईए अधिकारियों के अनुसार, मालदा के दो कांग्रेस नेताओं को रविवार को पूछताछ के लिए बुलाया गया था। पूछताछ के दौरान उनके बयानों में विरोधाभास पाया गया, जिसके बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। इससे पहले गोलाम रब्बानी नामक एक व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया गया था।

मालदा विधानसभा सीट के कांग्रेस उम्मीदवार सायम चौधरी से भी एनआईए अधिकारियों ने काफी देर तक पूछताछ की थी। हालांकि बाद में उन्हें छोड़ दिया गया।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर कोलकाता की सीबीआई विशेष अदालत में कुल 12 एफआईआर दर्ज की हैं। ये मामले मालदा जिले के मोथाबाड़ी में विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान न्यायिक अधिकारियों को रोके जाने से जुड़े हैं।

एनआईए अधिकारियों के अनुसार, ये मामले भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज किए गए हैं, जिनमें हत्या का प्रयास, अवैध रूप से रोकना, गैरकानूनी सभा, सरकारी कर्मचारियों पर हमला, सरकारी काम में बाधा डालना, आदेशों की अवहेलना, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाना, आपराधिक धमकी और राष्ट्रीय राजमार्ग को लंबे समय तक अवरुद्ध करना शामिल है।

वोटर लिस्ट से नाम हटाए जाने के विरोध में मालदा के मोथाबाड़ी, सुजापुर और कालियाचक सहित कई क्षेत्रों में समय-समय पर तनाव की स्थिति बनी रही। 3 अप्रैल को आक्रोशित भीड़ ने कालियाचक-2 ब्लॉक कार्यालय में एसआईआर का कार्य कर रहे सात अधिकारियों को रात तक रोके रखा, जिसके बाद मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा।

सुप्रीम कोर्ट ने राज्य पुलिस प्रशासन की भूमिका पर असंतोष जताते हुए कहा कि इस मामले की जांच सीबीआई या एनआईए से कराई जानी चाहिए। बाद में चुनाव आयोग ने भी जांच एनआईए को सौंप दी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में अपने चुनाव प्रचार के दौरान इस मुद्दे पर टिप्पणी करते हुए राज्य में तृणमूल कांग्रेस पर आतंक का माहौल बनाने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि टीएमसी लोगों को एसआईआर प्रक्रिया के बारे में गुमराह कर रही है और बंगाल में घुसपैठियों के लिए कोई जगह नहीं है।

राजस्थानः जयपुर का ट्रैफिक सिस्टम स्मार्ट अपग्रेड के लिए तैयार

जयपुर । राजस्थान के जयपुर शहर में ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम को मजबूत और आधुनिक बनाने के लिए एक खास एक्शन प्लान तैयार किया गया है।

जयपुर ट्रैफिक पुलिस ने देश के बड़े महानगरों के ट्रैफिक सिस्टम की विस्तृत स्टडी और फील्ड विजिट के आधार पर एक व्यापक सुधार ढांचा तैयार किया है, जिसके बाद इसकी गहन समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री के विजन के अनुरूप ज्यादा कार्यकुशलता के लिए प्रशासनिक ढांचे को बेहतर बनाया जा रहा है।

एडिशनल डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (ट्रैफिक) के पदों की संख्या 2 से बढ़ाकर 4 की जाएगी, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि जयपुर शहर के हर पुलिस जिले में 1 अधिकारी तैनात हो।

इससे फैसले लेने की प्रक्रिया तेज होगी और सुपरविजन की असरदार क्षमता बढ़ेगी। इसी तरह असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ पुलिस (ट्रैफिक) के पदों की संख्या चार से बढ़ाकर आठ कर दी जाएगी, जिसमें हर पुलिस जिले को दो पद दिए जाएंगे।

इसके अलावा, ट्रैफिक इंस्पेक्टरों की संख्या 15 से बढ़ाकर 20 कर दी जाएगी, जिससे हर जिले में औसतन पांच इंस्पेक्टरों की तैनाती सुनिश्चित होगी। जयपुर शहर को 72 ट्रैफिक बीट्स में बांटा जाएगा, ताकि जिम्मेदारियों का बंटवारा साफ तौर पर हो सके।

हर बीट में कर्मचारियों की तैनाती को व्यवस्थित और मजबूत बनाया जाएगा, ताकि ट्रैफिक पर असरदार नियंत्रण रखा जा सके और भीड़भाड़ वाले समय में तेजी से कार्रवाई की जा सके।

आवाजाही और नियमों को लागू करने की क्षमता को बेहतर बनाने के लिए ट्रैफिक इंस्पेक्टरों को 20 खास तौर पर मॉडिफाई की गई मोटरसाइकिलें दी जाएंगी, जिससे वे भीड़भाड़ वाले इलाकों में तेजी से आवाजाही कर सकेंगे।

उन्नत तकनीक का इस्तेमाल बढ़ाया जाएगा, जिसमें रियल-टाइम मॉनिटरिंग के लिए 'अभय कमांड सेंटर' से जुड़े सीसीटीवी कैमरों की संख्या बढ़ाना भी शामिल है। ट्रैफिक की निगरानी और भीड़भाड़ का जायजा लेने के लिए ड्रोन भी तैनात किए जाएंगे।

'इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम' के अलग-अलग हिस्सों को अलग-अलग चरणों में लागू किया जाएगा। ट्रैफिक इंस्पेक्टरों की वर्दी को फिर से डिजाइन किया जाएगा, ताकि वे ज्यादा आरामदायक, काम के लिहाज से ज्यादा उपयोगी और आसानी से पहचाने जाने लायक हों। पहले चरण में, टोंक रोड (यादगार से सांगानेर तक) को एक 'मॉडल ट्रैफिक कॉरिडोर' के तौर पर विकसित किया जाएगा, जो भविष्य के प्रोजेक्ट्स के लिए एक मिसाल का काम करेगा।

मुख्य उपायों में यू-टर्न और क्रॉसिंग पॉइंट्स का वैज्ञानिक तरीके से फिर से डिजाइन करना, असुरक्षित और गैर-जरूरी मीडियन कट को बंद करना, पैदल चलने वालों के लिए लगातार फुटपाथ बनाना, चौराहों में सुधार करना, पार्किंग का बेहतर इंतजाम करना और डायनामिक ट्रैफिक सिस्टम लागू करना शामिल होगा।

सड़कों और फुटपाथों पर हुए अतिक्रमणों को प्राथमिकता के आधार पर हटाया जाएगा, और अवैध पार्किंग की समस्या से निपटने के लिए अतिरिक्त क्रेनें तैनात की जाएंगी।

पार्किंग और 'नो-पार्किंग' जोन को स्पष्ट रूप से चिह्नित करके अधिसूचित किया जाएगा, और उचित साइनेज के साथ पर्याप्त पार्किंग सुविधाओं का विकास किया जाएगा। ट्रैफिक सिग्नल प्रणालियों को अपग्रेड करके 'डायनामिक' (गतिशील) बनाया जाएगा, जिसमें ट्रैफिक की मात्रा के आधार पर वास्तविक समय में टाइमिंग में बदलाव किए जाएंगे।

मिडिल ईस्ट संकट के बीच भारत का समुद्री व्यापार सामान्य : केंद्र

नई दिल्ली। 'इस्लामाबाद टॉक' के असफल होने के बाद होर्मुज स्ट्रेट को लेकर अमेरिकी धमकी से दुनियाभर के देशों में चिंता का माहौल है। इसी बीच, केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने एक साक्षात्कार में पहली बार विस्तार से प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के त्वरित और समन्वित कदमों से भारत के समुद्री व्यापार पर पड़े असर को काफी हद तक नियंत्रित कर लिया गया है और अब हालात तेजी से सामान्य हो रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने बताया कि मंत्रालय ने शुरुआत से ही लगातार निगरानी और सभी प्रमुख बंदरगाहों व हितधारकों के साथ करीबी समन्वय बनाए रखा। जहाजों की आवाजाही, कार्गो कंजेशन और बंदरगाह-स्तरीय संचालन पर नजर रखने के लिए रियल-टाइम रिव्यू मैकेनिज्म लागू किया गया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्पष्ट निर्देश थे कि आपूर्ति श्रृंखला पर कम से कम असर पड़े, इसके लिए हर संभव कदम उठाए जाएं।

इसी के तहत बंदरगाहों को नवाचार आधारित संचालन, यार्ड क्षमता बढ़ाने और लॉजिस्टिक्स प्लानिंग को सुगम बनाने के निर्देश दिए गए।

मंत्री ने बताया कि होर्मुज स्ट्रेट में बाधा के कारण जो बैकलॉग बना था, उसका करीब 90 प्रतिशत हिस्सा प्रमुख बंदरगाहों से क्लियर हो गया है। उन्होंने इसे बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि अब जहाजों की आवाजाही स्थिर हो गई है और स्थिति काफी हद तक सामान्य हो चुकी है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मंत्रालय अब भी सतर्क है और किसी भी संभावित समस्या से निपटने के लिए लगातार निगरानी जारी रखी गई है। सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता निर्यातकों, आयातकों और लॉजिस्टिक्स से जुड़े सभी हितधारकों के हितों की रक्षा करना है। इसके लिए सभी पोर्ट अथॉरिटीज को ग्राउंड रेंट में छूट और रीफर चार्जेस में रियायत जैसे वित्तीय राहत उपाय लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। इन लाभों को बिना किसी देरी के सीधे हितधारकों तक पहुंचाया जा रहा है। साथ ही शिकायत निवारण प्रणाली को भी मजबूत किया गया है, ताकि किसी भी परिचालन या लागत संबंधी समस्या का तुरंत समाधान हो सके।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि संकट के समय मुनाफाखोरी को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके लिए डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ शिपिंग को सभी शिपिंग शुल्कों में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। फिलहाल कड़ी निगरानी और दस्तावेजीकरण के जरिए ऐसी प्रवृत्तियों को रोकने पर जोर है।

शेष पेज - 01

महिला नेतृत्व से सिस्टम बनता है संवेदनशीलः पीएम मोदी ...

महिलाओं के करियर को ध्यान में रखते हुए सरकार ने मैटरनिटी लीव को बढ़ाकर 26 हफ्ते कर दिया है। पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया के कई समृद्ध देशों में भी इतनी लंबी छुट्टी की सुविधा नहीं है, और जब वे इसके बारे में बताते हैं तो लोग आश्चर्यचकित रह जाते हैं।

उन्होंने कहा कि 2014 के बाद से सरकार ने महिलाओं के जीवन के हर चरण को ध्यान में रखते हुए योजनाएं बनाई हैं। जन्म से लेकर जीवन के अंतिम पड़ाव तक महिलाओं को सशक्त बनाने का प्रयास लगातार जारी है।

स्किल इंडिया मिशन का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने बताया कि कुछ साल पहले शुरू किए गए व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का असर अब दिखने लगा है। ड्रोन दीदी जैसी पहल के जरिए महिलाएं कृषि क्षेत्र में नई क्रांति ला रही हैं।

प्रधानमंत्री ने एक दिलचस्प टिप्पणी करते हुए कहा कि शासन में आने के बाद उन्होंने बैंकों में 'गरीबों की अमीरी और अमीरों की गरीबी' दोनों देखी है।

उन्होंने यह भी कहा कि आज देश की माताएं और बहनें 'वोकल फॉर लोकल' अभियान की ब्रांड एंबेसडर बन रही हैं। महिलाओं के नेतृत्व वाला विकास का विजन न केवल महिलाओं को आगे बढ़ा रहा है, बल्कि समाज की पुरानी सोच को भी चुनौती दे रहा है।

आर्थिक सशक्तीकरण पर जोर देते हुए पीएम मोदी ने बताया कि पहले ज्यादातर संपत्तियां पुरुषों के नाम पर होती थीं। इस स्थिति को बदलने के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बनने वाले घरों को महिलाओं के नाम पर रजिस्टर करने की पहल की गई।

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे का आज उद्घाटन करेंगे पीएम मोदी...

जिससे पुराने घुमावदार पहाड़ी रास्तों की जगह सीधा और आसान रास्ता मिलेगा। एक्सप्रेसवे 6 से 12 लेन का है, जिसमें दिल्ली के अक्षरधाम से लोनी तक का हिस्सा 12 लेन का बनाया गया है। इसकी डिज़ाइन स्पीड 100 किलोमीटर प्रति घंटा रखी गई है।

यह एक्सप्रेसवे अक्षरधाम मंदिर से शुरू होकर उत्तर प्रदेश के बागपत, बड़ौत, शामली और सहारनपुर जैसे शहरों से होते हुए देहरादून तक पहुंचेगा। इसमें 50.7 किलोमीटर लंबा हरिद्वार स्पर भी शामिल है, जिससे दिल्ली से हरिद्वार की दूरी करीब 2 घंटे में तय की जा सकेगी। साथ ही अंबाला को जोड़ने वाला एक और स्पर भी बनाया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी का उत्तराखंड से गहरा जुड़ाव रहा है। उनका पहला दौरा 2015 में ऋषिकेश में हुआ था। तब से वे केदारनाथ मंदिर के पांच दौरे कर चुके हैं और बद्रीनाथ, मुखबा व आदि कैलाश जैसे धार्मिक स्थलों का भी भ्रमण कर चुके हैं।

पंचतत्व में विलीन हुईं आशा ताई, बेटे ने दी मुखाग्नि...

उनके गाए गीत जैसे 'पिया तू अब तो आजा', 'ओ हसीना जुल्फों वाली' और 'ये मेरा दिल' आज भी उतने ही लोकप्रिय हैं, जितने अपने दौर में थे। उनकी आवाज में एक खास जादू था, जो हर गाने को खास बना देता था।

जनता को लूटने वालों को बख्शा नहीं जाएगाः शाह...

शाह ने दावा किया कि आगामी विधानसभा चुनाव के बाद राज्य में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनेगी।

और अगला मुख्यमंत्री भाजपा का ही होगा। उन्होंने यह भी कहा कि वह व्यक्ति पश्चिम बंगाल में जन्मा होगा और बंगाली भाषा में बोलने और लिखने वाला होगा।

केंद्रीय गृह मंत्री ने तृणमूल कांग्रेस और राज्य सरकार पर अवैध घुसपैठियों को संरक्षण देने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने लंबे समय तक अवैध घुसपैठियों को संरक्षण दिया है। शाह ने कहा कि भाजपा की सरकार बनने पर सबसे पहला काम ऐसे घुसपैठियों की पहचान करना और उन्हें देश से बाहर निकालना होगा। उन्होंने इसे भाजपा का मिशन बताया कि देश को अवैध घुसपैठियों से मुक्त किया जाए।

कार्यक्रम के अंत में यह जानकारी दी गई कि गृह मंत्री अमित शाह पश्चिम बर्धमान जिले के रानीगंज में एक और चुनावी रैली को भी संबोधित करेंगे। इसके बाद वह दुर्गापुर में एक रोड शो में हिस्सा लेंगे और वहां पार्टी की एक संगठनात्मक बैठक भी करेंगे, जिसमें आगामी चुनावों की रणनीति पर चर्चा की जाएगी।

नोएडा में मजदूरों का उग्र प्रदर्शन, 200 से अधिक लोग हिरासत में...

लेकिन किसी भी प्रकार की हिंसा या कानून हाथ में लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

फिलहाल, पूरे क्षेत्र में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। प्रशासन का प्रयास है कि संवाद और समन्वय के जरिए जल्द से जल्द औद्योगिक शांति बहाल की जाए।

बिहार में सत्ता परिवर्तन की तैयारी शुरू ...

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 14 अप्रैल को सुबह 11 बजे कैबिनेट की बैठक बुलाई है। माना जा रहा है कि इस बैठक के बाद वे राज्यपाल सैयद अता हसनैन को अपना इस्तीफा सौंप सकते हैं।

बिहार के उद्योग मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि हम कैबिनेट की बैठक में शामिल होंगे और मुख्यमंत्री जो भी फैसला लेंगे, उसका पालन करेंगे।

इस बीच, जदयू के वरिष्ठ नेता संजय कुमार झा ने विश्वास जताते हुए कहा कि पूरी प्रक्रिया सुचारू रूप से चल रही है और मुख्यमंत्री स्वयं इसकी निगरानी कर रहे हैं।

पटना प्रशासन ने शपथ ग्रहण समारोह के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी है।

जिलाधिकारी डॉ. थियागराजन ने राज्यपाल को सुरक्षा, वीवीआईपी आवाजाही और अन्य व्यवस्थाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी है।

इस कार्यक्रम में देश भर से कई प्रमुख नेताओं और गणमान्य अतिथियों के शामिल होने की उम्मीद है, और इसके लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की जा रही है।

मेडिकल टीमें और एम्बुलेंस अलर्ट पर हैं। फायर ब्रिगेड और आपदा प्रबंधन टीमों को तैनात कर दिया गया है।

जहां एक ओर प्रशासन तैयारियों में जुटा है, वहीं मुख्यमंत्री आवास पर बैठकों का दौर जारी है। इन बैठकों में मंत्रियों के नामों, मेहमानों की सूची और कार्यक्रम की रूपरेखा पर चर्चा हो रही है। कुल मिलाकर, बिहार में सत्ता परिवर्तन अब बस कुछ ही कदम दूर है।

छत्तीसगढ़ में जनगणना 2027 के प्रथम चरण की तैयारियां पूर्ण; 16 अप्रैल से शुरू होगा डिजिटल स्व-गणना का विकल्प

पहली बार मोबाइल एप से होगा डिजिटल डेटा संकलन

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य में 'भारत की जनगणना 2027' के सफल क्रियान्वयन के लिए सर्किट हाउस, रायपुर में मीडिया से अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह विभाग) मनोज कुमार पिंगुआ और निदेशक (जनगणना कार्य एवं नागरिक पंजीकरण) कार्तिकेय गोयल ने चर्चा की। मीडिया को संबोधित करते हुए अधिकारियों ने जनगणना की रूपरेखा और तैयारियों की विस्तृत जानकारी साझा की। अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 1872 से शुरू हुई जनगणना की श्रृंखला में यह 16वीं और स्वतंत्रता के बाद 8वीं जनगणना होगी ।

इस बार की जनगणना की सबसे बड़ी विशेषता इसका पूर्णत: डिजिटल होना है, जिसमें देश में पहली बार नागरिकों को स्व-गणना का विकल्प दिया जा रहा है । छत्तीसगढ़ में जनगणना का कार्य दो चरणों में संपादित होगा, जिसमें प्रथम चरण (मकानसूचीकरण एवं मकानों की गणना) 01 मई से 30 मई 2026 तक चलेगा, जबकि द्वितीय चरण (जनसंख्या गणना) फरवरी 2027 में आयोजित किया जाएगा । स्व-गणना का विकल्प चुनने वाले नागरिक 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 के बीच ऑनलाइन पोर्टल (se.census.gov.in) पर अपनी जानकारी स्वयं भर सकते हैं, जिसके पश्चात उन्हें प्राप्त स्श्व ड्डष्ठ प्रगणक के साथ साझा करनी होगी।

डेटा सुरक्षा पर चर्चा करते हुए अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जनगणना अधिनियम, 1948 और जनगणना नियमावली, 1990 के प्रावधानों के अंतर्गत संकलित समस्त व्यक्तिगत जानकारी पूर्णत: गोपनीय रखी जाएगी । इस जानकारी का उपयोग टैक्स, पुलिस जांच या किसी भी कानूनी साक्ष्य के रूप में नहीं किया जा सकता है; इसका उपयोग केवल प्रदेश एवं देश के विकास हेतु योजनाएं बनाने के लिए होगा । राज्य के 33 जिलों और 19,978 ग्रामों में इस विशाल कार्य को संपन्न करने के लिए लगभग 62,500 अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है, जिनमें 51,300 प्रगणक और 9,000 पर्यवेक्षक शामिल हैं । आमजन की सहायता हेतु टोल-फ्री नंबर 1855 भी 16 अप्रैल 2026 से क्रियाशील हो जाएगा।

महिला आरक्षण से आधी आबादी को मिलेगा उनका पूरा हक, निर्णय प्रक्रिया में बढ़ेगी भागीदारी: साय

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सोमवार को कहा कि महिला आरक्षण से आधी आबादी को उनका पूरा हक मिलेगा और निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी बढ़ेगी। रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में आयोजित नारी शक्ति वंदन सम्मेलन के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन को सुना और महिला आरक्षण के महत्व पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि महिला आरक्षण देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को अधिक समावेशी बनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। मुख्यमंत्री के अनुसार, निर्णय लेने की प्रक्रिया में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी ही एक सशक्त और विकसित राष्ट्र की नींव रखने में सहायक होगी।

संसद में 16 अप्रैल को नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर होने वाली चर्चा को उन्होंने एक ऐतिहासिक पहल बताया। उन्होंने उल्लेख किया कि पंचायत से लेकर संसद तक महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने का यह प्रयास नए भारत के बदलते स्वरूप को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने भारतीय परंपराओं का संदर्भ देते हुए कहा कि समाज के निर्माण में महिलाओं की भूमिका हमेशा से महत्वपूर्ण रही है और वर्तमान सरकारी योजनाएं इसी परंपरा को आधुनिक आधार पर मजबूत कर रही हैं।

छत्तीसगढ़ राज्य में महिला सशक्तिकरण की स्थिति पर चर्चा करते हुए विष्णुदेव साय ने बताया कि स्थानीय निकायों में 50 प्रतिशत आरक्षण के माध्यम से महिलाओं को नेतृत्व के बेहतर अवसर मिले हैं। उन्होंने महतारी वंदन योजना जैसी पहलों का जिक्र किया, जो महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से आत्मनिर्भर बना रही हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी रेखांकित किया कि वर्तमान में राज्य में महतारी गौरव वर्ष मनाया जा रहा है, जो छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान और महिलाओं के सम्मान के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

उन्होंने प्रदेश की मातृशक्ति और विभिन्न संगठनों से आह्वान किया कि वे हर स्तर पर अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए अपनी आवाज बुलंद करें।

फिरौती के लिए मासूम का अपहरण, 5 आरोपी गिरफ्तार

दुर्ग । छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में फिरौती के लिए नाबांलिग बच्चे का अपहरण कर लिया गया । सूचना मिलने पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए, मासूम को बदमाशों के चंगुल से सकुशल छुड़ा लिया है। पुलिस ने मास्टरमाइंड समेत कुल पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। चौंकाने वाली बात यह है कि इस पूरे षड्यंत्र का मुख्य सूत्रधार पीड़ित परिवार का सगा भांजा निकला।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 12 अप्रैल 2026 को अमलेश्वर निवासी एक व्यक्ति ने थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई की उसके नाबालिग पुत्र को मोटरसाइकिल बनवाने के बहाने तिरंगा चौक बुलाया गया, जहां से अज्ञात व्यक्तियों ने उसका अपहरण कर लिया था।

अपहरण के बाद आरोपियों ने परिजनों को फोन कर धमकी देना शुरू कर दिया, जिससे परिवार में दहशत फैल गई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए दुर्ग पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर तत्काल एक संयुक्त टीम गठित की गई, जिसमें अमलेश्वर पुलिस, साइबर सेल और एसीसीयू को शामिल किया गया। जांच के दौरान पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और मोबाइल लोकेशन की मदद ली, जिससे आरोपियों के धमतरी जिले में होने की जानकारी मिली। इसके बाद दुर्ग पुलिस ने धमतरी पुलिस से संपर्क कर संयुक्त कार्रवाई की और घेराबंदी कर दबिश दी। इस ऑपरेशन के दौरान अपहृत बालक को सकुशल बरामद कर लिया गया और मौके से पांच आरोपियों को हिरासत में ले लिया गया। पूछताछ में इस पूरे अपहरण की साजिश का मास्टरमाइंड पीड़ित परिवार का ही भांजा संजय साहू था।

मुख्यमंत्री सुशासन फेलोशिप 2026: आईआईएम रायपुर में एमबीए के लिए आवेदन शुरू

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के सहयोग से भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रायपुर ने मुख्यमंत्री सुशासन फेलोशिप 2026 के अंतर्गत दो वर्षीय मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए) - लोक नीति एवं सुशासन कार्यक्रम के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं।

सोमवार को कहा गया की इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सार्वजनिक नीति और प्रशासन के क्षेत्र में सक्षम और उत्तरदायी नेतृत्व तैयार करना है। संस्थान के अनुसार इस कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर गोपाल कुमार और प्रोफेसर शबना पी के मार्गदर्शन में किया जाएगा। कक्षाएं आईआईएम रायपुर परिसर में आयोजित की जाएंगी जहां छात्रों को फील्डवर्क और सरकारी परियोजनाओं के माध्यम से प्रशासनिक तंत्र का व्यावहारिक अनुभव भी मिलेगा। यह शिक्षण पद्धति सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ जमीनी स्तर की समझ विकसित करने पर केंद्रित है। इस फेलोशिप कार्यक्रम के तहत राज्य सरकार द्वारा चयनित अभ्यर्थियों की पूरी ट्यूशन फीस भरी जाएगी और इसके साथ ही प्रत्येक छात्र को पाठ्यक्रम की पूरी अवधि के दौरान 50,000 रुपये प्रतिमाह का स्टाइपेंड प्रदान किया जाएगा। यह वित्तीय सहायता प्रतिभाशाली युवाओं को आर्थिक बाधाओं के बिना सुशासन के क्षेत्र में उच्च शिक्षा प्राप्त करने में मदद करेगी। संस्थान के निदेशक-प्रभार प्रोफेसर संजीव प्रसार ने कहा कि यह पाठ्यक्रम पारंपरिक शिक्षा से अलग नीतियों के निर्माण और मूल्यांकन की वास्तविक प्रक्रियाओं को समझने पर केंद्रित है। उन्होंने विश्लेषणात्मक क्षमता और सामाजिक प्रभाव पर विशेष जोर देते हुए इसे राष्ट्र निर्माण में योगदान देने वाले नेतृत्व के विकास का माध्यम बताया।

डीन (एक्सटर्नल रिलेशन्स) प्रोफेसर सत्यसिबा दास ने जानकारी दी कि सरकारी संस्थाओं और उद्योगों के साथ साझेदारी से छात्रों को वास्तविक परिस्थितियों में कार्य करने का अवसर मिलता है जिससे सिद्धांत और व्यवहार के बीच का अंतर कम होता है।

कांकेर में एनकाउंटर में महिला नक्सली लीडर रूपी ढेर

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के छोटेबेठिया क्षेत्र के जंगलों में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें एक महिला नक्सली ढेर हुई है। मारी गई नक्सली की पहचान वांटेड (एरिया कमेटी मेंबर) रूपी रेड्डी के रूप में हुई है, जो लंबे समय से सुरक्षा एजेंसियों के रडार पर थी। मौके से उसके पास से एक पिस्टल बरामद हुई है।

डेडलाइन के बाद बस्तर की आखिरी कैडर का सफाया

पुलिस के मुताबिक, उसे लगातार सरेंडर के लिए कहा जा रहा था, लेकिन वह सक्रिय रूप से नक्सली गतिविधियों में शामिल रही। बस्तर में बड़े कैडर के कई नक्सलियों के मारे जाने या सरेंडर के बाद वह प्रमुख सक्रिय कैडर में गिनी जा रही थी।

सर्चिंग पर निकली थी टीम

पुलिस को इलाके में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। जिसके बाद तड़के 4 से 5 बजे सुरक्षाबलों ने छोटेबेठिया थाना क्षेत्र के माचपल्ली के जंगल में सर्च ऑपरेशन शुरू किया।

आदर्श महाविद्यालय दतरेंगा रायपुर में प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन

रायपुर। आदर्श महाविद्यालय दतरेंगा, रायपुर मे को प्लेसमेंट ड्राइव का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर 11 विद्यालयों एवं 2 प्रतिष्ठित संगठनों के डायरेक्टर, प्राचार्य तथा इंटरव्यू पैनल के सदस्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के डायरेक्टर विवेक सक्सेना द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके पश्चात विभिन्न संगठनों द्वारा छात्रों का इंटरव्यू लिया गया, जिसमें उनके इंटरव्यू स्किल, कम्युनिकेशन स्किल एवं आत्मविश्वास का मूल्यांकन किया गया।

उक्त प्रक्रिया के आधार पर कई छात्रों को रोजगार के अवसर प्रदान किए गए तथा उन्हें जॉब ऑफर भी दिए गए, जिससे छात्रों में उत्साह का माहौल देखा गया।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. बरनाली राय ने इस अवसर पर कहा कि इस प्रकार के आयोजन छात्रों के उज्ज्वल भविष्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि भविष्य में भी ऐसे प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित किए जाते रहेंगे, जिससे अधिक से अधिक छात्रों को लाभ मिल सके।

जनसंपर्क और पत्रकारिता में बढ़ रही हैं चुनौतियाँ : जी.एस. सलूजा

महंत कालेज में हुई चर्चा

रायपुर। महंत लक्ष्मीनारायण दास महाविद्यालय के पत्रकारिता विभाग में आज विद्यार्थियों के लिए सामूहिक मौखिक परिक्षण एवं चर्चा सत्र का आयोजन किया गया। इसमें छत्तीसगढ़ विधानसभा के वरिष्ठ सूचना अधिकारी गुरजीत सिंह सलूजा विशेष रूप से आमंत्रित थे।

जनसंपर्क में विविधता और चुनौतियाँ विषय पर अपने संबोधन में सलूजा ने कहा कि जनसंपर्क का क्षेत्र हमेशा से ही बहुत चुनौतीपूर्ण रहा है। लेकिन अब सोशल मीडिया और डिजिटल मीडिया के विस्तार के बाद चुनौती और बढ़ गई है। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि वे आरंभ में गणित विषय के व्याख्याता रहे। लेकिन कार्य क्षेत्र बदलने के बाद उन्हें पत्रकारिता की पढ़ाई भी करनी पड़ी, जिसे उन्होंने मन लगाकर पूरा किया और आज वे विधानसभा में वरिष्ठ पद पर अपना दायित्व निभा रहे हैं। यह सब तभी संभव हुआ जब उन्होंने जनसंपर्क अधिकारी के रूप में आने वाली सभी चुनौतियों का साहस के साथ सामना किया और अपनी कार्यक्षमता को साबित भी किया।

इससे पहले महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ देवाशीष मुखर्जी ने कहा कि महंत कालेज के लिए यह गर्व का विषय है कि सलूजा यहाँ मास्टर ऑफ़ जर्नलिज्म के विद्यार्थी रहे और बाद में उन्होंने जनसंपर्क के क्षेत्र में एक बड़ा मुकाम हासिल किया. उन्होंने विषय को रखांकित करते हुए कहा कि जनसंपर्क हो, या फिर मीडिया का कोई भी अन्य क्षेत्र, चुनौतियां सभी जगह मौजूद हैं। इसका सामना करने के लिए पत्रकारिता के विद्यार्थियों और युवा मीडियाकर्मियों को धैर्य और संयम से काम लेना जरुरी है। तभी विषम परिस्थितियों के बावजूद कोई व्यक्ति सफलता अर्जित करते हुए अपनी अलग पहचान बना सकता है

कार्यक्रम में स्वागत भाषण करते हुए पत्रकारिता संकाय के विभागाध्यक्ष आर.पी. दुबे ने कहा कि जनसंपर्क के क्षेत्र में नई तकनीक और सोशल मीडिया के आने से अनेक प्रकार की नई चुनैतियां सामने आ गई हैं। इन सबसे निबटने के लिए पत्रकारिता के छात्रों को हर दिन एक अनी परीक्षा से गुजरना पड़ता है। साथ ही नई तकनीक को भी सीखना पड़ता है. तभी श्रेष्ठ परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं । कार्यक्रम के अंत में आमंत्रित अतिथि का शाल और स्मृति चिन्ह से सम्मान किया गया

कार्यक्रम के दौरान पत्रकारिता के विद्यार्थों से सलूजा ने मौखिक सत्र में सवाल भी किए जिनका सभी छात्रों ने जवाब दिए. साथ ही सलूजा ने भी विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया।

नाबालिग लड़की से गैंगरेप, 4 आरोपी गिरफ्तार

बीजापुर। बीजापुर जिले में घुमाने के बहाने नाबालिग लड़की से 5 दोस्तों ने गैंगरेप किया है। इसमें एक नाबालिग भी शामिल है। वारदात के बाद पीड़िता को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

मामला भैरमगढ़ थाना इलाके का है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि नाबालिग को कस्टडी में लिया गया है। नाबालिग आरोपी को पीड़िता पहले से जानती थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार, शनिवार की रात एक परिचित नाबालिग लड़का उसे घुमाने के बहाने घर से बाहर बुलाया।

फिर बहला-फुसलाकर सुनसान जगह पर ले गया, जहां उसके साथ रेप किया।

उसके बाद नाबालिग के 4 दोस्तों ने भी उससे दुष्कर्म किया।

वारदात के बाद पीड़िता ने अपने परिजनों को पूरी आपबीती बताई। 12 अप्रैल की (रविवार) सुबह भैरमगढ़ थाने पहुंची और मामले की लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया।

पुलिस पर लाठी-डंडे, ईंट-पत्थर से हमला, टीआई का सिर फूटा, महिला पुलिसकर्मी भी घायल

महासमुंद। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में पुलिस टीम अवैध शराब बेचने के मामले में फरार आरोपियों को गिरफ्तार करने पहुंची थी। इस दौरान घरवालों ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया। इस हमले में थाना प्रभारी, महिला आरक्षक सहित कई पुलिसकर्मी घायल हो गए।

इस दौरान हमलावरों ने पुलिस की गाड़ी पर भी हमला किया और हाईवे पेट्रोलिंग वाहन के शीशे तोड़ दिए। आरोपियों के परिजनों ने उन्हें छुड़ाने की कोशिश की और पुलिस की कार्रवाई में रुकावट डाली।

पुलिस ने 9 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है, जबकि 3 अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। यह मामला पटेवा थाना क्षेत्र के ग्राम पचरी का है।

जानकारी के अनुसार, पटेवा थाना में आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज था। शनिवार को इस केस में फरार आरोपी विजय मारकंडेय और विनोद मारकंडेय को पकड़ने के लिए पुलिस टीम पचरी गांव पहुंची थी।

पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को पकड़ लिया। जब उन्हें गाड़ी में बैठाने की कोशिश की गई, तो आरोपियों ने विरोध शुरू कर दिया। इसके बाद उन्होंने पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट की। इस दौरान आरोपियों ने घरवालों के साथ आसपास के लोगों को भी भड़काया।

लाठी-डंडे और ईंट-पत्थर से हमला

इसके बाद घरवालों के साथ बड़ी संख्या में ग्रामीण लाठी-डंडे, लोहे की रॉड और ईंट-पत्थर लेकर मौके पर आ गए और पुलिस टीम पर हमला कर दिया। इस हमले में थाना प्रभारी उत्तम तिवारी के सिर, गले और सीने में गंभीर चोटें आईं। इसके अलावा कई अन्य पुलिसकर्मी, जिनमें महिला आरक्षक भी शामिल थीं, घायल हो गईं।

चांदी भंडार का रायपुर में भव्य आगमन: दो सिग्नेचर स्टोर्स के साथ छत्तीसगढ़ में रखा कदम

रायपुर । 2026 साल 2013 में स्थापित 'चांदी भंडार' अब एक अग्रणी सिल्वर ज्वेलरी ब्रांड बन चुका है, जिसकी पूर्वी भारत में 30 से अधिक ब्रांचेज हैं। 5 करोड़ से अधिक ग्राहकों के प्यार और भरोसे के साथ इस ब्रांड की यात्रा शुद्धता, बेमिसाल कारीगरी और आधुनिक डिज़ाइन्स के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

निरंतर होते विकास और समृद्ध संस्कृति के लिए प्रसिद्ध रायपुर शहर, इस ब्रांड के विस्तार में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। रायपुर में आगमन के साथ ही, चांदी भंडार, शहर का पहला व्यापक सिल्वर डेस्टिनेशन बनकर अपनी लेगसी को नए ग्राहकों तक पहुंचाएगा। ज्वेलरी से लेकर डिनरवेयर, पूजा के बर्तन और गिफ्टिंग के ढेरों विकल्पों तक, यह ब्रांड एक ही छत के नीचे खरीदारी का एक बेहतरीन अनुभव प्रदान करता है।

रायपुर में अपनी शुरुआत करते हुए, चांदी भंडार ने दो नए स्टोर्स खोले हैं, जिनमें से एक वीआईपी रोड, सैफ्रन कॉरपोरेट, मेक इन इंडिया चौक के पास, तेलीबांधा में है, और दूसरा पंडरी, प्लॉट नंबर 10/2 और 10/3, मेन रोड, जीवन बीमा मार्ग पर स्थित है।

एक अनूठा और शानदार अनुभव

स्टोर के इंटीरियर को बेहद बारीकी से डिजाइन किया गया है, जिसमें एक भव्य लोटस मोटिफ (कमल की आकृति) वाला कैश काउंटर आकर्षण का मुख्य केंद्र है। यहां ग्राहक खरीदारी से पहले सामन को ठीक तरह से देख परख सकेंगे।

हर किसी के लिए है कुछ खास

लॉन्च के अवसर पर, रायपुर स्टोर्स में स्टर्लिंग सिल्वर ज्वेलरी का शानदार कलेक्शन पेश किया गया है।

कर्नाटक में वन्यजीव नसबंदी प्रस्ताव पर किसानों का विरोध, वन मंत्री पर साधा निशाना

चामराजनगर। कर्नाटक में मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने के लिए वन्यजीवों की नसबंदी (स्टरलाइजेशन) या एनिमल बर्थ कंट्रोल उपाय लागू करने के प्रस्ताव पर विवाद गहराता जा रहा है। राज्य गन्ना किसान संघ ने इस प्रस्ताव का कड़ा विरोध करते हुए वन मंत्री ईश्वर खंड्रे पर निशाना साधा है।

संघ के अध्यक्ष भाग्यराज ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार का यह कदम अवैज्ञानिक और अमानवीय है। उन्होंने आरोप लगाया कि वन्यजीवों की नसबंदी के नाम पर उन्हें मारने की साजिश रची जा रही है। उन्होंने कहा कि यह योजना असल में जानवरों की खाल और दांत (दांत/दांतों) की तस्करी से जुड़ी हो सकती है और जंगलों के दुरुपयोग का प्रयास है।

गौरतलब है कि वन मंत्री ईश्वर खंड्रे ने हाल ही में राज्य में बढ़ते मानव-वन्यजीव संघर्ष को नियंत्रित करने के लिए कुछ वन्यजीव प्रजातियों की नसबंदी या इम्यूनो-कॉन्ट्रासेप्शन के उपयोग का प्रस्ताव रखा था। यह प्रस्ताव अप्रैल 2026 में सामने आया, जिसका उद्देश्य हाथियों और तेंदुओं से जुड़ी बढ़ती घटनाओं के बीच मानव जीवन की रक्षा करना और पशु आबादी को बिना क्रूरता के नियंत्रित करना बताया गया है।

इससे पहले किसानों ने मैसूर-चामराजनगर हाईवे को जाम कर विरोध प्रदर्शन किया और मंत्री के खिलाफ जमकर नाराजगी जताई। उन्होंने इस प्रस्ताव को न केवल अवैज्ञानिक बल्कि अमानवीय भी बताया। किसानों ने यहां तक कहा कि इस तरह का सुझाव देने वाले विशेषज्ञ को मानसिक उपचार की जरूरत है।किसानों ने स्थानीय विधायकों पुट्टरंगशेट्टी और ए.आर. कृष्णमूर्ति पर भी निशाना साधा। उनका आरोप है कि ये नेता राज्य के हितों की अनदेखी कर कैबिनेट पदों के लिए दिल्ली में लॉबिंग करने में लगे हुए हैं।

पत्रकारों से बातचीत में भाग्यराज ने कहा कि यह योजना वन्यजीवों को मारने की साजिश है।

आधी आबादी, पूरी हिस्सेदारी : राजनीति और नीति निर्माण के केंद्र में उभरती 'नारी शक्ति'

नई दिल्ली। एक दौर ऐसा भी था जब भारतीय राजनीति में महिलाओं की भूमिका को केवल 'वोट बैंक' या साइलेंट वोटर के तौर पर देखा जाता था। आज, भारत एक ऐसे ऐतिहासिक बदलाव के मुहाने पर खड़ा है, जहां महिलाएं सिर्फ नीतियां मानने वाली नहीं बल्कि नीतियां बनाने वाली बन रही हैं। इस बदलाव की सबसे मजबूत धुरी है 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम'। यह देश की आधी आबादी को सत्ता और सदन में उनका वाजिब हक दिलाने की एक पक्की गारंटी है।

सोमवार को 'नारी शक्ति वंदन सम्मेलन' में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन ने इसी बदलते भारत की तस्वीर पेश की। संदेश स्पष्ट था कि भारत का विकास तब तक अधूरा है, जब तक उसकी अगुवाई महिलाएं न करें।प्रधानमंत्री मोदी ने सम्मेलन में अपने वक्तव्य में जिस बात पर सबसे ज्यादा जोर दिया, वह था, 'महिला विकास' से आगे बढ़कर 'महिलाओं के नेतृत्व में विकास' की ओर कदम बढ़ाना।

प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम कोई राजनीतिक दांव नहीं है बल्कि यह एक नए और सशक्त भारत की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जब महिलाएं नीति निर्माण की टेबल पर बैठती हैं, तो फैसले अधिक संवेदनशील, समावेशी और दूरदर्शी होते हैं। परिवार चलाने वाली महिला जब देश चलाने में अपनी भूमिका निभाएगी, तो वह शिक्षा, स्वास्थ्य और जमीनी विकास जैसे मुद्दों को राजनीति के केंद्र में लेकर आएगी। उनका यह बयान इस बात का सूचक है कि सरकार महिलाओं को केवल लाभार्थी के रूप में नहीं बल्कि राष्ट्र-निर्माता के रूप में देख रही है।

संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रितिशत आरक्षण सुनिश्चित करने वाला यह अधिनियम राजनीति के परिदृश्य को पूरी तरह से बदल देगा। वहीं, सवाल यह है कि नीति निर्माण में महिलाओं का होना इतना अहम क्यों है?

दरअसल, जब महिलाएं सत्ता में होती हैं, तो नीतियां बुनियादी ढांचे के साथ-साथ मानव विकास सूचकांकों (जैसे मातृ स्वास्थ्य, शिशु पोषण, और शिक्षा) पर अधिक केंद्रित होती हैं। महिलाएं अक्सर जमीनी समस्याओं (जैसे पीने के पानी की किल्लत, रसोई गैस की महंगाई, और कानून-व्यवस्था) का सीधा सामना करती हैं। इसलिए जब वे नीतियां बनाती हैं, तो उनके समाधान अधिक व्यावहारिक होते हैं। कई वैश्विक शोध बताते हैं कि स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर पर महिलाओं के नेतृत्व वाले क्षेत्रों में सुशासन और पारदर्शिता का स्तर अपेक्षाकृत बेहतर होता है।

कोई भी महिला सीधे संसद या विधानसभा नहीं पहुंच सकती, जब तक कि वह आर्थिक और सामाजिक रूप से स्वतंत्र न हो। केंद्र सरकार की कई योजनाएं एक ऐसा इकोसिस्टम तैयार कर रही हैं, जो महिलाओं को आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता दे रहा है, जो उन्हें नेतृत्व की ओर प्रेरित करता है।

लखपति दीदी योजना स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बना रही है।

ट्रंप की टिप्पणी पर पोप, 'मेरा काम राजनीति करना नहीं, दुनिया को शांति का संदेश देना'

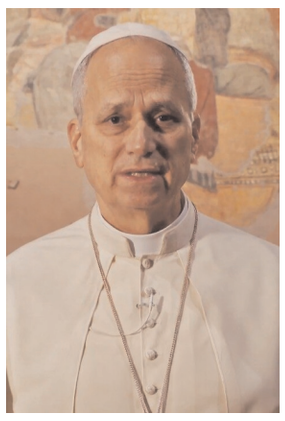

वेटिकन सिटी। पोप लियो XIV ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से किसी भी तरह के डिबेट से स्पष्ट इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा ऐसा इसलिए क्योंकि 'उनका काम राजनीति करना नहीं बल्कि दुनिया को शांति का पाठ पढ़ाना है।'

अल्जीरिया जाते हुए फ्लाइट में पोप से ट्रंप की टिप्पणी को लेकर सवाल किया गया था। पोप ने कहा कि वह 'अपनी भूमिका को एक राजनीतिज्ञ के तौर पर नहीं देखते। मैं कोई राजनेता नहीं हूं, और मैं इस बहस में नहीं पड़ना चाहता।' इसके अलावा, 'मुझे नहीं लगता कि गॉस्पेल (ईशोपदेश) का गलत इस्तेमाल किया जाना चाहिए जैसा कि कुछ लोग कर रहे हैं। वेटिकन न्यूज के मुताबिक, उन्होंने जंग को अनावश्यक बताते हुए आगे कहा, 'मैं युद्ध के खिलाफ पूरी ताकत से बोलता रहता हूं और समस्याओं का हल खोजने के लिए देशों के बीच शांति, बातचीत और बहुपक्षवाद को बढ़ावा देने की कोशिश करता हूं। आज बहुत से लोग परेशान हैं, बहुत से बेगुनाह लोगों की जान जा रही है, और मेरा मानना ??है कि किसी को तो खड़े होकर कहना चाहिए कि एक बेहतर तरीका है!

पोप ने फिर शांति अपील करते हुए कहा, 'मैं यह बात दुनिया के सभी नेताओं से कहता हूं, सिर्फ उनसे (ट्रंप) नहीं: आइए हम युद्ध खत्म करें और शांति-सुलह को बढ़ावा दें।

अमेरिकी पत्रकार के सवाल का जवाब देते हुए, जिसने यही सवाल पूछा था।

पाकिस्तानी सेना पर बलूचिस्तान के छह नागरिकों को जबरन गायब करने का आरोप

क्वेटा । एक बड़े मानवाधिकार संगठन ने सोमवार को कहा कि पाकिस्तानी सेना ने बलूचिस्तान में कम से कम छह आम लोगों को अपहृत कर लिया है। हालांकि, बलूचिस्तान से इससे पहले भी लोगों को जबरन गायब करने के मामले सामने आए हैं।

काफी समय से पाकिस्तान में हत्या और जबरन गायब किए जाने के मामले सामने आ रहे हैं। ये नई घटनाएं पूरे राज्य में जबरदस्ती गायब किए जाने और न्यायेतर हत्याओं की बढ़ती घटनाओं के बीच हुई हैं।

डेरा बुगती जिले में बड़े पैमाने पर जबरदस्ती गायब किए जाने पर गहरी चिंता जताते हुए, बलूच वॉयस फॉर जस्टिस (बीवीजे) ने कहा, 'ये काम बिना वारंट, आरोप या सही प्रक्रिया के जारी हैं, जिससे लोगों में डर और असुरक्षा बढ़ रही है।'

पीड़ितों की पहचान नबी शेर, नबी बख्श, उसामा, मीर गुल, करीम और सिद्दीक के तौर पर हुई है। मानवाधिकार संस्था के मुताबिक, हाल के हफ्तों में डेरा बुगती में लोगों को जबरदस्ती गायब करने की घटनाएं बढ़ गई हैं। इसमें कहा गया है कि दो हफ्ते पहले, दस लोगों का अपहरण किया गया था और वे अभी भी गैर-कानूनी हिरासत में हैं।

सूत्रों का हवाला देते हुए बीवीजे ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) और काउंटर टेररिज्म डिपार्टमेंट (सीटीडी) के अधिकारी परिवारों से उनके प्रियजनों को छोड़ने के लिए बड़ी रकम मांग रहे हैं। इसमें कहा गया है कि ये काम जबरदस्ती और सजा से बचने का लगातार पैटर्न दिखाते हैं और इसकी तुरंत स्वतंत्र जांच की जरूरत है।

पिछले हफ्ते, अपने ग्लोबल कैंपेन के हिस्से के तौर पर, बलूच नेशनल मूवमेंट (बीएनएम) ने अमेरिका में एक अवेयरनेस ड्राइव चलाई, जिसमें पाकिस्तान के बलूचिस्तान में मानवता के खिलाफ जघन्य अपराधों, बलूच विरोधी नीतियों और बर्बर सामूहिक सजा को सामने लाया गया।

बलूच कार्यकर्ताओं ने 10 अप्रैल को बलूचिस्तान की खराब हालत के बारे में जानकारी शेयर करने के लिए सार्वजनिक जगहों पर पर्चे बांटे। बीएनएम के मुताबिक, इसका मकसद पाकिस्तान का असली चेहरा, इंसानियत के खिलाफ उसके अपराधों और दबाव देने वाली नीतियों को सामने लाना था।

बीएनएम ने कहा, '21वीं सदी में भी पाकिस्तान के गैरकानूनी कब्जे की वजह से ऐसी नाइंसाफी लोकतांत्रिक दुनिया और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की नजर में हो रही है। पाकिस्तान बलूच लोगों के खिलाफ सामूहिक सजा समेत अपराधियों के जरिए बलूचिस्तान पर अपना कंट्रोल बनाए हुए है।

बीएनएम ने पाकिस्तानी अधिकारियों पर बलूच नागरिकों के खिलाफ बड़े पैमाने पर हिंसा करने का आरोप लगाया, जिसमें समाज के अलग-अलग तबकों के लोगों की हत्या भी शामिल है।

आईपीएल 2026: एसीएसयू ने भेजा आरआर के मैनेजर भिंडर को 'कारण बताओ नोटिस', 48 घंटे में मांगा जवाब

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की भ्रष्टाचार निरोधक और सुरक्षा इकाई (एसीएसयू) ने राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के टीम मैनेजर रोमी भिंडर को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। यह नोटिस रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मैच के दौरान मोबाइल फोन का इस्तेमाल करने के मामले में जारी किया गया है। एसीएसयू ने इस मामले पर अगले 48 घंटों के भीतर जवाब मांगा है। बीसीसीआई के सूत्रों ने सोमवार को 'आईएएनएस' को बताया, 'हां, एसीएसयू की तरफ से मामले की जांच शुरू करने के बाद, भिंडर को कारण बताओ नोटिस दिया गया है। उनसे 48 घंटों के भीतर जवाब देने और उस क्षेत्र में मोबाइल ले जाने के पीछे के कारणों को समझाने के लिए कहा गया है। यह घटना 10 अप्रैल को गुवाहाटी के एसीए स्टेडियम में आरसीबी के खिलाफ आरआर के मैच की दूसरी पारी के दौरान हुई। इस दौरान टीवी स्क्रीन पर भिंडर को टीम डगआउट में मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते हुए देखा गया। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही क्लिप में युवा ओपनर वैभव सूर्यवंशी को भिंडर के मोबाइल फोन की स्क्रीन की ओर देखते हुए पाया गया।आईपीएल की वेबसाइट पर उपलब्ध पीएमओए (खिलाड़ी और मैच अधिकारी क्षेत्र) दिशानिर्देशों के अनुसार, 'टीम मैनेजर ड्रेसिंग रूम में फोन का इस्तेमाल कर सकता है।

सबरीमाला गोल्ड स्कैम: जेल में बंद अंतिम आरोपी को भी मिली जमानत

कोल्लम । सबरीमाला टेंपल गोल्ड स्कैम में एक अहम घटनाक्रम के तहत केरल के कोल्लम की एक अदालत ने सोमवार को केपी शंकरदास को जमानत दे दी। शंकरदास उन 13 लोगों में से अंतिम आरोपी थे, जिन्हें स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) ने गिरफ्तार किया था और जो अब तक हिरासत में थे।

सबरीमाला मंदिर में सोने के चढ़ावे से जुड़ी कथित अनियमितताओं की जांच के लिए केरल हाई कोर्ट के निर्देशों पर एसआईटी का गठन किया गया था।

शंकरदास को जमानत मिलने के साथ ही एसआईटी द्वारा दर्ज किए गए दोनों मामलों में शामिल सभी आरोपी अब जमानत पर बाहर हैं। यह इस हाई-प्रोफाइल जांच का एक अहम पड़ाव है, जिसने पूरे राज्य में राजनीतिक और प्रशासनिक हलचल मचा दी है।

इस मामले के सिलसिले में गिरफ्तार किए गए लोगों में त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) के एक सेवारत अधिकारी, पूर्व कर्मचारी, सोने के कारोबारी और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के वरिष्ठ नेता शामिल हैं।

आरोपियों की सूची में मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी का नाम भी शामिल है, जिस पर सोने की कथित हेराफेरी के नेटवर्क का केंद्र होने का आरोप है।

यह मामला पहाड़ी मंदिर में भक्तों द्वारा चढ़ाए गए सोने के चढ़ावे के रखरखाव और हिसाब-किताब में बड़े पैमाने पर गड़बड़ियों के आरोपों से जुड़ा है। यह मंदिर देश के सबसे अमीर और सबसे ज्यादा दर्शनार्थियों वाले तीर्थस्थलों में से एक है।

मंदिर की संपत्तियों से जुड़ी संभावित हेराफेरी और अनाधिकृत लेन-देन को लेकर बढ़ती शिकायतों और जनता के भारी विरोध के बाद एसआईटी जांच शुरू की गई थी।

जांचकर्ताओं ने पहले संकेत दिया था कि आरोपी बिचौलियों और अंदर के लोगों के एक नेटवर्क के जरिए काम करते थे, जिससे मंदिर की कीमती चीजों के प्रबंधन में मौजूद व्यवस्थागत कमियों को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।

अधिकारियों और राजनीतिक रूप से जुड़े लोगों की संलिप्तता ने इस मामले को और भी संवेदनशील बना दिया है, जिसके चलते अधिक पारदर्शिता और संस्थागत जवाबदेही की मांगें जोर पकड़ रही हैं।

एलजी मनोज सिन्हा ने कठुआ में नशीले पदार्थों के खिलाफ जन-आंदोलन की शुरुआत की

कठुआ । जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को कठुआ में नशीले पदार्थों के खिलाफ एक जन-आंदोलन की शुरुआत की।

एलजी मनोज सिन्हा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि आज, 'नशामुक्त जम्मू-कश्मीर' अभियान के तहत, मैंने कठुआ में एक जनसभा को संबोधित किया और नशीले पदार्थों के खिलाफ एक जन-आंदोलन की शुरुआत की। आइए, हम एक ऐसा जम्मू-कश्मीर बनाएं, जहां हमारे युवाओं की ऊर्जा दुनिया को रोशन करे, न कि खुद को ही तबाह कर ले। आइए, हम अटूट संकल्प के साथ इस चुनौती का सामना करें।

उन्होंने आगे कहा कि अगले तीन महीने न केवल एक अभियान चलाएंगे, बल्कि वे जम्मू-कश्मीर में स्थायी बदलाव के बीज भी बोएंगे। इस अभियान की आधारशिला 'करुणापूर्ण पुनर्वास' है। हमें अपनी सोच बदलनी होगी। नशे के आदी लोग मरीज हैं और उन्हें हमारी मदद और सहयोग की जरूरत है।

बता दें कि इससे पहले उपराज्यपाल ने 11 अप्रैल को 'नशामुक्त जम्मू कश्मीर' के लिए एक व्यापक जन आंदोलन का शुभारंभ किया था। इस अभियान का शुभारंभ जम्मू के एम स्टेडियम से किया गया था। इस पहल को केंद्र शासित प्रदेश के हर गांव, कस्बे, शहर और घर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि समाज के हर वर्ग को इस मुहिम से जोड़ा जा सके।उपराज्यपाल कार्यालय ने सोशल मीडिया प्?लेटफॉर्म 'एक्?स' पर पोस्ट कर कहा था कि जम्मू के एम ??स्टेडियम से 'नशामुक्त जम्?मू कश्?मीर' के लिए एक ऐतिहासिक जन-आंदोलन का शुभारंभ किया गया। हमने एक ऐसे संकल्प को आवाज दी है जो इस केंद्र शासित प्रदेश (यूटी) के हर गांव, हर कस्बे, हर शहर, हर घर और हर दिल तक पहुंचेगा, और इस क्षेत्र को नशामुक्त बनाने के हमारे संकल्प को पूरा करेगा।

मास्को ने माना, 'होर्मुज ब्लॉकेड से पड़ेगा बाजार पर नकारात्मक असर'

मास्को। रूसी राष्ट्रपति के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने सोमवार को माना कि होर्मुज जलडमरूमध्य पर अमेरिकी नाकाबंदी से अंतरराष्ट्रीय बाजारों पर नकारात्मक असर पड़ सकता है।

रूसी न्यूज एजेंसी टीएएसएस ने इसकी जानकारी दी। मास्को में नियमित प्रेस ब्रीफिंग में क्रेमलिन प्रवक्ता ने कहा, 'इसका इंटरनेशनल मार्केट पर बुरा असर पड़ता रहेगा; यह बात हम पक्के तौर पर कह सकते हैं।

एक और सवाल के जवाब में, उन्होंने कहा कि यूएस के होर्मुज स्ट्रेट को ब्लॉक करने की डिटेल्स अभी साफ नहीं हैं। यूएस की नाकेबंदी की धमकी पर पेसकोव ने कहा, 'यहां अभी कई चीजें साफ नहीं हैं और समझ से बाहर हैं, इसलिए मैं इस समय कोई भी खास टिप्पणी करने से बचूंगा।

रविवार को, संयुक्त राज्य अमेरिका ने साफ कर दिया कि वह 13 अप्रैल से ईरानी पोर्ट्स में आने-जाने वाले जहाजों पर पूरी तरह से समुद्री नाकाबंदी लागू करना शुरू कर देगा। ये घटनाक्रम यूएस-ईरान के बीच इस्लामाबाद टॉक्स बेनतीजा रहने के बाद सामने आया।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) की ओर से भी इसकी चेतावनी दी गई है। बताया गया कि यह कदम राष्ट्रपति के आदेश के बाद उठाया गया और दावा किया कि यह 'ईरानी पोर्ट्स में आने-जाने वाले सभी समुद्री ट्रैफिक' को टारगेट करेगा, जिसमें अरब की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बंदरगाह भी शामिल हैं।

सेंटकॉम की मानें तो, 'इस नाकेबंदी की जद में सभी देश आएंगे,' और उसने कहा कि अमेरिकी सेना होर्मुज स्ट्रेट से गैर-ईरानी बंदरगाहों से गुजरने वाले जहाजों को नहीं रोका जाएगा। एक रिलीज के मुताबिक, नाकेबंदी सोमवार शाम 7.30 बजे (भारतीय समयानुसार) से शुरू होगी। पूरी दुनिया की नजर विकसित देशों पर टिकी हुई है। इस बीच, मास्को ने घोषणा की कि रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव मंगलवार को दो दिवसीय दौरे पर बीजिंग आएंगे।

संपादकीय

कूटनीति के जरिए पेट्रोलियम आपूर्ति को रखा बरकरार

उमेश चतुर्वेदी

28 फरवरी को ईरान पर अमेरिकी और इजरायली हमले के बाद पूरी दुनिया की चिंता ऊर्जा को लेकर थी। आज की दुनिया ऊर्जा के लिए जीवाश्म तेलों पर सबसे ज्यादा निर्भर है, जिसे हम पेट्रोल और डीजल के रूप में जानते हैं। इसके साथ ही प्राकृतिक गैस भी आज ऊर्जा की बड़ी स्रोत है। ईरान पर हमले के पहले बहुत लोगों ने होमुर्ज जलडमरूमध्य का नाम नहीं सुना था, लेकिन आज हर पढ़ा-लिखा और सचेत शख्स इसे जान गया है। फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच स्थित इस संकरे समुद्री रास्ते पर ईरान का कब्जा है। इसके जरिए पूरी दुनिया को आपूर्ति होने वाला बीस प्रतिशत पेट्रोलियम पदार्थ इसी रास्ते से गुजरता रहा है। जहां तक भारत का सवाल है तो ईरान पर हमले के पहले तक भारत आयात होने वाले कच्चे तेल के आधे हिस्से की आपूर्ति इसी रास्ते होती थी। इससे भारत की चिंताएं बढ़ना स्वाभाविक थी। लेकिन भारत ने ना सिर्फ होमुर्ज के जरिए अपनी आपूर्ति को बनाए रखने की कूटनीतिक कोशिशें जारी रखीं, बल्कि वैकल्पिक रास्ते की भी तलाश तेज कर दी।

भारत अपनी पेट्रोलियम जरूरतों का करीब 85 फीसद हिस्सा आयात करता है। इसका आधा हिस्सा होमुर्ज के रास्ते ही आता था। भारतीय वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार होमुर्ज के रास्ते भारत रोजाना ढाई से 2.7 मिलियन बैरल कच्चा तेल आयात करता था। लेकिन ईरान पर हमले के बाद यह घटकर इसका आधा ही रह गया है। वैसे तो होमुर्ज पर ओमान का भी दावा माना जाता है, लेकिन हकीकत में इस जलमार्ग पर पूरी तरह ईरान का दबदबा है। हमले के बाद ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड ने इस रास्ते पर ना सिर्फ निगरानी बढ़ा दी है, बल्कि सीमित आवाजाही हो ही मंजूरी दी है। भारत को इसकी आशंका थी, इसलिए उसने खाड़ी के देशों से तेल आयात के लिए वैकल्पिक मार्गों पर भी ध्यान देना शुरू कर दिया। संकट के क्षण में भले ही ईरान ने भारत के प्रति सहयोगी रूख अख्तियार कर रखा है, लेकिन भारत ने 'केप ऑफ गुड होप' यानी अफ्रीका के दक्षिण से गुजरने वाले जलमार्ग का भी उपयोग बढ़ा दिया है। इस बीच भारत ने कूटनीतिक प्रयास जारी रखा। इसका असर यह हुआ कि ईरान भारतीय जहाजों को होमुर्ज से गुजरने की अनुमति दे रहा है। एलपीजी लदा एक जहाज कोचीन आ चुका है और ऐसे ही कुछ और जहाज तेल और गैस लेकर भारत आ रहे हैं। इस बीच भारत ओमान की खाड़ी से गुजरने वाले जहाजों को अपनी नौसेना के जरिए सुरक्षा दे रहा है। भारत सरकार के अनुसार, भारतीय रिफायनरियों के पास कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार है। इस बीच भारत ने रूस से भी कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति बढ़ा दी है। इसका असर यह हुआ है कि भारत में जिस तरह की महंगाई की आशंका थी, वैसी नहीं दिखी। हालांकि उद्योगों के लिए आपूर्ति किए जाने वाले व्यवसायिक गैस सिलिंडर की कीमतें बढ़ा दी गई हैं। तेल की बढ़ती कीमतों और व्यवसायिक गैस की आपूर्ति कम होने के चलते खाने-पीने वाली चीजों की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। महानगरों में सर्वसुलभ ठेले की चाय की कीमतें डेढ़ गुनी तक बढ़ चुकी हैं। लेकिन आपूर्ति श्रृंखला जारी रहने के चलते स्थिति खराब नहीं हुई है। जबकि पड़ोसी पाकिस्तान में आधी गाड़ियों को ही सड़कों पर उतरने की अनुमति है, वहां पेट्रोल भारत के मुकाबले करीब ढाई गुनी ऊंची दर पर मिल रहा है। पश्चिम एशिया में संकट शुरू होने के बाद कूटनीति की कमान प्रधानमंत्री मोदी ने संभालते हुए युद्ध शुरू होने के महज 48 घंटों के भीतर आठ खाड़ी देशों संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, कुवैत,ओमान, कतर, जार्डन, ओमान, बहरीन और इजरायल के नेताओं से बात की। इसके साथ ही उन्होंने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रां और मलयेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहीम से बात की। इस बातचीत का मकसद वैश्विक हालात पर चर्चा के साथ ही भारतीय हितों को सुनिश्चित करना भी था। इस बीच 'गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल' के महासचिव जासेम मोहम्मद अल बुदैवी से फोन पर वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने बात की है। इस बातचीत का मकसद खाड़ी देशों के इस संगठन के साथ एकजुटता प्रदर्शित करने के साथ ही भावी ऊर्जा संकट से भारत को मुक्ति दिलाने को लेकर रणनीति बनाना भी है। इसके पहले मंत्री हरदीप पुरी ने कतर की यात्रा की थी। दरअसल भारत इन देशों से भी पेट्रोलियम पदार्थों का आयात बढ़ाना चाहता है। भारत की कोशिश ईरान के विकल्प के रूप में अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए दूसरे देशों का भी सहयोग हासिल करने की है। भारत को अपनी खेती के लिए रासायनिक खाद की भी जरूरत पड़ती है। भारत में खाद उत्पादन के लिए पेट्रोलियम पदार्थों का सबसे ज्यादा इस्तेमाल होता है। बेशक रूस से भारत को कच्चा तेल और खाद की सामग्री मिल रही है, लेकिन भारत की कोशिश आपूर्ति को विविधरंगी बनाए रखना है।

पत्रकारिता की गिरती गरिमा और राजनीति की बिगड़ती भाषा

डॉ. प्रियंका सौरभ

लोकतंत्र केवल वोट देने का अधिकार नहीं होता, वह एक सतत संवाद की प्रक्रिया है—जहाँ सवाल पूछे जाते हैं, जवाबदेही तय होती है और असहमति को सम्मान के साथ सुना जाता है। इस संवाद को जीवित रखने का जिम्मा जिन दो प्रमुख स्तंभों पर टिका होता है, वे हैं—पत्रकारिता और राजनीति। लेकिन आज यही दोनों स्तंभ अपने मूल स्वरूप से भटकते दिखाई दे रहे हैं। पत्रकारिता अपनी गरिमा खोती जा रही है और राजनीति अपनी भाषा। यह गिरावट केवल संस्थाओं की नहीं, बल्कि पूरे समाज के चरित्र का आईना बनती जा रही है।

एक दौर था जब पत्रकारिता को मिशन कहा जाता था। अखबारों के संपादकीय केवल शब्दों का समूह नहीं होते थे, बल्कि विचारों की मशाल होते थे। पत्रकार सत्ता के सामने खड़े होकर सवाल पूछने का साहस रखते थे। उनके शब्दों में सच्चाई की ताकत होती थी, और जनता उन्हें भरोसे के साथ पढ़ती थी। लेकिन आज पत्रकारिता का एक बड़ा हिस्सा 'खबर' से ज्यादा 'नज़ारा' बन गया है। कैमरों की चमक, एंकरों की ऊँची आवाज़ और बहसों का शोर—इन सबने मिलकर पत्रकारिता की गंभीरता को कहीं पीछे छोड़ दिया है।

आज खबरों का चयन इस आधार पर नहीं होता कि क्या जरूरी है, बल्कि इस आधार पर होता है कि क्या 'ट्रेंड' करेगा। किसी मुद्दे की गहराई में जाने की बजाय उसे सतही तरीके से परोसना ज्यादा आसान और लाभकारी समझा जाता है। सोशल मीडिया ने इस प्रवृत्ति को और तेज कर दिया है, जहाँ हर व्यक्ति 'सूचना' का स्रोत बन गया है, लेकिन सत्य और असत्य के बीच की रेखा धुंधली हो गई है। इस माहौल में जिम्मेदार पत्रकारिता करना एक चुनौती बन गई है, लेकिन दुर्भाग्य से कई संस्थान इस चुनौती से बचने का रास्ता चुन रहे हैं।

पत्रकारिता की इस गिरावट के पीछे केवल तकनीकी बदलाव ही जिम्मेदार नहीं हैं। इसके पीछे एक बड़ा कारण आर्थिक और राजनीतिक दबाव भी है। मीडिया हाउस बड़े कॉर्पोरेट समूहों के अधीन आते जा रहे हैं, जिनके अपने हित और एजेंडे होते हैं। विज्ञापन का दबाव संपादकीय स्वतंत्रता को सीमित करता है। ऐसे में 'सच' अक्सर 'सुविधाजनक सच' बनकर रह जाता है। सवाल यह है कि अगर पत्रकार ही समझौता करने लगेंगे, तो आम जनता के हितों की रक्षा कौन करेगा?

दूसरी ओर, राजनीति की भाषा भी लगातार गिरावट की ओर बढ़ रही है। सार्वजनिक मंचों पर नेताओं द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली भाषा अब पहले जैसी मर्यादित और संयमित नहीं रही। व्यक्तिगत हमले, कटाक्ष, अपमानजनक शब्द और यहां तक कि नफरत फैलाने वाले बयान भी आम होते जा रहे हैं। यह केवल शब्दों की गिरावट नहीं है, बल्कि सोच की गिरावट का भी संकेत है।

राजनीति में असहमति होना स्वाभाविक है। विचारों का टकराव लोकतंत्र की खूबसूरती है। लेकिन जब यह टकराव व्यक्तिगत अपमान और अशिष्टता में बदल जाता है, तो वह लोकतंत्र की आत्मा को चोट पहुँचाता है। दुर्भाग्य से आज कई नेता लोकप्रियता पाने के लिए जानबूझकर उत्तेजक और विवादास्पद भाषा का इस्तेमाल करते हैं, क्योंकि उन्हें पता है कि इससे उन्हें तुरंत ध्यान और समर्थन मिल सकता है।

यह प्रवृत्ति इसलिए भी खतरनाक है क्योंकि नेता समाज के लिए उदाहरण होते हैं। जब वे सार्वजनिक रूप से अशिष्ट भाषा का प्रयोग करते हैं, तो समाज का एक हिस्सा उसे सामान्य मानने लगता है। धीरे-धीरे यह भाषा हमारे रोजमर्रा के संवाद का हिस्सा बन जाती है। परिवार, स्कूल और समाज—हर जगह इसका असर दिखाई देने लगता है।

पत्रकारिता और राजनीति की यह गिरावट एक-दूसरे से जुड़ी हुई है। जब पत्रकारिता कमजोर होती है, तो राजनीति को अपनी भाषा और व्यवहार सुधारने की जरूरत महसूस नहीं होती। और जब राजनीति का स्तर गिरता है, तो पत्रकारिता भी उसी स्तर पर आकर बहस करने लगती है। इस तरह एक दुष्चक्र बन जाता है, जो लोकतंत्र को भीतर से खोखला करता है।

इस संकट का एक और महत्वपूर्ण पहलू है—जनता की भूमिका। अक्सर हम यह मान लेते हैं कि सारी जिम्मेदारी नेताओं और पत्रकारों की है, लेकिन सच्चाई यह है कि हम भी इस व्यवस्था का हिस्सा हैं। हम क्या देखते हैं, क्या पढ़ते हैं और किसे समर्थन देते हैं—यह सब तय करता है कि समाज किस दिशा में जाएगा। अगर हम सनसनीखेज खबरों को ज्यादा महत्व देंगे, तो मीडिया वही दिखाएगा। अगर हम अशिष्ट भाषा बोलने वाले नेताओं को समर्थन देंगे, तो राजनीति उसी दिशा में आगे बढ़ेगी।

आज जरूरत है आत्ममंथन की—सिर्फ पत्रकारों और नेताओं के लिए नहीं, बल्कि हर नागरिक के लिए। पत्रकारिता को अपने मूल सिद्धांतों—सत्य, निष्पक्षता और जिम्मेदारी—की ओर लौटना होगा। उसे यह समझना होगा कि उसकी ताकत उसकी विश्वसनीयता में है, न कि उसकी आवाज़ की ऊँचाई में। उसे यह तय करना होगा कि वह सत्ता का सहयोगी बनेगा या जनता का प्रहरी।

राजनीति को भी अपनी भाषा और आचरण पर पुनर्विचार करना होगा। नेताओं को यह समझना होगा कि उनके शब्द केवल राजनीतिक हथियार नहीं हैं, बल्कि सामाजिक संस्कारों को गढ़ने वाले उपकरण भी हैं। मर्यादा, संयम और सम्मान—ये केवल आदर्श शब्द नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आवश्यकता हैं।

शिक्षा व्यवस्था और सामाजिक संस्थाओं की भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका है। बच्चों और युवाओं को यह सिखाना होगा कि असहमति को कैसे सभ्य तरीके से व्यक्त किया जाता है। उन्हें यह समझाना होगा कि बहस का मतलब शोर नहीं, बल्कि तर्क होता है। अगर हम आने वाली पीढ़ी को सही दिशा नहीं देंगे, तो यह संकट और गहरा हो जाएगा।

डिजिटल युग में यह चुनौती और भी जटिल हो गई है। फेक न्यूज़, ट्रोलिंग और ऑनलाइन हेट स्पीच ने संवाद की गुणवत्ता को और गिरा दिया है। ऐसे में जिम्मेदार नागरिक बनने की जरूरत पहले से कहीं ज्यादा है। हमें हर सूचना को परखना होगा, हर बयान को समझना होगा और हर प्रतिक्रिया को सोच-समझकर देना होगा।

अंततः यह समझना जरूरी है कि लोकतंत्र केवल संस्थाओं का ढांचा नहीं है, बल्कि एक जीवंत संस्कृति है। यह संस्कृति तभी फलती-फूलती है, जब उसमें संवाद की शालीनता, विचारों की गहराई और जिम्मेदारी की भावना होती है। अगर पत्रकारिता अपनी गरिमा खो दे और राजनीति अपनी भाषा, तो यह संस्कृति धीरे-धीरे खत्म होने लगती है।

आज हम एक ऐसे मोड़ पर खड़े हैं, जहाँ हमें तय करना है कि हम किस दिशा में जाना चाहते हैं। क्या हम शोर, सनसनी और अशिष्टता के रास्ते पर आगे बढ़ेंगे, या फिर सच्चाई, शालीनता और जिम्मेदारी को अपनाएंगे? यह फैसला केवल नेताओं और पत्रकारों का नहीं, बल्कि हम सबका है।

अगर हमने समय रहते इस गिरावट को नहीं रोका, तो लोकतंत्र केवल एक औपचारिकता बनकर रह जाएगा—जहाँ चुनाव तो होंगे, लेकिन संवाद नहीं। और जहाँ संवाद नहीं होता, वहाँ लोकतंत्र भी नहीं होता।इसलिए यह समय चेतावनी का है, लेकिन साथ ही अवसर का भी। अगर हम जागरूक होकर सही दिशा में कदम बढ़ाएं, तो हम इस संकट से उबर सकते हैं। पत्रकारिता फिर से अपनी गरिमा पा सकती है, राजनीति फिर से अपनी मर्यादा। और लोकतंत्र—वह फिर से अपने असली अर्थ में जीवित हो सकता है।

भारत के संविधान निर्माता : डॉ. भीमराव अंबेडकर

महेन्द्र तिवारी

14 अप्रैल 1891 को मध्य प्रदेश के महू नामक सैन्य छावनी में जन्मे डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर भारतीय इतिहास के उन विरले महापुरुषों में से हैं जिन्होंने अपने जीवनकाल में अनगिनत संघर्षों का सामना करते हुए एक ऐसी विरासत छोड़ी, जो आज भी करोड़ों लोगों को प्रेरणा देती है। उनके पिता रामजी मालोजी सकपाल ब्रिटिश भारतीय सेना में सूबेदार के पद पर थे और वे स्वयं महार जाति से संबंध रखते थे, जिसे तत्कालीन समाज में अछूत माना जाता था। परिवार में 14 भाई-बहनों में से भीमराव सबसे छोटे थे। जाति-आधारित भेदभाव की पीड़ा उन्होंने बचपन से ही झेली, जब विद्यालय में उन्हें अन्य बच्चों के साथ बैठने तक की अनुमति नहीं थी और अध्यापक भी उनकी कापियाँ छूने से परहेज करते थे।

इन विपरीत परिस्थितियों के बावजूद भीमराव ने शिक्षा को अपना हथियार बनाया। 1907 में उन्होंने मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण की और मुंबई के एलफिंस्टन कॉलेज में प्रवेश लिया। यह उस युग में किसी दलित के लिए एक असाधारण उपलब्धि थी। बड़ौदा के महाराजा सयाजीराव गायकवाड़ तृतीय ने उनकी प्रतिभा को पहचाना और उन्हें छात्रवृत्ति प्रदान की, जिससे वे 1913 में उच्च शिक्षा के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका जा सके। कोलंबिया विश्वविद्यालय में उन्होंने अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर और फिर पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। उनका शोध प्रबंध 'ब्रिटिश भारत में प्रान्तीय वित्त का विकास' अत्यंत उल्लेखनीय था। इसके पश्चात वे लंदन गए जहाँ उन्होंने ग्रेज इन से बैरिस्टर की उपाधि और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से डॉक्टर ऑफ साइंस की डिग्री प्राप्त की। अपने जीवन में उन्होंने कुल 32 से अधिक उपाधियाँ और डिग्रियाँ अर्जित कीं, जो उन्हें विश्व के सर्वाधिक शिक्षित व्यक्तियों में से एक बनाती हैं।

शिक्षा पूरी करके भारत लौटने के बाद भी अंबेडकर को सामाजिक भेदभाव का कड़वा अनुभव होता रहा। बड़ौदा दरबार में नौकरी के दौरान उन्हें किसी हिंदू कर्मचारी ने फाइलें देने से मना कर दिया और धर्मशाला में ठहरने की जगह न मिलने पर एक पारसी सराय में शरण लेनी पड़ी। इन अनुभवों ने उनके भीतर यह विश्वास और भी पक्का कर दिया कि जाति-व्यवस्था का उन्मूलन किए बिना भारत का कोई भविष्य नहीं है। 1920 में उन्होंने 'मूकनायक' नामक पाक्षिक पत्रिका का प्रकाशन शुरू किया, जो दलित आवाज का पहला संगठित मंच बनी। इसके बाद 1927 में 'बहिष्कृत भारत' और 1930 में 'जनता' जैसे प्रकाशनों के माध्यम से उन्होंने जन-जागरण का अभियान चलाया।

1927 का महाड़ सत्याग्रह उनके नेतृत्व की एक ऐतिहासिक घटना थी। महाराष्ट्र के महाड़ में चवदार तालाब से पानी पीने के अधिकार के लिए उन्होंने हजारों अनुयायियों के साथ सत्याग्रह किया। सार्वजनिक जल स्रोतों तक दलितों की पहुँच को इस संघर्ष ने एक नई दिशा दी।

बोध कथा

संवेदनशीलता और सही दिशा

एक समय की बात है, एक गांव में अर्जुन नामक एक युवक रहता था। वह बड़ा ही समझदार और परिश्रमी था, लेकिन उसके जीवन में कुछ ऐसी चीजें थीं जो हमेशा उसकी हार का कारण बनती थीं। अर्जुन का सपना था कि वह अमीर बनें, लेकिन हमेशा कुछ ना कुछ कामयाबी की राह में रुकावटें आती रहीं। एक दिन, अर्जुन अपने दोस्त सुरेश के साथ गांव के पंचायत भवन में गया।

वहां उन्होंने सुना कि एक महान योगी गांव के पास आ रहे हैं और वह सभी जीवों के कर्मों को जान सकते हैं। अर्जुन ने दोस्त सुरेश के साथ तय किया कि वे इस योगी के पास जाकर अपने कर्मों के बारे में जानने का प्रयास करेंगे। योगी के पास पहुँचकर, अर्जुन और सुरेश ने उनकी आज्ञाओं का पालन किया और उनके सामने बैठे। योगी ने दोनों के कर्मों को जानने का प्रयास किया और बताया कि उनके कर्मों के बल पर ही उनकी समस्याओं का समाधान हो सकता है। अर्जुन ने सबसे पहले योगी को अपने कई सारे परिश्रमों के बारे में बताया। उसने कहा कि वह हमेशा परिश्रम करता है, लेकिन फिर भी उसका सपना पूरा नहीं हो पाता। योगी ने उसके कर्मों को देखकर बताया कि उसने तो परिश्रम किया, लेकिन उसके कर्मों में संवेदनशीलता और सही दिशा नहीं दी। उसने कहा कि अगर वह अपने कर्मों को सही दिशा में ले जाता तो उसका सपना पूरा हो सकता था। अर्जुन ने इसे सबसे गहराई से समझने की कोशिश की, और योगी के संदेश को समझकर उसने अपने कर्मों में सुधार करने का निर्णय लिया।

उसने योगी से सीखा कि कर्मों को न केवल बिना उम्मीद के किया जाना चाहिए, बल्कि उन्हें सही दिशा में करने की भी आवश्यकता होती है। अर्जुन ने योगी की सीखों का पालन किया और अपने कर्मों में संवेदनशीलता और सही दिशा देने लगा।

उसके कर्मों में सुधार होता गया और वह अपने सपने की ओर बढ़ता गया। कुछ महीनो बाद अर्जुन का सपना पूरा हो गया और वह अमीर बन गया। वह समझ गया कि कर्मों को सही दिशा में करने से ही सफलता मिलती है। आत्मा की शक्ति है मन संवेदनशीलता और सही दिशा।

व्यंग्य केसरी

तेल की धार

साकार श्रीवास्तव 'फलक'

पिछले दिनों ये यक़ीन और भी पुख़्ता हो गया कि दुनिया में असभ्य और बर्बर प्राणियों की नस्ल अभी भी बची हुई है । कुछ सौ साल पुरानी जन जातियों के प्राणी हज़ारों साल पुरानी सभ्यता को रातों- रात ख़त्म करने का ऐलान करने लगे। चूँकि असभ्य तो थे ही सो भरे समाज में गली-गलौज करने लगे तो एक तथा कथित विकसित राष्ट्र का यह व्यवहार बुरा तो लगा लेकिन किसी ने बुरा माना नहीं क्योंकि ऐसे लोगों का सामान्य व्यवहार ही समझा। उन्हें पढ़ा-लिखा और सम्वेदनशील मानना तो भूल क्या गलती ही होगी जब वे इबादत में झुके लोग, तालीमगाह में मासूम बाच्चियों , मरीज़ों से भरे अस्पतालों पर आधुनिक मिसाइलों से हमले कर रहे हों। आम नागरिकों की आमूल ज़रूरतों के साधनों को ख़त्म कर रहे हों। इधर हमारे गुणी जनों ने कहा है 'विनाश काले विपरीत बुद्धि' और मशहूर कवि ने कहा भी है 'जब नाश मनुज पर छाता है पहले विवेक मर जाता है'। अब इसे चेतावनी मानें या भविष्य वाणी ।

अरे, चाहिए क्या था उन्हें तेल और तेल का पीपा। हमारे यहाँ उसकी भी कहावत मौजूद है - तेल देखो तेल की धार देखो। सो तेल वाले ने अपनी धार भी दिखाई। ये बात और है इस धार की शिकार पूरी दुनिया हो गयी। आ गया हर ख़ास ओ आम धार की मार की चपेट में। बड़े- बड़े कारख़ानों से लेकर आम आदमी की रसोई तक इसकी मार महसूस होने लगी । कोरोना काल की तरह ढाबे वाले, रेस्टोरेंट वाले मज़दूर और कारख़ाना मजदूर सब लोग लगे फिर गाँव की ओर लौटने। गाँव के खेत-खलिहान कंक्रीट के जंगल में ताब्दील होने लगे तो गाँव वाले शाहर गए कमाने और शहरों की आए दिन फिर कोई ना कोई आफ़त कबी कोरोना, कभी क्षेत्रवाद तो अब ये तेल की मार । बेचारा आदमी जाए तो जाए कहाँ? गान लौटे तो सरकार से मुफ़्त में मिला सिलेंडर मुँह बिसूरे कौने में पड़ा पूछ रहा था कि चुनाव के समय नेता जी का वादा - क्या हुआ तेरा वादा वो क़सम वो इरादा। लेकिन घर के पुराने रेडियो पर गाना गूंजने लगा - क़समें वादे, प्यार वफ़ा सब बातें हैं बातें का क्या ... इधर चून्नु - मुन्नी की शादी में मेहमान आ गए उनके लिए पकवान पकाने के लिए गैस सिलेंडर की दिक़्क़त। फिर जल उठी हलवाई की भट्टी- गुजरे जमाने की यादें ताज़ा होने लगीं।

इस तेल की धार ने बड़े- बड़े देशों की अर्थ व्यवस्था और वो क्या कहते हैं जी डी पी को भी धरा को चूमने के लिए मजबूर कर दिया। इधर जिसे तेल के पीपे की भूख थी वो इसके लिए तेल वाले भैया के पीछे दौड़ने लगा तो तेल वाले भैया ने तेल का पीपा उलट दिया। होना क्या था तेल के पीछे भागने वाले साहब सड़क पर औंधे मुँह गिरे । सारी दुनिया में दूर तक आवाज़ सुनाई दी, धड़ाम !

इतिहास

13 अप्रैल के इतिहास में भारत और विश्व की कई महत्वपूर्ण घटनाएं शामिल हैं। सबसे प्रमुख रूप से, 1919 में आज ही के दिन अमृतसर में जलियांवाला बाग हत्याकांड हुआ था, जो भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का एक काला दिन है। इसके अलावा, 1970 में अपोलो 13 मिशन में दुर्घटना हुई थी और 1984 में सियाचिन ग्लेशियर में भारत ने ऑपरेशन मेघदूत शुरू किया था। 13 अप्रैल के इतिहास की प्रमुख घटनाएं:

1919 (जलियांवाला बाग हत्याकांड): अमृतसर के जलियांवाला बाग में ब्रिटिश हुकूमत ने निहत्थे प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलवाईं, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए। 1984 (ऑपरेशन मेघदूत): भारतीय सेना ने सियाचिन ग्लेशियर पर नियंत्रण स्थापित करने के लिए ऑपरेशन मेघदूत शुरू किया। 1970 (अपोलो 13 दुर्घटना): चंद्रमा के रास्ते में अपोलो 13 का ऑक्सीजन टैंक फट गया, जिससे मिशन के चालक दल का जीवन खतरे में पड़ गया।

कमजोर वैश्विक संकेतों के चलते लाल निशान में बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स करीब 1 प्रतिशत फिसला

मुंबई। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच कमजोर वैश्विक संकेतों के चलते हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुआ।

इस दौरान घरेलू बाजार के प्रमुख बेंचमार्क बीएसई सेंसेक्स 702.68 अंक यानी 0.91 प्रतिशत की गिरावट के साथ 76,847.57 पर बंद हुआ। वहीं एनएसई निफ्टी50 207.95 अंक यानी 0.86 प्रतिशत गिरकर 23,842.65 के स्तर पर बंद हुआ।

दिन के कारोबार में सेंसेक्स 1,682 अंक या 2.1 प्रतिशत गिरकर 75,868.32 के निचले स्तर पर पहुंच गया था, जबकि निफ्टी 495 अंक या 2 प्रतिशत गिरकर 23,555.60 के निचले स्तर पर पहुंच गया था।

व्यापक बाजारों में, निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 0.57 प्रतिशत और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 0.46 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

वहीं सेक्टरवार देखें तो निफ्टी ऑटो में 2.09 प्रतिशत, निफ्टी एफएमसीजी में 1.29 प्रतिशत और निफ्टी आईटी में 1.16 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

इसके अलावा, निफ्टी पीएसयू बैंक में 0.73 प्रतिशत, निफ्टी बैंक में 0.55 प्रतिशत, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में 0.63 प्रतिशत, निफ्टी मीडिया में 0.35 प्रतिशत, निफ्टी फार्मा में 0.29 प्रतिशत और निफ्टी मेटल में 0.22 प्रतिशत की गिरावट देखी गई।

निफ्टी50 में आयशर मोटर्स, मारुति सुजुकी, बजाज फाइनेंस, रिलायंस, इंडिगो, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज, एचडीएफसी बैंक, टीसीएस और श्रीराम फाइनेंस के शेयरों में सबसे ज्यादा 5-2 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई, जबकि एचडीएफसी लाइफ, अदाणी इंटरप्राइजेज, आईसीआईसीआई बैंक, एनटीपीसी, टीएमपीवी, कोल इंडिया और ओएनजीसी के शेयरों में तेजी देखने को मिली।

घरेलू बाजार में यह गिरावट अमेरिका-ईरान युद्धविराम वार्ता के विफल होने और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के कारण आई, जिससे यह चिंता बढ़ गई है कि मध्य पूर्व संघर्ष अनुमान से अधिक समय तक खिंच सकता है।

इस्लामाबाद में सप्ताह के अंत में हुई अमेरिका-ईरान वार्ता से कोई ठोस नतीजा नहीं निकला, जिससे दो सप्ताह के नाजुक संघर्ष विराम पर संदेह पैदा हो गया है।

मार्केट एक्सपर्ट्स के मुताबिक, बाजार अब रिकवरी फेज से निकलकर एक अधिक सतर्क और जोखिम-संवेदनशील स्थिति में प्रवेश कर रहा है। बढ़ती अस्थिरता और लगभग सभी सेक्टरों में दबाव यह दिखाता है कि निवेशक अब मैक्रो जोखिमों को गंभीरता से लेने लगे हैं। कच्चे तेल की ऊंची कीमतें, रुपए की कमजोरी और भू-राजनीतिक अनिश्चितता के कारण कंपनियों की कमाई और मार्जिन को लेकर चिंता बढ़ गई है।

तकनीकी नजरिए से देखें तो निफ्टी ने 23,500-23,600 के सपोर्ट जोन के आसपास ओपनिंग की और दिन में धीरे-धीरे रिकवरी दिखाई। इंडेक्स ने 23,900 के स्तर को छुआ, जो पहले सपोर्ट था लेकिन अब रेजिस्टेंस बन गया है। हालांकि, इस स्तर के ऊपर टिक नहीं पाया, जिससे ऊपरी स्तरों पर बिकवाली का दबाव साफ दिखा।

दालों और तिलहनों के मुद्दे पर झूठा नैरेटिव बना रहे तमिलनाडु सीएम स्टालिनः वित्त मंत्री सीतारमण

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की आलोचना की और उन पर एक झूठा नैरेटिव बनाने का आरोप लगाया। यह नैरेटिव केंद्र सरकार की उस सलाह के बारे में था, जिसमें राज्यों से किसानों को ज्यादा दालें और तिलहन उगाने के लिए प्रोत्साहित करने को कहा गया था।वित्त मंत्री ने बताया कि राज्यों को भेजा गया यह संदेश राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा की जिम्मेदारी साझा करने का एक न्योता है। ज्यादातर राज्य सरकारों ने इस बात को समझा और सहकारी संघवाद की भावना के साथ इसका जवाब दिया। उन्होंने कहा कि सिर्फ सीएम स्टालिन ने ही इस मुद्दे को सनसनीखेज बनाने की कोशिश की।

सीतारमण ने कहा कि केंद्र-विरोधी बयानबाजी में समय बर्बाद करने के बजाय सीएम स्टालिन को तमिलनाडु के लोगों को यह समझाना चाहिए कि वे दालों और तिलहनों के मामले में हमें आत्मनिर्भर बनाने के बजाय विदेशी ताकतों को अवसर क्यों सौंप रहे हैं। जब जरूरी खाद्य पदार्थ आयात पर निर्भर होते हैं, तो घरेलू खाद्य सुरक्षा बाहरी झटकों और कीमतों में उतार-चढ़ाव के प्रति संवेदनशील हो जाती है। भारत जैसे विशाल देश के लिए यह स्थिति टिकाऊ नहीं है। दालों और तिलहनों का घरेलू उत्पादन बढ़ाना न केवल एक आर्थिक जरूरत है, बल्कि एक रणनीतिक आवश्यकता भी है।

स्टालिन की चुनौती के जवाब में वित्त मंत्री ने राज्यों को भेजा गया पत्र सार्वजनिक कर दिया। इस पत्र में बताया गया है कि चूंकि देश में धान और चावल का अतिरिक्त भंडार मौजूद है, इसलिए राज्यों को किसानों को तिलहन और दालें उगाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए, जिनकी अभी कमी है। पत्र में यह भी बताया गया है कि इससे किसानों को ज्यादा आय कमाने में भी मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा कि सच्ची खाद्य संप्रभुता तभी संभव है, जब केंद्र और राज्य मिलकर काम करें और पानी की ज्यादा खपत वाली अतिरिक्त फसलों की जगह उन जरूरी फसलों को बढ़ावा दें, जिनकी भारत को असल में जरूरत है।

एयर इंडिया कर्मचारियों के लिए शुरू करेगा स्टॉक ऑप्शन रिवॉर्ड सिस्टम

नई दिल्ली । टाटा ग्रुप की एयरलाइन एयर इंडिया अपने कर्मचारियों के लिए परफॉर्मेंस लिंक्ड स्टॉक ऑप्शन रिवॉर्ड सिस्टम शुरू करने की योजना बना रहा है।

टाटा ग्रुप की ओर से यह फैसला ऐसे समय पर लिया गया है, जब वह एयर इंडिया को नुकसान से निकालने की कोशिशें कर रहा है।

सोमवार को लाइवमिंट की एक रिपोर्ट के अनुसार, पायलटों, इंजीनियरों और वरिष्ठ प्रबंधन सहित पात्र कर्मचारियों को स्टॉक ऑप्शन जारी होने के बाद 4 रुपए के अंकित मूल्य और जारी होने के समय के बाजार मूल्य के बीच शेयरों की खरीद करने की अनुमति होगी।

13 फरवरी को हुई एक असाधारण आम बैठक में अनुमोदित इस योजना का उद्देश्य कर्मचारियों को प्रेरित करना और उनके प्रदर्शन को कंपनी के विकास एजेंडा के अनुरूप बनाना है। साथ ही, एयर इंडिया और उसकी सहायक कंपनियों में प्रतिभा को पुरस्कृत करना और आकर्षित करना है।

बैठक में पारित प्रस्ताव में कहा गया, 'पीएसओपी (परफॉर्मेंस स्टॉक ऑप्शन प्लान) 2026 का उद्देश्य एयर इंडिया और उसकी सहायक कंपनियों के वर्तमान या भावी पात्र कर्मचारियों को उनके प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत करना और उन्हें कंपनी की वृद्धि और मुनाफे में योगदान देने के लिए प्रेरित करना है।'

रिपोर्ट में आगे कहा गया है, 'इस योजना का उद्देश्य संगठन में प्रतिभा को आकर्षित करना, बनाए रखना और पुरस्कृत करना है।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि एयरलाइन 6 अप्रैल को कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय को दी गई जानकारी के अनुसार, पात्र कर्मचारियों के लिए लगभग 227.1 मिलियन स्टॉक ऑप्शन जारी करेगी, जो उसकी कुल शेयर पूंजी का 0.25 प्रतिशत है। सिंगापुर एयरलाइंस को भी आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त शेयर खरीदकर अपनी 25.10 प्रतिशत हिस्सेदारी बनाए रखने का पूर्व-अधिकार दिया गया है।

वेस्टिंग अवधि एक से पांच वर्ष तक है। इसका अर्थ है कि टाटा इस नए रिवॉर्ड सिस्टम के तहत अपने कर्मचारियों से निरंतर सेवाएं चाहती है।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि नामांकन और पात्रता, शेयर आवंटन और मूल्य निर्धारण का निर्णय करेगी।

भारत की दो अन्य सूचीबद्ध एयरलाइंस, इंडिगो और स्पाइसजेट, पहले ही ईएसओपी योजनाएं शुरू कर चुकी हैं।

मजबूत डॉलर से सोने और चांदी में बिकवाली, कीमतें 2 प्रतिशत तक घटीं

मुंबई । सोने और चांदी कीमतों में सोमवार को गिरावट देखने को मिली है और दोनों कीमती धातुओं के दाम करीब 2 प्रतिशत तक घट गए।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सुबह 11:20 पर गोल्ड फ्यूचर्स (5 जून, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट) 0.56 प्रतिशत या 859 रुपए की कमजोरी के साथ 1,51,793 रुपए पर था।

अब तक के कारोबार में इसने 1,51,457 रुपए का न्यूनतम स्तर और 1,51,999 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है।

सिल्वर फ्यूचर्स (05 मई, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट) 1.93 प्रतिशत या 4,693 रुपए की गिरावट के साथ 2,38,581 रुपए पर था।

अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,37,190 रुपए का न्यूनतम स्तर और 2,39,068 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिल रही है। सोना 0.84 प्रतिशत की गिरावट के साथ 4,747 डॉलर प्रति औंस और चांदी 2.33 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 74.70 डॉलर प्रति औंस पर था।

विश्लेषकों ने कहा कि कॉमेक्स पर वर्तमान में सोना 4,700-4,750 डॉलर के दायरे में कारोबार कर रहा है और इसमें तेजी की संभावना सीमित है। 4,650 डॉलर से नीचे गिरने पर इसमें और गिरावट आ सकती है और यह 4,600-4,570 डॉलर के स्तर तक पहुंच सकता है। ऊपर की ओर 4,750-4,770 डॉलर के आसपास रुकावट देखी जा रही है।

सोने और चांदी में कमजोरी की वजह डॉलर इंडेक्स और कच्चे तेल में तेजी को माना जा रहा है।

दुनिया की छह बड़ी मुद्राओं के खिलाफ अमेरिकी मुद्रा की मजबूती दर्शाने वाला डॉलर इंडेक्स 0.36 प्रतिशत की तेजी के साथ 98.8 पर था। इसके मजबूत होने से अमेरिकी मुद्रा के खिलाफ रुपया 55 पैसे की गिरावट के साथ खुला।

वहीं, कच्चा तेल 8 प्रतिशत से अधिक की बढ़त के साथ 100 डॉलर को पार कर गया है।

भारतीय म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री का एयूएम वित्त वर्ष 26 में 12 प्रतिशत बढ़कर 70 लाख करोड़ रुपए के पार

मुंबई । भारतीय म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री का एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) वित्त वर्ष 26 में सालाना आधार पर 12.2 प्रतिशत बढ़कर 73.73 लाख करोड़ रुपए हो गया है। इस दौरान इंडस्ट्री का कुल एसेट बेस 8 लाख करोड़ रुपए बढ़ा है। यह जानकारी एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) की ओर से जारी डेटा में दी गई।

एम्फी के डेटा में बताया गया कि वैश्विक स्तर पर अस्थिरता के बावजूद सक्रिय इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में इनफ्लो बढ़कर 40,450.26 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि जुलाई 2025 के बाद अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। यह फरवरी में 25,977.81 करोड़ रुपए पर था।मार्च में एसआईपी इनफ्लो 32,087 करोड़ रुपए रहा है, जो कि इससे पिछले महीने 29,845 करोड़ रुपए पर था। यह दिखाता है कि रिटेल निवेशक बाजार की अस्थिरता के बीच लंबी अवधि के नजरिए से निवेश कर रहे हैं। विश्लेषकों ने कहा कि इक्विटी इनफ्लो में इस उछाल का कारण साल के अंत में पोर्टफोलियो आवंटन, पश्चिम एशिया में तनाव के बाद हालिया गिरावट में कम मूल्यांकन पर निवेश करना है।

हालांकि, मार्च में म्यूचुअल फंड उद्योग में 2.39 लाख करोड़ रुपए का नेट आउटफ्लो दर्ज किया गया, जबकि फरवरी में 94,530 करोड़ रुपए का नेट इनफ्लो आया था। मार्च में डेट म्यूचुअल फंड में 2.94 लाख करोड़ रुपए का आउटफ्लो दर्ज किया गया।

इसके अतिरिक्त, मार्च में गोल्ड ईटीएफ इनफ्लो घटकर 2,266 करोड़ रुपए रह गया है, जो कि फरवरी में यह 5,254.95 करोड़ रुपए था।

इक्विटी कैटेगरी में मार्च में फ्लेक्सी-कैप फंडों में सबसे अधिक 10,054.12 करोड़ रुपए का निवेश हुआ, जो फरवरी में 6,924.65 करोड़ रुपए था। स्मॉल-कैप और मिड-कैप फंडों में क्रमश: 6,263.56 करोड़ रुपए और 6,063.53 करोड़ रुपए का निवेश हुआ।

भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत ग्रोथ फेज में, बाजार दे सकते हैं बेहतर रिटर्नः रिपोर्ट

नई दिल्ली। एक नई रिपोर्ट में सोमवार को कहा गया कि भारत की अर्थव्यवस्था इस समय संरचनात्मक रूप से मजबूत और विस्तारवादी दौर में है, और अनुकूल वैल्यूएशन के चलते बाजार लंबी अवधि के औसत से बेहतर रिटर्न दे सकते हैं।

निवेश प्रबंधन कंपनी ओमनीसाइंस कैपिटल की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था इस समय 'गोल्डीलॉक्स फेज' में है, जहां वास्तविक सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) की वृद्धि दर 7-8 प्रतिशत के आसपास है और महंगाई भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के तय दायरे में बनी हुई है।

सितंबर 2024 के उच्च स्तर से बाजार में करीब 13 प्रतिशत की हालिया गिरावट को सामान्य बताया गया है और इसे बेयर मार्केट यानी गिरावट का संकेत नहीं माना गया। निफ्टी 50 फिलहाल करीब 3 गुना प्राइस-टू-बुक और लगभग 20 गुना प्राइस-टू-अर्निंग्स पर ट्रेड कर रहा है, जो लंबी अवधि के औसत के आसपास या थोड़ा नीचे है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि बड़े गिरावट के बाद बाजार को उबरने में औसतन 24 महीने लगते हैं, जिससे यह साफ होता है कि शेयर बाजार में निवेश के लिए 3 से 5 साल का नजरिया रखना बेहतर होता है।

रिपोर्ट के अनुसार, बैंकिंग सेक्टर अपनी अब तक की सबसे मजबूत स्थिति में है। ग्रॉस एनपीए घटकर 2-2.5 प्रतिशत पर आ गया है, जबकि करीब 17.2 प्रतिशत का कैपिटल एडिक्वेसी रेशियो (सीआरएआर) बैंकों को बिना अतिरिक्त पूंजी के लगभग 94 लाख करोड़ रुपए तक कर्ज देने की क्षमता देता है।आर्थिक ग्रोथ और क्रेडिट की स्थिति मजबूत बनी हुई है, जिससे पूरे वित्तीय सिस्टम को मजबूती मिल रही है और अर्थव्यवस्था के विस्तार को सहारा मिल रहा है। विकास वी गुप्ता ने कहा कि कंपनियां बेहतर कैपिटल एफिशिएंसी के साथ काम कर रही हैं, कॉरपोरेट बैलेंस शीट मजबूत हैं, बैंक एनपीए 20 साल के निचले स्तर पर हैं और आरओए 20 साल के उच्च स्तर पर है। ऐसे में भारत की अर्थव्यवस्था कई वर्षों तक तेज ग्रोथ के लिए अनुकूल स्थिति में है।उन्होंने यह भी कहा कि वित्त वर्ष 2026 में महंगाई 2-2.5 प्रतिशत के आसपास रहने का अनुमान है।

ऑफिस लीजिंग में बीते पांच वर्षों में सबसे मजबूत वृद्धि, 10 प्रतिशत बढ़कर 21 मिलियन स्क्वायर फीट के पार

नई दिल्ली। भारत में ऑफिस लीजिंग वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में सालाना आधार पर 10 प्रतिशत बढ़कर 21.6 मिलियन स्क्वायर फीट पर पहुंच गई है। यह बीते पांच वर्षों में सबसे तेज वृद्धि दर है। यह जानकारी सोमवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

सैविल्स इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, इस दौरान आपूर्ति में सालाना आधार पर 28 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 7.9 मिलियन वर्ग फुट तक पहुंच गई, जबकि स्थिर लीजिंग गतिविधि और अनुशासित आपूर्ति वृद्धि के कारण इसी अवधि के दौरान खाली स्थान कुल ऑफिस स्पेस का घटकर 13.9 प्रतिशत हो गया है।

रिपोर्ट में बताया कि कुल लीजिंग गतिविधियों में टेक्नोलॉजी इंडस्ट्री 32 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ शीर्ष पर थी। इसके बाद फ्लेक्सीबल वर्कस्पेस की हिस्सेदारी 22 प्रतिशत और बीएफएसआई की हिस्सेदारी 12 प्रतिशत थी।

रिपोर्ट के मुताबिक, कुल ऑफिस लीजिंग में एक लाख स्क्वायर फीट या उससे अधिक के ऑफिस की हिस्सेदारी सबसे अधिक 52 प्रतिशत रही।

सैविल्स इंडिया के कमर्शियल एडवाजरी एंड ट्रांजैक्शन के एमडी नवीन नंदवानी ने कहा, 'वैश्विक चुनौतियों के बावजूद, भारत का ऑफिस मार्केट 2026 में मजबूत स्थिति में प्रवेश कर चुका है। पहली तिमाही में 21.6 मिलियन वर्ग फुट की मांग दर्ज की गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 10 प्रतिशत अधिक है।

उन्होंने आगे कहा कि टेक्नोलॉजी, बीएफएसआई, मैन्युफैक्चरिंग और फ्लेक्सीबल वर्कस्पेस में मांग मजबूत बनी हुई है और वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) इस गति को और बढ़ावा दे रहे हैं।

बेंगलुरु और दिल्ली-एनसीआर में मिलाकर इस अवधि के दौरान लगभग 5 मिलियन वर्ग फुट के नए ऑफिस का निर्माण पूरा हुआ, जो पूरे भारत में कुल आपूर्ति का लगभग दो-तिहाई है।

शहर के हिसाब से देखें तो, बेंगलुरु ने अग्रणी ऑफिस बाजार के रूप में अपनी स्थिति बरकरार रखा है, जहां आईटी-बीपीएम ऑपरेटरों के चलते ऑफिस लीजिंग गतिविधि 6 मिलियन स्क्वायर फीट पर रही। इसमें सालाना आधार पर 25 प्रतिशत की वृद्धि देखने को मिली है।

वहीं दूसरी ओर, दिल्ली-एनसीआर में 2026 की पहली तिमाही में 3.6 मिलियन स्क्वायर फीट की ऑफिस मांग देखी गई।

हैदराबाद ने भी अच्छा प्रदर्शन किया, जहां बड़े सौदों और जीसीसी की मजबूत मांग के चलते ऑफिस मांग में 39 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई और यह 4.3 मिलियन स्क्वायर फीट तक पहुंच गई। पुणे में भी लीजिंग गतिविधियों में 20 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई और यह 3 मिलियन स्क्वायर तक पहुंच गया। हालांकि, मुंबई में ऑफिस स्पेस की मांग 2.8 मिलियन स्क्वायर रही।

एआई नहीं, हकीकत का खौफनाक आईनाः एक घर में 250 कुत्ते, तस्वीरों ने सबको चौंकाया!

नई दिल्ली। ये कहानी है लंदन के एक घर और उसमें रहने वाले 250 पूडल डॉग्स की। छोटे-छोटे कमरे और कैमरे की ओर हसरत भरी निगाहों से देखते इंसान के सबसे प्यारे दोस्त। ब्रिटेन की पशु कल्याण संस्था, 'रॉयल सोसाइटी फॉर द प्रिवेंशन ऑफ क्रुएलिटी टू एनिमल्स' (आरएसपीसीए) ने 2 अप्रैल को इन कुत्तों की एक तस्वीर सोशल प्लेटफॉर्म पर पोस्ट की लंबे चौड़े नोट के साथ! मकसद इनको बचाना और उन हालात के बारे में बताना था जिसमें ये रहने को मजबूर थे। कुछ की हालत गंभीर थी तो कुछ कुपोषण से जूझ रहे थे।

जिसने भी तस्वीरें देखी, उन्हें लगा ये तकनीक का खेल है! मान लिया ये किसी एआई टूल का कमाल है। लेकिन जब सच्चाई सामने आई, तो मामला कहीं ज्यादा गंभीर और परेशान करने वाला निकला।

आरएसपीसीए के अनुसार कुछ अधिकारियों को एक मकान में अत्यधिक संख्या में कुत्तों के होने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची टीम ने देखा कि छोटे-छोटे कमरों में बड़ी संख्या में कुत्ते ठूंसे हुए थे। गंदगी, बदबू और अव्यवस्था के बीच रह रहे इन डॉग्स की हालत ऐसी थी कि तस्वीरें देखने वालों को यकीन ही नहीं हुआ कि यह असली हैं।

सोशल मीडिया पर तस्वीरें वायरल होते ही कई लोगों ने इन्हें 'एआई-जनरेटेड' ही माना। इसके बाद आरएसपीसीए को स्पष्ट करना पड़ा कि ये तस्वीरें वास्तविक हैं और किसी भी तरह की डिजिटल हेरफेर का हिस्सा नहीं हैं। संस्था ने इसे 'ओवरक्राउडिंग और लापरवाही का चरम उदाहरण' बताया।

जांच में सामने आया कि इतने बड़े पैमाने पर कुत्तों की संख्या बढ़ने के पीछे अनियंत्रित प्रजनन और मालिक की क्षमता से अधिक जानवर पाल लेना मुख्य कारण हो सकता है। संस्था के अनुसार कई मामलों में आर्थिक दबाव और देखभाल की कमी भी ऐसी स्थितियों को जन्म देती है।

राहत कार्य के दौरान दर्जनों कुत्तों को तत्काल चिकित्सा सहायता के लिए ले जाया गया, जबकि बाकी को अलग-अलग पशु संगठनों की मदद से सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया गया। संस्था के मुताबिक ऐसे मामलों में जानवर लंबे समय तक तनाव, कुपोषण और संक्रमण जैसी समस्याओं से जूझते हैं, जिनसे उबरने में समय लगता है।

यह घटना ऐसे समय में सामने आई है जब ब्रिटेन में 'मल्टी-एनिमल' मामलों में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। पशु कल्याण संगठनों का मानना है कि पालतू जानवर रखना केवल भावनात्मक निर्णय नहीं, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी है, जिसे नजरअंदाज करने के परिणाम बेहद गंभीर हो सकते हैं।

कम ऑक्सीजन में छिपा है 'नए जीवन' का रहस्यः रिसर्च ने खोला बड़ा राज

नई दिल्ली। जीवन के रहस्य वाकई अद्भुत और अकल्पनीय हैं। ऑक्सीजन हमारे वायुमंडल का बहुत उपयोगी तत्व है। जिंदगी में भी इसका योगदान अभूतपूर्व है। हाल ही में एक रिसर्च के आधार पर रिपोर्ट छपी जो दावा करती है कि कम ऑक्सीजन में भी नए जीवन का रहस्य छिपा है। आखिर क्या है ये?

दुनिया भर के वैज्ञानिक लंबे समय से यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि आखिर कुछ जीव–जैसे मेंढक या सलामेंडर–अपने कटे हुए अंगों को दोबारा कैसे उगा लेते हैं, जबकि इंसान ऐसा नहीं कर पाते। अब इस पहेली को सुलझाने की दिशा में एक अहम कदम उठाया गया है। प्रतिष्ठित जर्नल साइंस में प्रकाशित रिसर्च ने इस रहस्य पर नई रोशनी डाली है।

कैन एज्टेकिन के नेतृत्व में एक टीम ने पाया कि अंगों के दोबारा बनने में ऑक्सीजन की बहुत अहम भूमिका रहती है। मेंढक के टैडपोल और एम्ब्रियोनिक चूहों के कटे हुए अंगों की तुलना कर, शोधकर्ताओं ने पाया कि सेल्स जिस तरह से ऑक्सीजन को महसूस करती हैं, उससे यह तय होता है कि दोबारा बनना शुरू हो भी

सकता है या नहीं।

इस अध्ययन के मुताबिक, अंगों के दोबारा उगने (रीजेनरेशन) की क्षमता का सीधा संबंध हमारे शरीर में मौजूद ऑक्सीजन के स्तर से है। सरल शब्दों में कहें तो–जहां ऑक्सीजन कम होती है, वहां शरीर में 'नया अंग बनाने' की प्रक्रिया सक्रिय हो सकती है, जबकि ज्यादा ऑक्सीजन इस प्रक्रिया को रोक देती है। वैज्ञानिकों ने अपने प्रयोगों में मेंढक के टैडपोल और चूहों के भ्रूण का उपयोग किया। टैडपोल ऐसे जीव हैं जो अपने अंगों को दोबारा विकसित करने में सक्षम होते हैं, जबकि चूहे और उसी तरह इंसान इस क्षमता से वंचित हैं। जब इन जीवों के टिशू (ऊतक) को अलग-अलग ऑक्सीजन स्तर पर रखा गया, तो चौंकाने वाले नतीजे सामने आए। कम ऑक्सीजन वाले माहौल में कोशिकाएं तेजी से सक्रिय हो गईं और घाव भरने के साथ-साथ नए ऊतक बनाने लगीं। इस प्रक्रिया में एक खास प्रोटीन–एचआईएफ1ए–की महत्वपूर्ण भूमिका पाई गई। यह प्रोटीन कम ऑक्सीजन की स्थिति में 'स्विच ऑन' होकर शरीर को मरम्मत से आगे बढ़ाकर रीजेनरेशन मोड में ले जाता है। इसके विपरीत, जब ऑक्सीजन का स्तर ज्यादा था, तो कोशिकाएं जल्दी-जल्दी घाव को भरने के लिए 'स्कार' यानी दाग बना देती हैं। यही कारण है कि इंसानों में कटे हुए अंगों की जगह सिर्फ निशान बन जाता है, नया अंग नहीं उगता।इस शोध का सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि यह संकेत देता है कि इंसानों के भीतर भी कहीं न कहीं रीजेनरेशन की क्षमता मौजूद हो सकती है, लेकिन हमारी जैविक प्रणाली उसे सक्रिय नहीं होने देती। यानी समस्या क्षमता की कमी नहीं, बल्कि उसे 'चालू' करने के तरीके की है।अगर भविष्य में वैज्ञानिक इस ऑक्सीजन-सेंसिंग सिस्टम को नियंत्रित करना सीख जाते हैं, तो चिकित्सा विज्ञान में क्रांतिकारी बदलाव संभव हैं।

मैला आंचल के गुलफाम समाज, साहित्य और सादगी को साधने वाले शब्दशिल्पी

नई दिल्ली। हर साल की 11 अप्रैल कैलेंडर पर दर्ज सिर्फ एक तारीख नहीं है। यह तारीख उस आवाज की खामोशी का प्रतीक है जिसने गांव, खेत, गंध, लोक और मनुष्य के छोटे-छोटे सुख-दुख को शब्दों में ऐसा ढाला कि वे हमेशा के लिए जीवंत हो गए। साल 1977 में 11 अप्रैल को ही साहित्यकार फणीश्वरनाथ रेणु का निधन हुआ था। इस दिन उनकी आवाज हमेशा के लिए खामोश जरूर हो गई, लेकिन उनकी लिखावट आज भी रंगमंच से लेकर लोगों के जीवन में उपस्थित है। बिहार के पूर्णिया जिले के औराही हिंगना गांव में 4 मार्च 1921 को जन्मे रेणु एक मध्यमवर्गीय किसान परिवार से थे। पिता शिलानाथ और माता पानो देवी के सान्निध्य में उनका बचपन बीता। उनकी प्रारंभिक शिक्षा अररिया और फारबिसगंज में हुई। मैट्रिक के बाद वे बनारस गए, लेकिन वहां अधिक समय नहीं टिक सके और वापस बिहार लौट आए। भागलपुर के एक कॉलेज में पढ़ाई के दौरान उनका झुकाव सक्रिय राजनीति की ओर हुआ और वे समाजवादी आंदोलन से प्रभावित हुए। 1942 के स्वतंत्रता आंदोलन में उन्होंने खुलकर भाग लिया और जेल भी गए।

भारत-नेपाल सीमा के पास जन्म लेने के कारण नेपाल की सशस्त्र क्रांति में भी उनकी गहरी रुचि रही। 1950 में नेपाल की एकतंत्रीय राजशाही के खिलाफ संघर्ष में उन्होंने विद्रोही सेना के साथ सक्रिय भूमिका निभाई और विद्रोहियों के 'नेपाल रेडियो' के प्रथम डायरेक्टर जनरल भी बने। वे लंबे समय तक कम्युनिस्ट पार्टी के सदस्य रहे। 1952-53 के दौरान लंबी बीमारी ने उन्हें सक्रिय राजनीति से दूर कर दिया। यही वह मोड़ था, जब उन्होंने साहित्य को अपनी अभिव्यक्ति का माध्यम बनाया। हालांकि उनकी राजनीतिक सजगता अंतिम समय तक बनी रही और देश में आपातकाल का उन्होंने कड़ा विरोध किया। 1954 में प्रकाशित उनका पहला उपन्यास 'मैला आंचल' हिंदी साहित्य में एक मील का पत्थर साबित हुआ और यहीं से उनकी पहचान एक बड़े कथाकार के रूप में स्थापित हो गई। फणीश्वरनाथ रेणु को हिंदी साहित्य में आंचलिक युग की स्थापना का श्रेय दिया जाता है। प्रेमचंद के समय से शुरू हुई आंचलिकता की प्रवृत्ति को उन्होंने अपने लेखन में पूर्ण विस्तार दिया। उनकी रचनाओं में ग्रामीण जीवन का जो गहन, रागात्मक और रसपूर्ण चित्रण मिलता है, वह हिंदी कथा-साहित्य में अद्वितीय है।

कभी बतौर असिस्टेंट काम करते थे महेश भट्ट के भांजे, निर्देशक की झोली में 'जहर' से लेकर 'सैयारा' जैसी फिल्में

मुंबई। मेहनत और लगन से फिल्म इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाने वाले महेश भट्ट के भांजे ने इंडस्ट्री को कई खास फिल्में दी हैं। उनकी लिस्ट में 'जहर' से लेकर 'सैयारा' तक जैसी फिल्मों का नाम है, जिनका उन्होंने निर्देशन किया। जी हां! हम बात कर रहे हैं निर्माता-निर्देशक मोहित सूरी की।

निर्देशक मोहित सूरी का 11 अप्रैल को जन्मदिन है। महेश भट्ट के भांजे मोहित ने 16 साल की छोटी उम्र में ही संघर्ष शुरू कर दिया था, और आज वह फिल्म इंडस्ट्री के चर्चित नामों में शामिल हैं। 'जहर' से करियर की शुरुआत करने वाले मोहित सूरी ने 'आशिकी 2', 'एक विलेन', और हालिया रिलीज 'सैयारा' जैसी फिल्मों से दर्शकों का दिल जीता है।

मोहित सूरी का जन्म 11 अप्रैल 1981 को मुंबई में हुआ था। उनकी मां, हीना सूरी, महेश भट्ट की छोटी बहन थीं। जब मोहित मात्र 8 साल के थे, तभी उनकी मां का निधन हो गया। पिता से उनकी दूरी रही। लिहाजा, 16 साल की उम्र में ही उन्होंने करियर पर फोकस करना शुरू किया और काम शुरू कर दिया। हालांकि, काम की शुरुआत का सफर आसान नहीं था। शुरुआती दिनों में मोहित टी-सीरीज के ऑफिस में असिस्टेंट के तौर पर जुड़े। वहां वे कैसेट्स लाने-ले जाने का काम करते थे। बाद में, उन्होंने विक्रम भट्ट के साथ असिस्टेंट डायरेक्टर के रूप में काम करना शुरू किया। धीरे-धीरे, उन्होंने निर्देशन की तरफ कदम बढ़ाया।

मोहित सूरी आज बॉलीवुड के उन युवा निर्देशकों में शामिल हैं, जिनके साथ बड़े-बड़े कलाकार काम करना चाहते हैं। मोहित की पहली फिल्म साल 2005 में आई फिल्म 'जहर' थी, जिसमें उदिता गोस्वामी मुख्य भूमिका में थीं। फिल्म के दौरान दोनों एक-दूसरे के करीब आए। लंबे समय तक डेटिंग करने के बाद साल 2013 में मोहित और उदिता ने शादी कर ली। शादी के बाद उदिता ने फिल्मी करियर छोड़ दिया। दंपति के दो बच्चे हैं। उन्होंने बेटी का नाम देवी और बेटे का नाम कर्मा रखा है। मोहित ने शुरुआत में 'कलयुग', 'आवारापन' और 'वो लम्हे' जैसी सस्पेंस थ्रिलर फिल्में बनाईं। बाद में उन्होंने रोमांटिक फिल्मों की ओर रुख किया। 'आशिकी 2' ने उन्हें बड़ी सफलता दिलाई। 'हमारी अधूरी कहानी', 'हाफ गर्लफ्रेंड' जैसी फिल्मों ने भी उनकी फिल्ममेकिंग की ताकत दिखाई।

पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री का 'अमिताभ बच्चन': 'इंद्रदेव' से मिली पहचान, मगर दर्द से भरा रहा अंतिम समय

मुंबई। पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री में एक समय वह सुपरस्टार थे। दर्शक उन्हें प्यार से 'पंजाबी सिनेमा का अमिताभ बच्चन' कहते थे। 'महाभारत' धारावाहिक में इंद्रदेव का किरदार निभाकर उन्होंने देशभर में ख्याति हासिल की। लेकिन शोहरत के बावजूद उनके जीवन का अंतिम दौर बेहद दर्द भरा और संघर्षपूर्ण रहा। जी हां! हम बात कर रहे हैं मंझे हुए सितारे अभिनेता सतीश कौल की।

8 सितंबर 1946 को कश्मीर में जन्में दिवंगत अभिनेता सतीश कौल की कहानी सफलता, लोकप्रियता और अंत में आई लाचारी के बारे में बताती है। उनके पिता मोहन लाल कौल एक जाने-माने कश्मीरी कवि थे। श्रीनगर में स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद उन्होंने अभिनय का सपना देखा और पुणे के फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एफटीआईआई) में दाखिला लिया। वहां उनकी सहपाठी में डैनी डेन्जोंगपा, जया बच्चन और शत्रुघ्न सिन्हा जैसे कलाकार भी शामिल थे।

1970 के दशक में सतीश कौल ने पंजाबी फिल्मों से अपने करियर की शुरुआत की। उनकी रोमांटिक और भावुक भूमिकाओं ने जल्द ही उन्हें पंजाबी सिनेमा का चहेता बना दिया। 'सस्सी पुन्नू', 'इश्क निमाना', 'सुहाग चूड़ा', 'पटोला', 'आजादी', 'शेरा दे पुत्त शेर', 'मौला जट्ट' और 'पींगा प्यार दीयां' जैसी फिल्मों में उन्होंने शानदार अभिनय किया। चार दशक से अधिक के करियर में उन्होंने लगभग 300 फिल्मों में काम किया और पंजाबी दर्शकों के दिलों पर राज किया।

पंजाबी के साथ ही हिंदी सिनेमा में भी उन्होंने अपनी किस्मत आजमाई। 'वारंट', 'कर्मा', 'आग ही आग', 'कमांडो', 'राम लखन' और 'प्यार तो होना ही था' जैसी फिल्मों में उन्होंने काम किया। हालांकि, हिंदी फिल्मों में उन्हें उतनी सफलता नहीं मिली जितनी पंजाबी सिनेमा में मिली।

सतीश कौल के करियर के लिए वरदान साबित हुआ बी.आर. चोपड़ा का धार्मिक टीवी शो 'महाभारत'। अभिनेता को सबसे ज्यादा पहचान बी.आर. चोपड़ा के लोकप्रिय धारावाहिक 'महाभारत' में इंद्रदेव के किरदार से मिली। इस भूमिका ने उन्हें घर-घर लोकप्रिय बना दिया। इसके अलावा, उन्होंने 'विक्रम और बेताल' और शाहरुख खान के साथ 'सर्कस' जैसे टीवी शो में भी यादगार किरदार निभाए।

शाहरुख खान ने एक बार इंटरव्यू में बताया था कि उन्होंने सबसे पहले सतीश कौल की फिल्म की शूटिंग देखी थी, जो उन्हें काफी पसंद आई और अभिनय में आने की प्रेरणा में से एक बनी।

पंजाबी सिनेमा में उनके योगदान को सम्मान देते हुए साल 2011 में उन्हें पीटीसी लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से नवाजा गया।लेकिन निजी जीवन में सतीश कौल को बहुत दुख झेलने पड़े। शादी के कुछ साल बाद ही उनका तलाक हो गया और पत्नी बेटे को लेकर अलग हो गई। 2011 में वह मुंबई छोड़कर लुधियाना चले गए और वहां एक अभिनय स्कूल शुरू किया, लेकिन स्कूल घाटे में चला गया। वक्त का सितम यहीं नहीं थमा बल्कि साल 2015 में दुर्भाग्यवश उनका कूल्हा टूट गया। इसके बाद वह ढाई साल तक बिस्तर पर रहने को मजबूर हो गए। आर्थिक स्थिति दिन-ब-दिन बिगड़ती गई और इतनी खराब हो गई कि उन्हें अपना घर तक बेचना पड़ा। अस्पताल में लंबे समय तक भर्ती रहने के दौरान उन्होंने एक इंटरव्यू में खुलकर अपनी पीड़ा बताई थी। उन्होंने कहा था कि अब वे पूरी तरह लाचार हैं। कोई देखभाल करने वाला नहीं है। उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री से मदद की अपील की, लेकिन कई लोगों के वादे के बावजूद कोई मदद नहीं पहुंची। 10 अप्रैल 2021 को 74 वर्ष की आयु में सतीश कौल का निधन हो गया।

टेक्सटाइल इंजीनियर की नौकरी से एक्टिंग का सफर, देविका बनना इतना आसान नहीं

मुंबई। 'मैं बनके चिड़िया...' यह गीत आज भी सुनते ही 1930 के दशक की यादें ताजा हो जाती हैं। फिल्म 'अछूत कन्या' में अशोक कुमार के साथ जिस अभिनेत्री ने दर्शकों का दिल जीता, वह थीं देविका रानी। भारतीय सिनेमा की पहली लेडी सुपरस्टार के रूप में जानी जाने वाली देविका रानी ने उस दौर में बॉलीवुड में महिलाओं के लिए नया रास्ता दिखाया। टेक्सटाइल इंजीनियर की नौकरी छोड़कर उन्होंने फिल्मी दुनिया में कदम रखा और जल्द ही स्टार बन गईं।

उनकी कहानी बेहद रोचक है। उन्होंने टेक्सटाइल इंजीनियर की नौकरी छोड़कर फिल्मी दुनिया में कदम रखा था। उनकी शुरुआत एक अभिनेत्री के रूप में नहीं, बल्कि कॉस्ट्यूम डिजाइनर के रूप में हुई थी।

देविका रानी चौधरी का जन्म 30 मार्च 1908 को मद्रास प्रेसिडेंसी के छोटे से शहर वाल्टियर में हुआ था। उनके पिता कर्नल मनमथ नाथ चौधरी मद्रास प्रेसिडेंसी के सर्जन जनरल थे। मात्र 9 वर्ष की उम्र में उन्हें इंग्लैंड भेज दिया गया। वहां स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद उन्होंने रॉयल अकादमी ऑफ ड्रामेटिक आर्ट और रॉयल अकादमी ऑफ म्यूजिक में अभिनय व संगीत की पढ़ाई की। इसके अलावा उन्होंने आर्किटेक्चर, टेक्सटाइल और डेकोर

डिजाइन में डिग्री हासिल की और टेक्सटाइल इंजीनियर के रूप में काम करने लगीं। साल 1928 में उनकी किस्मत ने अभिनय में करियर बनाने की ओर इशारा किया और उनकी मुलाकात हिमांशु राय से हुई, जो फिल्म निर्माण की तैयारी कर रहे थे। हिमांशु राय उनकी प्रतिभा से प्रभावित हुए और उन्हें अपनी फिल्म 'अ थ्रो ऑफ डाइस' में काम करने का निमंत्रण दिया। देविका रानी ने अपनी नौकरी छोड़ दी और हिमांशु राय की प्रोडक्शन टीम में शामिल हो गईं। लेकिन वह अभिनेत्री के तौर पर नहीं बल्कि सहायक कॉस्ट्यूम डिजाइनर और सहायक आर्ट डायरेक्टर के रूप में जुड़ीं।

फिल्म निर्माण की नई तकनीकें सीखने के लिए दोनों जर्मनी गए। वहां देविका रानी ने बर्लिन के यूनिवर्सल फिल्म एजी स्टूडियो में फिल्म निर्माण का कोर्स किया और साथ ही एक्टिंग का विशेष प्रशिक्षण भी लिया। 'अ थ्रो ऑफ डाइस' फिल्म के निर्माण के साथ-साथ दोनों की लव स्टोरी भी बढ़ रही थी। लिहाजा, देविका रानी और हिमांशु राय ने शादी कर ली। 1933 में भारत लौटकर हिमांशु राय ने फिल्म 'कर्म' बनाई, जिसमें देविका रानी को लीड एक्ट्रेस की भूमिका मिली। यह उनकी अभिनय यात्रा की शुरुआत थी। इसके बाद दोनों ने मिलकर बॉम्बे टॉकीज स्टूडियो की स्थापना की। बॉम्बे टॉकीज की पहली फिल्म 'जवानी की हवा' रही। अगली फिल्म 'जीवन नैया' में देविका रानी के साथ एक्टर के रूप में अशोक कुमार का प्रवेश हुआ। साल 1936 में आई फिल्म 'अछूत कन्या' ने बॉम्बे टॉकीज को नई ऊंचाई दी। इस फिल्म ने सामाजिक असमानता पर सशक्त संदेश दिया और बेहद लोकप्रिय हुई।

दादासाहेब फाल्के पुरस्कार से पद्म विभूषण तक, आशा ताई को मिले ये अवॉर्ड्स

सुरों की रानी आशा भोसले हमारे बीच नहीं रहीं, लेकिन उनकी मधुर आवाज और शानदार उपलब्धियां हमेशा याद की जाएंगी। मात्र नौ साल की उम्र से गाना शुरू करने वाली आशा भोसले ने सात दशकों से भी ज्यादा लंबे करियर में हजारों गाने गाए और हर तरह की संगीत शैली पर अपनी छाप छोड़ी।

शुरू में उन्हें मुख्य रूप से कैबरे और डांस नंबर्स गाने को मिलते थे, लेकिन बाद में उन्होंने 'उमराव जान' जैसी फिल्मों में गजलें गाकर अपनी बहुमुखी प्रतिभा साबित कर दी। आशा भोसले को भारतीय सिनेमा और संगीत जगत के सबसे प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त हुए। इनमें दादासाहेब फाल्के पुरस्कार, पद्म विभूषण और कई फिल्मफेयर व नेशनल

अवॉर्ड शामिल हैं। उनकी उपलब्धियां न सिर्फ उनकी प्रतिभा की गवाही देती हैं, बल्कि उनकी मेहनत और समर्पण को भी दर्शाती हैं।

आशा भोसले ने न सिर्फ बॉलीवुड, बल्कि जैज और शास्त्रीय संगीत में भी अपनी मास्टर क्लास दी। लता मंगेशकर के बाद हिंदी फिल्म संगीत की सबसे बड़ी आवाज मानी जाने वाली आशा भोसले ने कई पीढ़ियों को मोहित किया।

आशा ताई को कई फिल्मफेयर अवॉर्ड्स मिले, उन्हें सर्वश्रेष्ठ महिला प्लेबैक सिंगर का फिल्मफेयर पुरस्कार 7 बार मिला। ये अवॉर्ड उन्होंने कई गानों के लिए प्राप्त किए, जिनकी लिस्ट यहां है।

1968: 'गरीबों की सुनो' (फिल्म - दस लाख)

1969: 'पर्दे में रहने दो' (शिकार)

1972: 'पिया तू अब तो आजा' (कारवां)

1973: 'दम मारो दम' (हरे रामा हरे कृष्णा)

1974: 'होने लगी है रात' (नैना)

1975: 'चैन से हमको कभी' (प्राण जाए पर वचन न जाए)

1979: 'ये मेरा दिल' (डॉन)

इसके अलावा उन्हें 1996 में फिल्म 'रंगीला' के लिए फिल्मफेयर स्पेशल अवॉर्ड और 2001 में लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड भी मिला। आशा भोसले को दो बार सर्वश्रेष्ठ महिला प्लेबैक सिंगर का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला। पहला साल 1981 की फिल्म 'उमराव जान' के 'दिल चीज क्या है' के लिए और दूसरा साल 1986 की फिल्म इजाजत के 'मेरा कुछ सामान' के लिए।

अन्य प्रमुख सम्मान पर नजर डालें तो आशा भोसले को भारतीय सिनेमा में योगदान के लिए सर्वोच्च सम्मान साल 2000 में दादासाहेब फाल्के पुरस्कार मिला। वहीं, देश का दूसरा सबसे बड़ा नागरिक सम्मान साल 2008 में पद्म विभूषण से नवाजा गया। नाइटिंगेल ऑफ एशिया अवॉर्ड साल 1987 में मिला। सिंगर ऑफ द मिलेनियम साल 2000 में मिला। वहीं, आईफा अवॉर्ड साल 2002 में फिल्म 'लगान' के गाने 'राधा कैसे न जले' के लिए मिला था।

करियर और मातृत्व साथ-साथ, एक्ट्रेस लिसा रे ने बताया कैसे निभाएं दोनों जिम्मेदारियां

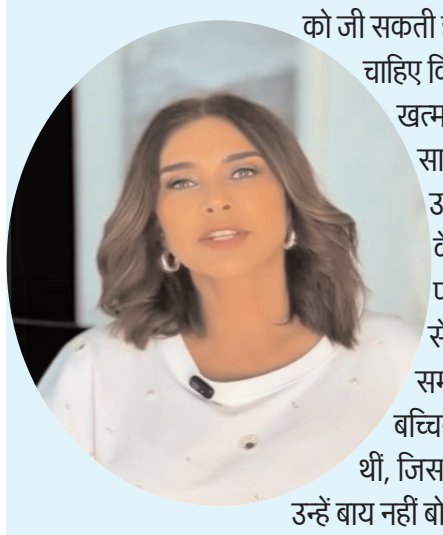

मुंबई। कामकाजी महिलाओं, खासकर माताओं पर घर और दफ्तर दोनों की जिम्मेदारी होती है। कभी-कभी परिवार को संभालने के चक्कर में करियर में ब्रेक लेना पड़ता है, जिससे तरक्की धीमी होने लगती है। सोमवार को अभिनेत्री लिसा रे ने इसी मुद्दे पर प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक नोट लिखा, 'महिलाएं मां बनकर भी अपने सपनों को जी सकती हैं। उन्हें बच्चों को यह दिखाना चाहिए कि महत्वाकांक्षा मातृत्व के साथ खत्म नहीं होती, बल्कि दोनों को साथ निभाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि एक दिन वे सुबह-सुबह फ्लाइट पकड़ने के लिए घर से निकलीं। उस समय उनकी बच्चियां सो रही थीं, जिस वजह से उन्हें बाय नहीं बोल सकीं और न गले लगा सकीं। अभिनेत्री ने लिखा, 'कामकाजी मां होना कभी आसान नहीं होता। मैं फ्लाइट पकड़ने के लिए दिल में एक खालीपन लेकर पहुंची, क्योंकि बच्चियां सो रही थीं। फिर मैंने अपना बैग खोला और उसमें उनका लिखा हुआ एक छोटा सा नोट मिला और उसी पल सब कुछ रुक सा गया। यही वजह है कि मैं ये सब करती हूं। मैं उन्हें बहुत याद करती हूं, ऐसी याद जो दिल तक महसूस होती है।

उन्होंने आगे कहा कि वे अपनी बेटियों को यह जरूर बताना चाहती हैं कि उनकी मां के भी सपने अभी बाकी हैं। मां बनने के बाद भी सपने खत्म नहीं हो जाते। प्यार और सपनों को साथ-साथ लेकर चला जा सकता है। लिसा ने लिखा, 'मेरी बेटियां ही मेरी पूरी दुनिया हैं। हर लंबा दिन, सुबह की जल्दबाजी, सफर सब कुछ आखिरकार उन्हीं के लिए है। मुझे उम्मीद है कि एक दिन वे समझेंगी कि मैं एक ऐसी जिंदगी चुन रही हूं, जहां वे देख सकें कि क्या-क्या संभव है। मैं उन्हें हर पल अपने साथ लेकर चलती हूं।

पहली बार रियलिटी शो में हुई थी तारा सुतारिया और फराह खान की मुलाकात, ओपेरा गाकर जीता था सबका दिल

मुंबई । बॉलीवुड कोरियोग्राफर फराह खान अपनी फिल्मों से ज्यादा अब अपने यूट्यूब व्लॉग के लिए फेमस हैं।

वे अपने रसोइए दिलीप के साथ बॉलीवुड स्टार्स के घर जाती हैं और उनके साथ मजेदार डिश बनाने के साथ-साथ हिंदी सिनेमा से जुड़े राज भी खोलती हैं। अब कोरियोग्राफर को तारा सुतारिया के घर देखा गया, जहां दोनों ने अपनी पहली मुलाकात का किस्सा भी शेयर किया।

फराह खान का नया व्लॉग यूट्यूब पर रिलीज हो चुका है, जिसमें वे तारा सुतारिया के साथ पहली मुलाकात का किस्सा शेयर करती दिख रही हैं। दोनों की पहली मुलाकात रियलिटी शो 'एंटरटेनमेंट के लिए कुछ भी करेगा' के सेट पर हुई थी, जहां 14 साल की प्यारी तारा ने स्टेज पर शानदार ओपेरा गाया था। शो में फराह खान बताती है कि वे तारा के पिता की कॉलेज की दोस्त हैं और तारा स्कूल की तरफ से हमारे शो पर आई थी और गाना गाने की इच्छा भी जाहिर की थी।

कोरियग्राफर आगे बताती हैं कि तारा उस वक्त बहुत छोटी थी और कर्ल बालों के साथ उन्होंने स्टेज पर पूरे कॉन्फिडेंट के साथ ओपेरा गाया था। अभिनेत्री ने इतना अच्छा गाया था कि अनु मलिक का मुंह खुला रह गया था। शो में तारा अपने कुकिंग एक्सपीरियंस पर भी बात करती हैं और बताती हैं कि उन्हें पहले खाना बनाने का शौक नहीं था लेकिन कोविड के समय वो घर में एक्सपेरिमेंट करती थी। उसी दौरान उन्होंने अच्छा खाना बनाना सीखा था। यह बात तो सभी जानते हैं कि तारा एक प्रोफेशनल सिंगर है और उन्होंने विदेश से सिंगिग का प्रशिक्षण लिया है। हिंदी सिनेमा में भी कई गाने गा चुकी हैं, जिसमें एक विलेन रिटर्न्स का 'शामत', 'हीरोपंती 2' का मिस हैरान और जलवानुमा गाना शामिल है।

बता दें कि तारा सुतारिया ने इसी साल अपना आलीशान घर खरीदा था और गृह प्रवेश के बाद घर के कोने-कोने की फोटोज सोशल मीडिया पर पोस्ट की थी। अभिनेत्री ने घर के शानदार क्लासिक विंटेज फर्नीचर से लेकर पियानो की फोटोज भी सोशल मीडिया पर पोस्ट की थीं।

2003 की यादों में लौटीं पूजा भट्ट, 'पाप' के सेट से जॉन अब्राहम संग शेयर की अनदेखी तस्वीर

मुंबई। बॉलीवुड में कई ऐसी फिल्में बनी हैं, जो सिर्फ अपनी कहानी के लिए ही नहीं बल्कि अपनी लोकेशन और असलपन के लिए भी याद की जाती हैं। इन्हीं फिल्मों में एक नाम है 'पाप'... सोमवार को इस फिल्म से जुड़ी एक खास याद अभिनेत्री पूजा भट्ट ने साझा की। उनके इस पोस्ट ने फैंस को एक बार फिर 2003 के दौर में पहुंचा दिया।

दरअसल, पूजा भट्ट ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर एक पुरानी तस्वीर शेयर की है, जो फिल्म 'पाप' की शूटिंग के दौरान ली गई थी। इस तस्वीर में वह जॉन अब्राहम के साथ सीढ़ियों पर बैठी नजर आ रही हैं। उनके आसपास काजा के स्थानीय लोग भी मौजूद हैं। सभी के चेहरे पर मुस्कान है।

तस्वीर की खास बात यह है कि इसमें स्थानीय लोग अपने पारंपरिक पहनावे में नजर आ रहे हैं। ऊनी टोपी, गर्म कपड़े और सांस्कृतिक गहनों से सजी उनकी वेशभूषा उस इलाके की पहचान को बखूबी दर्शाती है। स्पीति वैली की यह झलक फिल्म की कहानी को और भी असली बनाती है।

पूजा भट्ट ने इस तस्वीर को शेयर करते हुए लिखा, ''2003 में काजा में ली गई यह तस्वीर फिल्म की सादगी और उसके असली अंदाज को बहुत खूबसूरती से दिखाती है। बता दें कि 'पाप' पूजा भट्ट की डायरेक्टर के तौर पर पहली फिल्म थी।

थलपति विजय की 'जना नायकन' की लीक पर आर. माधवन ने जताया दुख, फैंस से की खास अपील

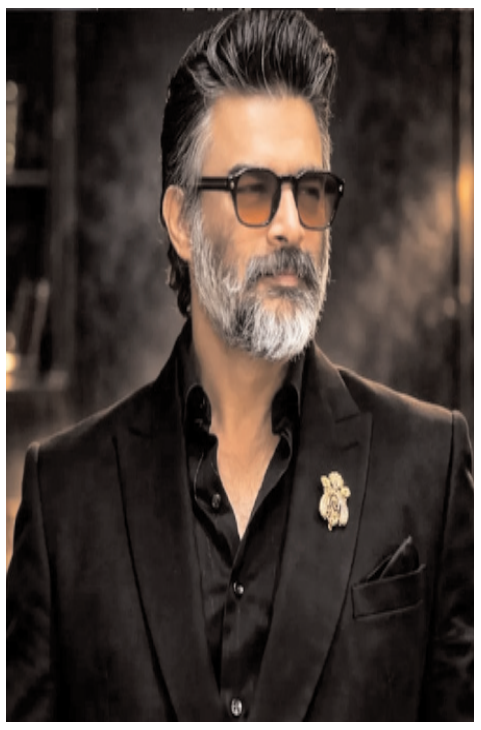

मुंबई । थलपति विजय की आगामी राजनीतिक एक्शन थ्रिलर फिल्म 'जना नायकन' रिलीज से पहले लीक को लेकर चर्चा में बनी हुई है।

फिल्म में विजय के एंट्री सीन सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं और साउथ सिनेमा के सभी स्टार लगभग इसका विरोध कर चुके हैं, लेकिन अब 'धुरंधर' में अपनी एक्टिंग से सबका दिल जीतने वाले आर. माधवन ने फिल्म को लेकर बड़ी बात कही है।

मणिरत्नम की तमिल फिल्म से करियर की शुरुआत करने वाले आर. माधवन भले ही हिंदी सिनेमा में बड़ा नाम कमा चुके हैं लेकिन उनकी जड़ें आज भी दक्षिण सिनेमा से जुड़ी हैं। अब उन्होंने साउथ सिनेमा में रिलीज से पहले लीक हो रही या फिर रिलीज के बाद पाइरेसी की शिकार हो रही फिल्मों को लेकर दुख जताया है। अभिनेता ने सूर्या शिवकुमार के ट्वीट को रीट्वीट किया है और उनके ट्वीट का समर्थन भी किया है।

अभिनेता ने लिखा, 'मैं पूरी तरह सहमत हूं, और यह बेहद दुखद और चिंताजनक है। लोग इस तरह की हरकतें करके कैसे बच निकलते हैं? कृपया इस फिल्म में शामिल सभी लोगों की मेहनत का सम्मान करें। कृपया इसे पायरेटेड प्लेटफॉर्म पर देखने से बचें।

इससे पहले सूर्या शिवकुमार ने 'जना नायकन' के सपोर्ट में ट्वीट कर लिखा है कि लोग ऐसी वीडियो को न तो देखें और न ही शेयर करें। उन्होंने लिखा, 'दिल दहला देने वाला और अन्यायपूर्ण।

पूरी टीम का जुनून इस तरह बर्बाद हो गया। मैं आप सभी से ईमानदारी से निवेदन करता हूं, कृपया इस फिल्म को न देखें, न शेयर करें और न ही यहां इस पर चर्चा करें। उनके काम का सम्मान करें। मैं अपने दोस्तों के साथ खड़ा हूं और इस कृत्य की निंदा करता हूं।

बता दें कि विजय की 'जना नायकन' लंबे समय से रिलीज का इंतजार कर रही है क्योंकि सेंसर बोर्ड ने फिल्म को कुछ कारणों से सर्टिफिकेट नहीं दिया है। हालांकि, सेंसर बोर्ड ने फिल्म के सीन्स के लीक होने को अफवाह बताया है। वहीं, दक्षिण सिनेमा मिलकर फिल्म मेकर्स के सपोर्ट में खड़ा है और फिल्म एसोसिएशन से इस कार्य में लिप्त लोगों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने की मांग कर रहा है।

'बैलेंस सिखाया नहीं जाता, आदतों से आता है', 'लिटिल योगी' के साथ योग करती दिखीं शिल्पा शेट्टी

मुंबई। जब भी योग और हेल्दी लाइफस्टाइल की बात होती है, तो एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी का नाम सबसे पहले आता है। वह लोगों को स्वस्थ रहने के लिए प्रेरित करती हैं। इस कड़ी में सोमवार को उन्होंने एक ऐसा वीडियो शेयर किया, जिसमें फिटनेस के साथ-साथ मां-बेटी के खूबसूरत रिश्ते की झलक भी देखने को मिली। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से लोगों का ध्यान खींच रहा है।

दरअसल, शिल्पा शेट्टी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह अपनी बेटी समीशा

शेट्टी कुंद्रा के साथ योग करती नजर आ रही हैं। वीडियो में दोनों मैट पर लेटकर उभय पादंगुष्ठासन करने की कोशिश करती हैं। इस दौरान शिल्पा अपनी बेटी को यह आसन करने के लिए कहती हैं, लेकिन छोटी समीशा कहती है कि वह इसे नहीं कर पा रही।

इस पर शिल्पा शेट्टी अपनी बेटी को हिम्मत देती हैं और कहती हैं कि ऐसा कुछ भी नहीं है, जो आप नहीं कर सकती। मां के इस हौसले के बाद दोनों अनंतासन करती दिखती हैं। इस बार समीशा शेट्टी इस आसन को बहुत अच्छे से कर लेती हैं।

वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में शिल्पा शेट्टी ने अपने इमोशन्स शेयर किए। उन्होंने अपनी बेटी को 'लिटिल योगी' कहते हुए लिखा, ''यह फिट और मजबूत बने रहने की मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा है। साथ में स्ट्रेच करना, हंसना और सीखना मेरे लिए सबसे खास पल होता है। अगर बच्चों को छोटी उम्र से ही अच्छी आदतें सिखाई जाएं, तो उनका शरीर मजबूत और दिमाग शांत बनता है। बैलेंस सिखाया नहीं जाता, बल्कि रोज की आदतों से अपने आप आता है।

बता दें कि 22 नवंबर 2009 को शिल्पा शेट्टी ने बिजनेसमैन राज कुंद्रा से शादी की थी। शादी के बाद उन्होंने 2012 में बेटे को जन्म दिया, जिसका नाम उन्होंने वियान रखा।

'उनकी जगह कोई नहीं ले सकता', आशा ताई के निधन पर 'इंडियन आइडल 16' के कंटेस्टेंट्स हुए भावुक

नई दिल्ली । भारतीय संगीत जगत की दिग्गज गायिका आशा भोसले के निधन के चलते पूरे देश में शोक है। उनकी आवाज ने दशकों तक हर उम्र के श्रोताओं को अपने सुरों से बांधे रखा। फिल्म सितारें, फैंस और रियलिटी शो 'इंडियन आइडल 16' के कंटेस्टेंट्स भी खुद को भावुक होने से रोक नहीं पाए। आईएएनएस संग बातचीत में उन्होंने बताया कि आशा ताई उनके लिए सिर्फ एक सिंगर नहीं, बल्कि एक प्रेरणा थीं।

मीडिया से बात करते हुए शो की कंटेस्टेंट अंशिका चौकर ने कहा, ''यह नुकसान मेरे लिए व्यक्तिगत तौर पर बहुत बड़ा है। आशा ताई जैसी गायिका दूसरी नहीं हो सकती। एक सिंगर होने के नाते मैं इस दुख को और गहराई से महसूस कर रही हूं। भले ही आने वाले समय में कई लोग उनकी तरह गाने की कोशिश करें, लेकिन उनकी पहचान और उनका अंदाज हमेशा अलग ही रहेगा, जिसे दोहराया नहीं जा सकता।

वहीं, अंकिता प्रधान ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, ''आशा

जी के जाने का दुख शब्दों में बयान करना आसान नहीं है। जब मैं अंतिम दर्शन के लिए पहुंचीं, तो मुझे ऐसा लगा जैसे आशा जी अभी भी वहीं मौजूद हैं, बस गहरी नींद में हों। उनकी आवाज और उनके गानों का चुलबुलापन, वह खास अंदाज, आज भी लोगों के दिलों में जिंदा है। उनके जैसा सिंगिंग स्टाइल किसी और सिंगर में देख पाना मुश्किल है, क्योंकि वह अपने आप में एक अलग पहचान थीं।

अभिषेक कुमार ने भी गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा, ''यह दिन हिंदी सिनेमा और संगीत जगत के लिए किसी काले दिन से कम नहीं है। हम सभी उनकी आवाज सुनते हुए बड़े हुए हैं और उनके गानों से ही संगीत की समझ विकसित हुई है। आशा जी ने सिर्फ गाने नहीं गाए, बल्कि उन्होंने कई पीढ़ियों को संगीत की असली भावना सिखाई। उनके जाने से जो खालीपन आया है, उसे भर पाना बेहद मुश्किल होगा।

गौरतलब है कि आशा भोसले का रविवार को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में निधन हो गया था। वह 92 वर्ष की थीं और लंबे समय से उम्र संबंधी समस्याओं से जूझ रही थीं। उनके निधन की खबर सामने आते ही पूरे देश में शोक की लहर दौड़ गई। लोग सोशल मीडिया के जरिए उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं।

सीएम धामी ने श्री बाबा नीब करौरी महाराज पर आधारित फिल्म का प्रोमो और पोस्टर किया जारी

देहरादून । उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को सीएम आवास में श्री बाबा नीब करौरी महाराज पर आधारित फिल्म के प्रोमो और पोस्टर का लोकार्पण किया। इस मौके पर योगगुरु स्वामी रामदेव एवं स्वामी चिदानंद सरस्वती महाराज, फिल्म निर्देशक शरद सिंह ठाकुर एवं अन्य कलाकार मौजूद रहे। सीएम धामी ने कहा कि यह फिल्म केवल एक सिनेमाई प्रस्तुति नहीं है, बल्कि श्रद्धा, भक्ति और मानवता के उच्च आदर्शों को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने का एक सराहनीय प्रयास है। उन्होंने कहा कि बाबा नीब करौरी महाराज जी का दिव्य जीवन आज भी करोड़ों लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनकी शिक्षाएं सरलता, करुणा, सेवा और भक्ति के मार्ग पर चलने का संदेश देती हैं, जो वर्तमान समय में अत्यंत प्रासंगिक हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रकार के आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक विषयों पर आधारित प्रयास भारतीय संस्कृति और सनातन मूल्यों के संरक्षण एवं प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह फिल्म समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करेगी और नई पीढ़ी को अपने सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक मूल्यों से जोड़ने में सहायक सिद्ध होगी।

उन्होंने फिल्म से जुड़े सभी कलाकारों, निर्देशक एवं निर्माता दल को इस सराहनीय एवं आध्यात्मिक प्रयास के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।सीएम धामी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मुलाकात की फोटो शेयर करते हुए लिखा, ''शासकीय आवास पर भारतीय संत परंपरा के अनमोल रत्न, प्रभु श्रीराम एवं हनुमान जी के अनन्य साधक बाबा नीब करौरी महाराज जी के पावन जीवन पर आधारित फिल्म का प्रोमो एवं पोस्टर लॉन्च किया। उन्होंने आगे लिखा, 'यह फिल्म केवल एक सिनेमाई प्रस्तुति नहीं बल्कि श्रद्धा, भक्ति और मानवता के मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने का एक सार्थक प्रयास है।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर का यूएई दौरा सम्पन्न, व्यापक रणनीतिक साझेदारी मजबूत करने पर रहा जोर

नई दिल्ली। भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने संयुक्त अरब अमीरात का दो दिन का आधिकारिक दौरा पूरा कर लिया है। दौरे के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर संयुक्त अरब अमीरात के दो दिवसीय दौरे को लेकर जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि दो दिनों के दौरे पर यूएई नेतृत्व के साथ उच्च स्तरीय मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने पर जोर था।

एस जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वीडियो के फॉर्मेट में पोस्ट किया। इस दौरे के दौरान, डॉ. जयशंकर ने यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से मुलाकात की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक पर्सनल मैसेज उन्हें दिया। बातचीत में ऊर्जा सहयोग को मजबूत करने, ट्रेड बढ़ाने और दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने पर केंद्रित रहा।

मीटिंग के दौरान दुबई के क्राउन प्रिंस शेख हमदान बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम भी मौजूद थे। डॉ. जयशंकर ने संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान के साथ भी अलग से बातचीत की। दोनों नेताओं के बीच इस चर्चा में इलाके की स्थिरता और पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के साथ-साथ इलाके में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की कोशिशों पर भी बात हुई।

इससे पहले, शनिवार को यूएई पहुंचने पर एस. जयशंकर ने वहां रह रहे भारतीय समुदाय के लोगों से बातचीत की। उन्होंने बढ़ते क्षेत्रीय तनाव के बीच उनकी सुरक्षा और भलाई से जुड़ी चिंताओं पर बात की और भारतीय समुदाय का समर्थन करने के लिए सरकार की कोशिशों पर जोर दिया।

यह दौरा खाड़ी देशों से एनर्जी सप्लाई हासिल करने के लिए भारत की बड़ी कूटनीतिक कोशिशों के हिस्से के तौर पर हो रहा है। इससे पहले यूएई के राष्ट्रपति के साथ मीटिंग के दौरान डॉ. जयशंकर ने वेस्ट एशिया में संघर्ष के दौरान यूएई में भारतीय समुदाय की भलाई सुनिश्चित करने के लिए शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान का शुक्रिया अदा किया।

दो दिवसीय यात्रा पर गए जयशंकर ने एक्स पर पोस्ट किया, 'अबू धाबी में यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से मिलकर बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ से हार्दिक शुभकामनाएं और पश्चिम एशिया संघर्ष के दौरान भारतीय समुदाय की भलाई सुनिश्चित करने के लिए हमारा शुक्रिया। भारत-यूएई व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए उनके निर्देश के लिए उन्हें धन्यवाद।

होर्मुज में जहाजों की नाकाबंदी में मदद के लिए ऑस्ट्रेलिया को अमेरिका से नहीं मिला कोई मैसेजः एंथनी अल्बनीज

सिडनी। पाकिस्तान में ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत विफल होने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज स्ट्रेट में ईरानी पोर्ट से आवाजाही करने वाले जहाजों को ब्लॉक करने की योजना का ऐलान किया। इसके साथ ही ट्रंप ने कहा कि अमेरिका के कुछ सहयोगी देश भी ईरान के खिलाफ कार्रवाई में उसका साथ दे रहे हैं, हालांकि ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने जानकारी दी है कि उन्हें होर्मुज स्ट्रेट में नाकाबंदी करने की प्लानिंग के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है।

प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया को होर्मुज स्ट्रेट की अपनी प्लान की गई नाकाबंदी में मदद के लिए अमेरिका की तरफ से कोई अपील नहीं मिली है।

अल्बनीज ने चैनल नाइन को बताया, 'उन्होंने यह एकतरफा तरीके से किया है और हमसे इसमें शामिल होने के लिए नहीं कहा गया है। हमें ऐसी कोई रिक्वेस्ट नहीं मिली है जिस पर हम राजी न हों।'

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी नौसेना सोमवार से होर्मुज स्ट्रेट की नाकाबंदी शुरू कर देगी। इसकी वजह से ईरान के साथ लंबी बातचीत के बाद संघर्ष खत्म करने के लिए कोई डील न हो पाने के बाद हालात और बिगड़ गए हैं।

ईरान पर दबाव बनाने के लिए अमेरिका 13 अप्रैल से ईरानी पोर्ट्स में आने-जाने वाले जहाजों पर पूरी तरह से समुद्री नाकाबंदी लागू करना शुरू करेगा। यूएस सेंट्रल कमांड (सीईएनटीसीओएम) ने यह कदम राष्ट्रपति के आदेश के बाद उठाया है और यह ईरानी पोर्ट्स में आने-जाने वाले सभी समुद्री ट्रैफिक को टारगेट करेगा, जिसमें अरब की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के किनारे के पोर्ट्स भी शामिल हैं।

सीईएनटीसीओएम ने कहा, 'यह ब्लॉकेड सभी देशों के जहाजों के खिलाफ बिना किसी भेदभाव के लागू किया जाएगा।

अमेरिकी सेना होर्मुज स्ट्रेट से गैर-ईरानी पोर्ट्स से आने-जाने वाले जहाजों को नहीं रोकेगी।' सीईएनटीसीओएम की एक रिलीज के मुताबिक, यह ब्लॉकेड सोमवार शाम 7.30 बजे आईएसटी से शुरू होगा।

मैला चक्रवात ने पापुआ न्यू गिनी के बोगेनविले में 11 लोगों की जान ली, मचाई तबाही

मेलबर्न । उष्णकटिबंधीय चक्रवात मेलिया के पापुआ न्यू गिनी (पीएनजी) के स्वायत्त बोगेनविल क्षेत्र में टकराने के बाद कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई है, जिनमें भूस्खलन में मारे गए आठ लोग शामिल हैं।

पीएनजी मीडिया ने सोमवार को बताया कि बोगेनविल क्षेत्रमें 11 लोगों की मौत हो गई। यह क्षेत्र पोर्ट मोर्सेबी से लगभग 950 किमी उत्तर-पूर्व में सोलोमन सागर में स्थित है, जहां चक्रवात के कारण व्यापक तबाही हुई।

नेशनल ब्राडकास्टिंग कार्पोरेशन आफ पापुआ न्यू गिनी के अनुसार, सेंट्रल बोगेनविल के असिको में भूस्खलन से घर नष्ट हो गए, जिसमें कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई।

एनबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, गिरे हुए पेड़ों की चपेट में आने से दो और महिलाओं की मौत हो गई, जबकि लगभग 12 अन्य लोग विभिन्न चोटों के साथ अस्पताल में भर्ती हैं।उष्णकटिबंधीय चक्रवात मेलिया ने सोलोमन सागर में कैटेगरी 5 की ताकत हासिल कर ली थी और पूर्वी पीएनजी तथा सोलोमन प्रायद्वीप में भारी बाढ़ और तबाही मचाई।रविवार को जारी एक बयान में पीएनजी के प्रधानमंत्री जेम्स मेरेप ने कहा कि सरकार ने खाद्य राशन, स्वच्छ पानी, चिकित्सा सामग्री और अस्थायी आश्रयों सहित आवश्यक राहत सामग्री भेजना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा, 'हम सुनिश्चित करेंगे कि प्रभावित हर स्थान, हर द्वीप और हर समुदाय तक सहायता पहुंचे।

समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, उष्णकटिबंधीय चक्रवात मेलिया के पहले न्यू गुएना के दक्षिण-पूर्वी सिरे पर कैटेगरी 2 या 3 के तूफान के रूप में टकराने का अनुमान था, लेकिन अब इसे उष्णकटिबंधीय निम्न दबाव (ट्रॉपिकल लो) में डाउनग्रेड कर दिया गया है।

यह प्रणाली पूरे प्रशांत क्षेत्र में विनाशकारी साबित हुई है, जिसने इमारतों को नष्ट किया, विशाल लहरें, तूफानी ज्वार (स्टॉर्म सर्ज) और भूस्खलन पैदा किए।

इससे पहले 8 अप्रैल को सोलोमन द्वीप में तीन लोगों के लापता होने की खबर थी, जबकि पूर्वी पापुआ न्यू गिनी में आपातकालीन चेतावनियां जारी थीं, जब चक्रवात मेलिया ने सोलोमन सागर में कैटेगरी 5 की ताकत हासिल कर ली थी।

पाकिस्तानः खैबर पख्तूनख्वा में पोलियो टीम पर हमले में पुलिसकर्मी की मौत, चार घायल

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के हंगू जिले में सोमवार को पोलियो टीमों को सुरक्षा देने जा रही पुलिस टीम पर हमला हुआ। स्थानीय मीडिया के अनुसार, इस घटना में एक पुलिस कांस्टेबल की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए।

यह घटना 13-19 अप्रैल को होने वाले वैक्सीनेशन कैंपेन के पहले दिन हंगू के थल तहसील में हुई। पाकिस्तानी अखबार डॉन के अनुसार हंगू जिला पुलिस ने कहा कि अनजान हमलावरों ने पुलिस पार्टी पर फायरिंग की, जिसमें एक पुलिसवाले की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए।

घायल पुलिसवालों को इलाज के लिए हॉस्पिटल ले जाया गया। घटना के बाद, हमलावरों को ढूंढने के लिए इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान दुनिया के सिर्फ दो ऐसे देश हैं जहां वाइल्ड पोलियो वायरस (डब्ल्यूपीवी) अभी भी फैला हुआ है। पाकिस्तान में पोलियो वर्कर्स को अक्सर हमलों का निशाना बनाया गया है। खासकर खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में पोलियों की टीमों पर हमले की खबरें आती रहती हैं।

बता दें, डब्ल्यूपीवी प्राकृतिक रूप से पाया जाने वाला वायरस है जो पर्यावरण में फैलकर पक्षाघात (लकवा) का कारण बनता है। फरवरी में पाकिस्तान के बलूचिस्तान के चमन जिले में पुलिस वैक्सीनेशन टीम पर अनजान हमलावरों ने गोली चलाई, जिसमें एक पुलिसवाले की मौत हो गई।

फरवरी में इसी तरह की एक घटना में, पाकिस्तान के लाहौर के अलग-अलग इलाकों में पोलियो टीमों पर हमला किया गया क्योंकि माता-पिता ने उन्हें अपने बच्चों को पोलियो ड्रॉप्स नहीं पिलाने दिए।

डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस के मुताबिक, हरबंसपुरा इलाके में संदिग्धों ने पोलियो टीम को अपने बच्चों को ड्रॉप्स नहीं पिलाने दिए और फिर कथित तौर पर स्वास्थ्य कर्मियों पर हमला कर दिया।

एफआईआर के मुताबिक, आरोपियों ने पोलियोकर्मियो पर हमला किया और बाद में अपने साथियों को बुला लिया, जिन्होंने भी वर्कर्स को टॉर्चर किया। पोलियो वर्कर्स के हेल्पलाइन पर डायल करने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची।

इसके बाद आरोपियों ने पुलिस वालों पर भी हमला किया। बाद में पुलिस ने उनके खिलाफ केस दर्ज किया गया था। इसी तरह, शाहदरा पुलिस ने कुछ बच्चों के माता-पिता के खिलाफ केस दर्ज किया।

ईरान ने बातचीत विफल होने के लिए यूएस को ठहराया दोषी, अमेरिका पर शर्तों को बदलने का लगाया आरोप

तेहरान । ईरान ने अमेरिका पर आरोप लगाया है कि उसने एक संभावित समझौते को अंतिम चरण में आकर पटरी से उतार दिया। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची के मुताबिक, बातचीत के दौरान अमेरिका ने ज्यादा से ज्यादा दबाव बनाने, बार-बार शर्तें बदलने (गोलपोस्ट शिफ्ट करने) और नाकाबंदी जैसी रणनीतियों का सहारा लिया, जिससे सहमति बनने की प्रक्रिया बाधित हो गई।

ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची का दावा है कि प्रस्तावित 'इस्लामाबाद समझौता' (एमओयू) लगभग तैयार था और दोनों पक्ष अंतिम सहमति के बेहद करीब थे।

उनका कहा है कि इन परिस्थितियों के चलते 21 घंटे तक चली गहन और मुश्किल बातचीत आखिरकार बिना किसी समझौते के समाप्त हो गई। तेहरान ने यह भी संकेत दिया कि अगर बातचीत के दौरान शर्तों में लगातार बदलाव न किए जाते, तो यह डील संभव हो सकती थी।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि तेहरान ने 47 सालों में वॉशिंगटन के साथ अपनी सबसे ऊंचे स्तर की सीधी बातचीत ईमानदारी और चल रहे झगड़े को खत्म करने में मदद करने के इरादे से की है। अराघची ने दुख जताया कि 'कोई सबक नहीं मिला'।

अराघची ने एक्स पर लिखा, '47 सालों में सबसे ऊंचे स्तर पर हुई गहरी बातचीत में, ईरान ने युद्ध खत्म करने के लिए अमेरिका के साथ अच्छी नीयत से बातचीत की। लेकिन जब 'इस्लामाबाद एमओयू' से बस कुछ इंच दूर थे, तो हमें गोलपोस्ट बदलने और ब्लॉकेड का सामना करना पड़ा। कोई सबक नहीं मिला। अच्छी नीयत से अच्छी नीयत पैदा होती है। दुश्मनी से दुश्मनी पैदा होती है।

ईरानी विदेश मंत्री का यह कहना कि दोनों पक्ष एक समझौते को फाइनल करने से कुछ ही दूर थे, यह दिखाता है कि आखिरी स्टेज पर तनाव तेजी से बढ़ने से पहले अमेरिका और ईरान के बीच हुई बातचीत सफलता के कितने करीब आ गई थी।

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने कहा कि अमेरिका के साथ डिप्लोमैटिक ब्रेकथ्रू की संभावना अभी भी है, बशर्ते वॉशिंगटन अपना नजरिया बदले। उन्होंने अमेरिका से 'सर्वाधिकारवाद' को छोड़ने और ईरान के अधिकारों का सम्मान करने की अपील की। ऐसा बदलाव एक समझौते का रास्ता बना सकता है। बता दें, सर्वाधिकारवाद एक ऐसी राजनीतिक प्रणाली है, जिसमें राज्य सार्वजनिक और निजी जीवन के हर पहलू पर पूर्ण नियंत्रण रखता है।

राष्ट्रपति पेजेश्कियन ने एक्स पर एक पोस्ट में बातचीत करने वाले डेलिगेशन के सदस्यों की सराहना करते हुए कहा, 'अगर अमेरिकी सरकार अपना सर्वाधिकारवाद छोड़ दे और ईरानी देश के अधिकारों का सम्मान करे, तो समझौते तक पहुंचने के रास्ते जरूर मिल जाएंगे।

इस बीच, अमेरिका ने घोषणा की है कि वह 13 अप्रैल से ईरानी पोर्ट्स में आने-जाने वाले जहाजों पर पूरी तरह से समुद्री नाकाबंदी लागू करना शुरू कर देगा।

बांग्लादेशः नागरिकों ने संसद सुधार अध्यादेशों को रद्द करने पर नाराजगी जताई

ढाका । बांग्लादेश के प्रबुद्ध जनों ने नेशनल पार्लियामेंट के कई सुधार अध्यादेशों को रद्द करने के फैसले पर 'नाराजगी' जताई है। उनका कहना है कि यह कदम न सिर्फ लोगों की उम्मीदों को तोड़ता है, बल्कि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) सरकार के चुनावी वादों से भी इतर है। स्थानीय मीडिया ने आलोचकों के हवाले से लिखा है कि यह कदम सुधार की कोशिशों को कमजोर करता है और सरकार की वादाखिलाफी को दर्शाता है।

यह बयान रविवार को संसद के नेशनल ह्यूमन राइट्स कमीशन (रिपील एंड रीइंस्टेटमेंट) बिल, सुप्रीम कोर्ट जज अपॉइंटमेंट (रिपील) बिल, और सुप्रीम कोर्ट सेक्रेटेरिएट (रिपील) बिल पास करने के बाद आया।

एक संयुक्त बयान में, 31 जाने-माने लोगों ने कहा कि सिविल सोसाइटी लंबे समय से इन अध्यादेशों को पास कराने की मांग कर रही थी।

बांग्लादेश के अखबार द डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने कहा कि 13वीं संसद की एक विशेष कमेटी ने 133 अध्यादेशों में से 98 को बिना बदलाव के पास करने का सुझाव दिया था, जबकि कुछ सुधार से जुड़े ऑर्डिनेंस को रद्द करने और दूसरों को बाद में बदले हुए बिल के तौर पर फिर से पेश करने की सिफारिश की थी।

बिल का समर्थन कर रहे लोगों ने सरकार के इस कदम को 'देश के नागरिकों की उम्मीदों को ठुकराने' वाला करार दिया।

उन्होंने आगे कहा कि बुनियादी सुधार, न्यायपालिका की आजादी और मानवाधिकार से जुड़े अध्यादेशों को रद्द करने का फैसला विपक्ष के कड़े विरोध और लोगों की मांगों को नजरअंदाज करते हुए लिया गया।

'यह मौजूदा सरकार के चुनावी घोषणापत्र और उनके बार-बार कहे गए वादों के उलट है। बयान में कहा गया, 'हम इसका कड़ा विरोध करते हैं।

नागरिकों ने सूचना का अधिकार (संशोधन) अध्यादेश और 'जबरन गुमशुदगी रोकथाम और उपाय अध्यादेश' की और जांच करने के सुझावों की भी कड़ी आलोचना की, और ऐसे कदमों को 'बिल्कुल गलत' बताया।

मानवाधिकार आयोग के बारे में, उन्होंने कहा कि एक के बाद एक सरकारों ने इस संस्था को असरदार बनाने का वादा किया था, लेकिन वे ऐसा करने में नाकाम रहीं।

हस्ताक्षर करने वालों के अनुसार, मौजूदा कानून में अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा करने के लिए तुरंत बदलाव की जरूरत है, और कहा कि अध्यादेश पास होता तो पीड़ितों को राहत मिल सकती थी और आयोग को मानवाधिकार तोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने का अधिकार मिल सकता था।

द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, सिविल सोसाइटी का आरोप है कि सत्ताधारी पार्टी ने अपने घोषणापत्र में सुप्रीम कोर्ट सेक्रेटेरिएट को असरदार बनाने का वादा किया था।

सीपीईसी और सीमा विवाद के बीच चीन ने पीओके के पास बनाया नया प्रांत, भारत ने जताई आपत्ति

नई दिल्ली। ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे तनाव और चर्चा के बीच चीन ने अपने संवेदनशील पश्चिमी इलाके शिनजियांग उइगर ऑटोनॉमस क्षेत्र में एक नया प्रांत सेनलिंग बनाया है। यह पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर और अफगानिस्तान बॉर्डर के पास है।

चीन ने दिसंबर 2024 के बाद से इस अशांत इलाके में यह तीसरा प्रांत बनाया, जो काराकोरम रेंज के पास दक्षिण-पश्चिमी शिनजियांग में है। नए प्रांत का लोकेशन चीन के लिए इसकी रणनीतिक कदम माना जा रहा है। यह भारत के लिए चिंता की बात है। इस बीच जगहों को नया नाम देने को लेकर भारत के विदेश मंत्रालय की तरफ से चेतावनी जारी की गई है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट (एससीएमपी) की रिपोर्ट के मुताबिक, शिनजियांग उइगर ऑटोनॉमस क्षेत्र की सरकार ने 26 मार्च को नए प्रांत बनाने का ऐलान किया, हालांकि सेनलिंग के सही एडमिनिस्ट्रेटिव डिवीजन और सीमाएं अभी साफ नहीं की गई हैं, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि यह काशगर शहर के प्रशासन की निगरानी में रहेगा।

पुराने सिल्क रोड पर बसा काशगर शहर चीन को साउथ और सेंट्रल एशिया से जोड़ने वाला एक जरूरी गेटवे है। चीन के लिए इसकी काफी अहमियत है, क्योंकि यह चीन-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर (सीपीईसी) का शुरुआती पॉइंट है। सीपीईसी चीन के बड़े बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) का हिस्सा है।

भारत ने 62 बिलियन डॉलर के सीपीईसी इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट का विरोध किया है, क्योंकि यह पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से होकर गुजरती है और भारत की संप्रभुता का उल्लंघन करता है। एक साल से ज्यादा समय में शिनजियांग में हीन, हेकांग और अब तीसरा प्रांत सेनलिंग बनाया गया। पिछले साल, भारत ने चीन के सामने हीन और हेकांग को अपने अधिकार क्षेत्र में लद्दाख के केंद्रशासित प्रदेश में बनाने पर विरोध दर्ज कराया था।

हीन में विवादित अक्साई चिन पठार का ज्यादातर हिस्सा शामिल है, जो लद्दाख का हिस्सा है। 1962 के युद्ध में चीन ने इस पर कब्जा कर लिया था और यह भारत-चीन सीमा विवाद में झगड़े का एक मुख्य मुद्दा बना हुआ है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने चीन की भारत के इलाके की जगहों को मनगढ़ंत नाम देने की कोशिशों की जमकर आलोचना की है।

रक्षा मंत्री राजनाथ ने लखनऊ में 'सांसद खेल महाकुंभ का किया आगाज,बोले-खेल ही नए भारत की ताकत

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के केडी सिंह बाबू स्टेडियम में सोमवार को 'सांसद खेल महाकुंभ 2026' का भव्य शुभारंभ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किया। खिलाड़ियों की मौजूदगी के बीच उन्होंने खेल संस्कृति को मजबूत बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि देश के विकास का पैमाना अब केवल जीडीपी नहीं, बल्कि खेलों में प्रदर्शन भी है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से लगातार दूसरे वर्ष आयोजित यह 'सांसद खेल महाकुंभ' युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का बड़ा मंच दे रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से न केवल लखनऊ बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश में स्पोर्टिंग कल्चर को नई मजबूती मिल रही है।

'खेलो इंडिया' अभियान का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि देशभर में 1000 से अधिक खेलो इंडिया सेंटर स्थापित किए जा रहे हैं और करीब दो दर्जन नेशनल सेंटर्स ऑफ एक्सीलेंस शुरू हो चुके हैं, जहां खिलाड़ियों को आधुनिक ट्रेनिंग और स्पोर्ट्स साइंस का समर्थन मिल रहा है। रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि खेलो इंडिया के माध्यम से महिलाओं की भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। साथ ही गतका, मल्लखंब, थांग-टा, कलरीपयट्टू और योगासन जैसे पारंपरिक खेलों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में भारत में खेलों का नया युग शुरू हुआ है और अब भारतीय खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन कर देश का मान बढ़ा रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों तक आधुनिक खेल सुविधाएं पहुंचने से प्रतिभाओं को आगे आने का अवसर मिल रहा है।

इस मौके पर उत्तर प्रदेश सरकार के खेल मंत्री गिरीश यादव ने कहा कि प्रदेश में खेल अब केवल मनोरंजन नहीं बल्कि रोजगार का माध्यम बन चुका है।

ओलंपिक, एशियन गेम्स और विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को सीधे सरकारी सेवा में नियुक्त किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कई खिलाड़ियों को डीएसपी और क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया जा चुका है।

जो दिखेगा वही बिकेगा', जन भवन मॉडल से बदलेगी प्रदेश की शिक्षा व्यवस्थाः मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जन भवन में आधुनिक सुविधाओं से युक्त आदर्श माध्यमिक विद्यालय के नवीन भवन का उद्घाटन करते हुए कहा कि 'जो दिखेगा वही समाज में बिकेगा' और इसी सोच के साथ शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर मॉडल प्रस्तुत करने की जरूरत है।

उन्होंने इस पहल को पूरे प्रदेश में लागू करने पर जोर दिया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जन भवन में आधुनिक सुविधाओं से युक्त आदर्श माध्यमिक विद्यालय के नवीन भवन का उद्घाटन करते हुए इसे शिक्षा क्षेत्र में एक अभिनव और अनुकरणीय मॉडल बताया।

उन्होंने कहा कि इस मॉडल को प्रदेश के सभी जनपदों में लागू कर शिक्षा की गुणवत्ता को नई दिशा दी जा सकती है। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि जो दिखेगा वही समाज में बिकेगा' इसलिए शिक्षा संस्थानों को बेहतर ढंग से प्रस्तुत करना जरूरी है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए सबसे पहली आवश्यकता एक सुदृढ़ और आधुनिक भवन की होती है, जिससे अनुकूल शैक्षिक वातावरण तैयार होता है।

उन्होंने बताया कि इस अत्याधुनिक विद्यालय भवन के निर्माण पर कुल 5 करोड़ 17 लाख रुपये खर्च हुए हैं, जिसमें से 4 करोड़ 70 लाख रुपये राज्य सरकार द्वारा दिए गए, जबकि शेष राशि सीएसआर और राज्यपाल के प्रयासों से जुटाई गई है। मुख्यमंत्री ने इस पहल को राज्यपाल द्वारा प्रस्तुत एक उत्कृष्ट 'मॉडल' करार देते हुए कहा कि इसे सीएम कम्पोजिट विद्यालयों में भी अपनाया जाना चाहिए।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अन्य जिलों के लोगों को यहां लाकर इस मॉडल का अवलोकन कराया जाए। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने जन भवन की गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि यहां बच्चों के खेलकूद और विभिन्न रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित होते हैं, जिससे उनके सर्वांगीण विकास को बढ़ावा मिलता है।

संक्षिप्त खबर

गर्मी में बना रहे हैं घूमने का प्लान, रामेश्वरम का कुरुसादई द्वीप देगा सुकून भरा अनुभव

नई दिल्ली । गर्मियों की शुरुआत होते ही लोग छुट्टियों की प्लानिंग में जुट जाते हैं, क्योंकि यही समय होता है जब रोजमर्रा की भागदौड़ से दूर सुकून और शांति के पल मिलते हैं। इस मौसम में ज्यादातर लोग ठंडी या समुद्र किनारे की जगहों को चुनते हैं। काफी लोग विदेश जाने की प्लानिंग बनाते हैं, लेकिन अगर आप भारत में ही किसी खूबसूरत और शांत द्वीप की तलाश में हैं, तो कुरुसादाई द्वीप आपके लिए एक शानदार विकल्प साबित हो सकता है।

तमिलनाडु राज्य में रामेश्वरम के तट से थोड़ी दूरी पर हिडन जैम कुरुसादई द्वीप मौजूद है। मन्नार की खाड़ी के पास स्थित यह द्वीप अपनी समृद्ध समुद्री जैव विविधता के लिए प्रसिद्ध है। यहां आपको अलग-अलग तरह की मछलियों से लेकर कई अनोखे समुद्री वनस्पति और जीव-जंतु देखने के लिए आसानी से मिल जाएंगे। यह द्वीप डॉल्फिन और समुद्री स्तनधारी जीव डुगोंग के लिए प्रसिद्ध है। डुगोंग भारत में बहुत कम ही देखने को मिलते हैं।

खास बात यह है कि यहां एक नहीं बल्कि आस-पास 21 अलग-अलग द्वीप देखने को मिल जाएंगे, जिसके बीच की दूरी ज्यादा नहीं है। बोटिंग के सहारे एक द्वीप से दूसरे द्वीप पर पहुंचा जा सकता है। वोटिंग का मजा लेने के लिए प्रतिव्यक्ति किराया 300 रुपए है। यहां वोटिंग की व्यवस्था भी राष्ट्रीय उद्यान के जरिए ही की जाती है। कुरुसादई द्वीप आकर सारी थकान पलभर में मिट जाएगी क्योंकि यहां की शांति किसी का भी मन मोह लेगा।

द्वीप के किनारे बहुत सारी रेत में भी मिल जाते हैं, जहां ऊंचे पेड़ों के बीच बैठकर पूरे परिवार के साथ अच्छा समय बिताया जा सकता है। यहां से सनसेट का नजारा भी बहुत प्यारा लगता है। यहां के प्राकृतिक नजारे किसी को भी मोहित कर सकते हैं।

खास बात यह है कि कुरुसादई द्वीप पर आप स्नॉर्कलिंग और स्कूबा डाइविंग भी करते हैं, जहां पानी के गहराई में आपको जलीय जीवों के अलावा समुद्री कछुए भी देखने को मिल जाते हैं। इस द्वीप को कछुओं का स्वर्ग भी कहा जाता है। यही कारण है कि यह द्वीप भारत के बाकी सभी द्वीपों से काफी अलग और अनोखा है, यहां तक लोगों की पहुंच बहुत कम है।

अगर आप 12 ज्योतिर्लिंग में से एक रामेश्वरम के दर्शन के लिए आ रहे हैं तो कुछ समय कुरुसादई द्वीप पर जरूर बिताएं। यह रामेश्वरम बस स्टैंड से मात्र 12 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है और रामेश्वरम रेलवे स्टेशन से 14 किलोमीटर से स्थित है।

किसान क्रेडिट कार्ड से किसानों की जिंदगी में आया बदलावः शिवराज चौहान

रायसेन । मध्य प्रदेश के रायसेन में आयोजित उन्नत कृषि महोत्सव 2026 के आखिरी दिन किसान सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस दौरान केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किसान क्रेडिट कार्ड पर जानकारी दी।

शिवराज सिंह चौहान ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा, 'इस मेले का उद्देश्य है कि जो सरकारी योजनाएं हैं, उन सभी के बारे में आप लोगों को जानकारी हो। नए इनोवेशन को जानें और नई नवाचारों के बारे में आपको जानकारी मिले। किसान क्रेडिट कार्ड एक बड़ी योजना है, इससे किसानों की जिंदगी में बदलाव आता है। यह योजना पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के समय शुरू हुई थी और इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगे बढ़ाया है।

उन्होंने कहा, 'खाद-बीज के लिए जब पैसे की जरूरत होती थी तो लोन लेना पड़ता था। उस समय ऊंचे ब्याज की दरों पर कर्ज लेना पड़ता था। प्राइवेट आदमी से लोग लोन लेते थे और पूरी फसल ब्याज चुकाने में चली जाती थी। किसान क्रेडिट कार्ड स्कीम किसानों के लिए वरदान है। इसके अलावा एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड स्कीम भी बहुत अच्छी है।

प्रधानमंत्री कुसुम योजना केंद्र सरकार की एक प्रमुख पहल है, जो किसानों को सोलर पंप लगाने और ग्रिड-संबद्ध सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने के लिए लगभग 60 फीसदी तक सब्सिडी प्रदान करती है। किसानों के पास अभी भी जानकारी की कमी है, इसलिए कई बार गलतियां हो जाती हैं। वहीं, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कृषि राज्यमंत्री रामनाथ ठाकुर और हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा की मौजूदगी में किसानों के हित में आयोजित कृषि विज्ञान केंद्र सेमिनार में सहभागिता की और किसानों को संबोधित किया।

शिवराज सिंह चौहान ने कहा, 'उन्नत कृषि महोत्सव 2026' में किसान उत्पादक संगठन से जुड़ी हमारी मातृशक्ति अपनी उद्यमशीलता और परिश्रम से सफलता की नई कहानी लिख रही है। बेहतरीन उत्पादों, आधुनिक सोच और उच्च गुणवत्ता के साथ ये महिलाएं आत्मनिर्भर भारत की सशक्त तस्वीर प्रस्तुत कर रही हैं। एकजुटता की शक्ति और बाज़ार की समझ के माध्यम से वे न केवल अपनी आय में वृद्धि कर रही हैं बल्कि पूरे गांव के समग्र विकास का मार्ग भी प्रशस्त कर रही हैं।

स्वयं सहायता समूह की महिलाएं अपने उत्पादों, नवाचारों और उद्यमिता से उन्नत कृषि महोत्सव 2026 में विशेष पहचान बना रही हैं।

महाराष्ट्र में श्रमिकों के लिए बदले काम के घंटे, सरकार ने जारी की एसओपी

मुंबई । महाराष्ट्र सरकार ने सोमवार को राज्य के शहरी इलाकों के गर्मी जोखिम वाले जिलों में बाहरी अनौपचारिक श्रमिकों की सुरक्षा के लिए मानक संचालन प्रक्रियाएं (एसओपी) जारी कीं।

राज्य के आपदा प्रबंधन मंत्री गिरीश महाजन की ओर से जारी एडवाइजरी के मुताबिक, गर्मी की चेतावनियों के दौरान बाहरी काम के घंटों को बदलकर सुबह 6 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 8 बजे तक, यानी ठंडे समय में करने का सुझाव दिया गया है। साथ ही, ऑरेंज और रेड अलर्ट के दौरान दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक अनिवार्य रूप से आराम के ब्रेक देने और विशेष रूप से निर्माण, औद्योगिक और वेंडिंग क्षेत्रों में काम की शिफ्टों को निर्धारित करने का निर्देश दिया गया है।

इसके अलावा, आधिकारिक जिला या शहरी स्थानीय निकाय परिपत्र जारी करना आवश्यक होगा, जिनमें विशेष रूप से निर्माण, औद्योगिक और वेंडिंग क्षेत्रों में कार्य-समय में बदलाव को अनिवार्य किया जाए।

महिलाओं के लिए कार्यस्थल पर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रोशनी, परिवहन और सुरक्षात्मक सुविधाओं की व्यवस्था की जाएगी। इस एसओपी की आवश्यकता इसलिए पड़ी, क्योंकि महाराष्ट्र भारत के उन शीर्ष 10 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में शामिल है, जो गर्मी के प्रति सर्वाधिक संवेदनशील हैं।

राज्य हीट एक्शन प्लान के मुताबिक, विदर्भ, मराठवाड़ा और खानदेश क्षेत्रों के 15 जिलों को अत्यधिक गर्मी के प्रति बहुत ज?यादा संवेदनशील माना गया है। इन जिलों में लातूर, अमरावती, यवतमाल, वाशिम, अकोला, बुलढाणा, नागपुर, वर्धा, चंद्रपुर, गोंदिया, भंडारा, जलगांव, नंदुरबार, धुले और नांदेड़ शामिल हैं।

यह एसओपी उन सभी नगर निगमों, नगर परिषदों और नगर पंचायतों पर लागू होता है, जो उच्च जोखिम वाले शहरी क्षेत्रों में कार्यरत हैं।

एसओपी के मुताबिक, बाजारों, चौराहों, ट्रैफ़िक जंक्शनों, ट्रांजिट हब और वेंडिंग क्षेत्रों सहित प्रमुख अनौपचारिक कार्य स्थलों पर पानी के बूथ लगाना जरूरी होगा, ताकि स्पष्ट साइनेज और नियमित रूप से पानी भरने की व्यवस्था के साथ सभी को पानी उपलब्ध हो सके।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, वार्ड कार्यालयों और एनजीओ के माध्यम से ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन (ओआरएस) और इलेक्ट्रोलाइट सैशे का वितरण किया जाना होगा।

एनसीआर में 13-14 अप्रैल को तेज हवाओं का अलर्ट, तापमान में जल्द होगी बढ़ोतरी, एक्यूआई येलो जोन में

नोएडा । राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में मौसम का मिजाज तेजी से बदल रहा है। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार 13 और 14 अप्रैल को क्षेत्र में दिन के समय तेज सतही हवाएं चलने का अलर्ट जारी किया गया है। इसके बाद मौसम साफ रहेगा और तापमान में तेजी से बढ़ोतरी दर्ज की जाएगी।

मौसम विभाग के 7 दिनों के पूर्वानुमान के अनुसार, 13 अप्रैल को न्यूनतम तापमान लगभग 20 डिग्री और अधिकतम 35 डिग्री रहने का अनुमान है। वहीं, 14 अप्रैल को अधिकतम तापमान बढ़कर 36 डिग्री तक पहुंच सकता है। 15 अप्रैल से 18 अप्रैल के बीच मौसम पूरी तरह साफ रहेगा और अधिकतम तापमान लगातार बढ़ते हुए 38 डिग्री तक पहुंचने की संभावना है, जबकि न्यूनतम तापमान भी 20 डिग्री से बढ़कर 22 डिग्री तक जा सकता है।

मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, तेज हवाओं के कारण फिलहाल गर्मी का असर थोड़ा कम महसूस हो रहा है, लेकिन दो दिन बाद हवाएं शांत होते ही तापमान में तेजी से उछाल देखने को मिलेगा। तेज हवाओं का सकारात्मक असर वायु गुणवत्ता पर भी देखने को मिल रहा है। एनसीआर के अधिकांश हिस्सों में एक्यूआई फिलहाल येलो जोन में बना हुआ है। दिल्ली के कई इलाकों में एक्यूआई मध्यम स्तर पर दर्ज किया गया है। आनंद विहार में 180, अशोक विहार में 144, आया नगर में 122, बवाना में 160, चांदनी चौक में 167 दर्ज किया गया है। नोएडा में भी वायु गुणवत्ता मध्यम श्रेणी में है। सेक्टर-1 में 164, सेक्टर-125 में 139, सेक्टर-62 में 124, सेक्टर-116 में 137, वहीं गाजियाबाद के कुछ इलाकों में एक्यूआई थोड़ा ज्यादा दर्ज किया गया है।

इंदिरापुरम में 154, संजय नगर में 153, वसुंधरा में 177 और वेद विहार-लोनी में 205 एक्यूआई दर्ज किया गया है।

मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में आसमान साफ रहेगा और गर्मी का असर धीरे-धीरे बढ़ेगा। हवाओं की गति कम होने के बाद प्रदूषण स्तर में भी फिर से बढ़ोतरी हो सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि तेज हवाओं के दौरान बाहर निकलते समय सावधानी बरतें। वहीं तापमान बढ़ने के साथ ही लोगों को पर्याप्त पानी पीने और धूप से बचाव करने की सलाह दी गई है।

मध्य प्रदेश में गर्मी का कहर, ब्यौहारी रेलवे स्टेशन पर खड़ी ट्रैक मशीन की बोगी में लगी आग

शहडोल । मध्य प्रदेश के शहडोल जिले में गर्मी का असर अब घटनाओं के रूप में भी दिखने लगा है। ब्यौहारी रेलवे स्टेशन पर एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जब प्लेटफॉर्म 1 के पास साइडिंग में खड़ी एक ट्रैक मशीन की बोगी में अचानक आग लग गई। यह घटना उस समय हुई जब स्टेशन परिसर में सामान्य गतिविधियां चल रही थीं। अचानक धुआं और आग की लपटें उठने लगीं, जिससे अफरा-तफरी मच गई।

घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे स्टाफ तुरंत हरकत में आया और फायर ब्रिगेड के साथ-साथ डायल 112 को भी सूचना दी गई। कुछ ही देर में दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरू किया गया। दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया। इस दौरान रेलवे कर्मचारियों ने भी राहत और बचाव कार्य में मदद की।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग लगते ही प्लेटफॉर्म पर मौजूद लोग घबराकर इधर-उधर भागने लगे। हर तरफ धुआं फैल गया था और कुछ समय के लिए माहौल पूरी तरह डरावना हो गया था।

हालांकि राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी भी तरह की जनहानि नहीं हुई और सभी लोग सुरक्षित रहे। आग इतनी तेजी से फैल रही थी कि अगर समय रहते इस पर काबू नहीं पाया जाता, तो यह पास खड़ी अन्य बोगियों और स्टेशन के बाकी हिस्सों तक भी पहुंच सकती थी, जिससे एक बड़ा हादसा हो सकता था।रेलवे प्रशासन ने बताया कि प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। हालांकि, असली कारणों का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है। अधिकारियों का कहना है कि यह पता लगाया जाएगा कि सुरक्षा व्यवस्था में कहीं कोई चूक तो नहीं हुई थी। इस घटना ने एक बार फिर रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा इंतजामों की जरूरत को उजागर कर दिया है। रेलवे प्रशासन अब इस मामले को गंभीरता से लेते हुए।

सीएम मोहन यादव की सरकार ने कई परियोजनाओं पर लगाई मुहर, 20 हजार करोड़ के कार्य मंजूर

भोपाल। मध्य प्रदेश की मोहन कैबिनेट की सोमवार को हुई बैठक में लगभग 20 हजार करोड़ के विभिन्न कार्यों को मंजूरी दी गई। मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक सोमवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई।

मंत्रिपरिषद द्वारा लोक कल्याणकारी और विकास कार्यों के लिए तकरीबन 19,810 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई। मंत्रिपरिषद ने लोक निर्माण विभाग, सिंचाई परियोजनाओं, महिला बाल विकास के कार्यों, नवीन चिकित्सा महाविद्यालयों तथा कृषि विभाग के प्रस्तावों को भी स्वीकृति दी है।

मंत्रिपरिषद द्वारा सागर जिले की मिडवासा मध्यम सिंचाई परियोजना के निर्माण के लिए 286 करोड़ 26 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई। इस परियोजना से सागर जिले की सागर तहसील के 27 ग्रामों की 7200 हेक्टेयर भूमि की सिंचाई के लिए किसानों को लाभ मिलेगा।

मंत्रिपरिषद द्वारा लोक निर्माण के अंतर्गत विभिन्न विकास कार्यों के लिए 10,801 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई। इसके अंतर्गत बी.ओ.टी. मार्गों का विकास एवं पर्यवेक्षण के लिए 150 करोड़ रुपये, बी.ओ.टी. परियोजनाओं की समाप्ति पर भुगतान के लिए 765 करोड़ रुपये, एन्यूटी भुगतान के लिए 4,564 करोड़ रुपये और म.प्र. सड़क विकास निगम (एन.डी.बी.) बाह्य वित्त परियोजना के लिए 5,322 करोड़ रुपये की स्वीकृति सहित 16वें वित्त आयोग की अवधि 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक निरंतर रखे जाने की स्वीकृति दी गई है।

ईसीएलएसएस : स्पेस में जीवन बचाने वाला सिस्टम, आईएसएस पर हवा और पानी कैसे होता है रिसाइकल

नई दिल्ली। जब एस्ट्रोनॉट्स पृथ्वी से लाखों किलोमीटर दूर अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर रहते हैं, तो वहां हवा, पानी और ऑक्सीजन की कोई नई सप्लाई नहीं आ सकती। ऐसे में स्पेस एजेंसीज की पर्यावरण नियंत्रण और जीवन समर्थन प्रणाली यानी ईसीएलएसएस उन्हें जीवित रखने का सबसे महत्वपूर्ण काम करती है।

अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा इस शानदार सिस्टम यानी ईसीएलएसएस मशीनों के बारे में जानकारी देता है, जिसके अनुसार यह एक जटिल लेकिन परस्पर जुड़ा नेटवर्क है जो हवा, पानी और तापमान को नियंत्रित रखता है। नासा के मार्शल स्पेस फ्लाइट सेंटर ने ईसीएलएसएस के विकास, निर्माण और परीक्षण में अहम भूमिका निभाई है। यह सिस्टम अंतरिक्ष यात्रियों को सांस लेने योग्य ऑक्सीजन उपलब्ध कराता है, कार्बन डाइऑक्साइड हटाती है, पानी को शुद्ध करके फिर से इस्तेमाल करने के लायक बनाने के साथ ही केबिन के अंदर आरामदायक वातावरण भी बनाए रखता है।

ईसीएलएसएस मुख्य रूप से तीन प्रमुख घटकों पर काम करता है- पहला वाटर रिकवरी सिस्टम, दूसरा है एयर रेविटलाइजेशन सिस्टम और तीसरा है ऑक्सीजन जनरेशन सिस्टम।

एक अंतरिक्ष यात्री को रोजाना लगभग एक गैलन पानी पीने, खाना खाने और स्वच्छता के लिए चाहिए होता है। ऐसे में वाटर रिकवरी सिस्टम अंतरिक्ष में पानी की बचत का चमत्कार करती है। यह चालक दल के यूरीन, केबिन की नमी से बनी संघनित पानी और स्पेस वॉक के दौरान पहने जाने वाले सूट ईवीए के अंदर से निकले पानी को इकट्ठा करती है।

सबसे पहले यूरीन प्रोसीजर मूत्र को संसाधित करता है। फिर इस पानी को अन्य अपशिष्ट जल के साथ मिलाकर वाटर प्रोसीजर में भेजा जाता है। यहां पानी बहु-छनन और उत्प्रेरक ऑक्सीकारक से गुजरता है। विद्युत चालकता सेंसर पानी की शुद्धता जांचते हैं। अगर पानी अशुद्ध हो तो उसे दोबारा संसाधित किया जाता है। स्वच्छ पानी भंडारण टैंक में रखा जाता है। वर्तमान में यह प्रणाली स्टेशन पर मौजूद पानी का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा रिकवर कर सकती है।

एयर रेविटलाइजेशन सिस्टम केबिन की हवा को साफ रखने का जिम्मा संभालती है। इलेक्ट्रॉनिक्स, प्लास्टिक और मानव शरीर से निकलने वाली गैसों व सूक्ष्म प्रदूषकों को यह हटाती है। सबसे महत्वपूर्ण काम कार्बन डाइऑक्साइड को अलग करना है, जो सांस लेने के दौरान निकलती है। हवा को सक्रिय चारकोल, उत्प्रेरक ऑक्सीकारक और लिथियम हाइड्रॉक्साइड बिस्तर से गुजारा जाता है। मोलेक्यूलर छलनी कार्बन डाइऑक्साइड को उसके आकार के आधार पर अवशोषित कर लेती हैं।

तीसरा है ऑक्सीजन जनरेशन सिस्टम, जो अंतरिक्ष यात्रियों के सांस लेने के लिए ऑक्सीजन बनाती है। इसमें वाटर रिकवरी सिस्टम से मिले पानी को इलेक्ट्रोलाइस किया जाता है। पानी को विभाजित करने पर ऑक्सीजन और हाइड्रोजन गैस बनती है। ऑक्सीजन केबिन में छोड़ दी जाती है जबकि हाइड्रोजन को या तो स्पेस में निकाल दिया जाता है या कार्बन डाइऑक्साइड न्यूनीकरण असेंबली में भेजा जाता है। यहां सबेटियर रिएक्टर में हाइड्रोजन और कार्बन डाइऑक्साइड से पानी और मीथेन बनता है। पानी फिर से इस्तेमाल होता है और मीथेन को स्पेस में छोड़ दिया जाता है।

यह प्रणाली वायुमंडलीय दबाव, आग का पता लगाने और बुझाने, उचित वेंटिलेशन, तापमान तथा नमी नियंत्रण भी करती है। इससे अंतरिक्ष स्टेशन पर पृथ्वी जैसा वातावरण बना रहता है। नासा के मार्शल स्पेस फ्लाइट सेंटर और इंडस्ट्रियल भागीदारों ने इन प्रणालियों को संयुक्त रूप से डिजाइन और परीक्षण किया है। ये सिस्टम आईएसएस के अमेरिकी मॉड्यूल में रेफ्रिजरेटर के आकार वाले रैक में लगाए गए हैं।

सिर्फ थकान नहीं, न्यूरोलॉजिकल समस्या की निशानी भी हो सकती है जम्हाई, न करें नजरअंदाज

नई दिल्ली। अक्सर लोग जम्हाई को एक सामान्य आदत मानकर नजरअंदाज कर देते हैं। सुबह उठते समय, काम के बीच या खाली बैठे हुए अगर जम्हाई आ जाए तो इसे नींद की कमी या थकान से जोड़ दिया जाता है, लेकिन हाल के वैज्ञानिक रिसर्च में यह बात सामने आई है कि कई बार जम्हाई लेना शरीर के भीतर चल रही गड़बड़ियों का संकेत भी हो सकता है, इसलिए इस पर ध्यान देना जरूरी है।

विशेषज्ञों के अनुसार, जम्हाई लेना एक प्राकृतिक प्रक्रिया है, जो दिमाग और शरीर के बीच संतुलन बनाए रखने में मदद करती है, लेकिन जब यह प्रक्रिया जरूरत से ज्यादा होने लगे, तो यह संकेत है कि शरीर के कुछ सिस्टम सही तरीके से काम नहीं कर रहे हैं। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि बार-बार जम्हाई आने का संबंध दिमाग की कार्यप्रणाली से जुड़ा हो सकता है। कुछ मामलों में यह मिर्गी या स्ट्रोक जैसे न्यूरोलॉजिकल समस्याओं का संकेत भी हो सकता है। इन स्थितियों में दिमाग के कुछ हिस्सों की गतिविधि प्रभावित होती है, जिससे शरीर में असामान्य प्रतिक्रियाएं देखने को मिल सकती हैं। उदाहरण के तौर पर जब दिमाग का कोई हिस्सा असंतुलित तरीके से सक्रिय हो जाता है, तो व्यक्ति को बार-बार जम्हाई आने लगती है। इसलिए अगर जम्हाई के साथ अन्य असामान्य लक्षण भी दिखें, तो इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। इसके अलावा, जम्हाई का संबंध शरीर के ऑटोनॉमिक नर्वस सिस्टम से भी होता है। यह तंत्र दिल की धड़कन, रक्तचाप और पाचन जैसी प्रक्रियाओं को नियंत्रित करता है। जब इस सिस्टम में असंतुलन होता है, तो शरीर की प्रतिक्रिया भी बदलने लगती है और इसका असर जम्हाई के रूप में दिख सकता है। कुछ शोधों में यह भी पाया गया है कि जम्हाई लेते समय शरीर में नसों के संकेत बदलते हैं और एक खास प्रकार का तंत्र ज्यादा सक्रिय हो जाता है, जिससे शरीर थोड़ी देर के लिए आराम की स्थिति में चला जाता है।

हालांकि हर बार जम्हाई आना किसी बीमारी का संकेत नहीं होता। कई बार यह केवल नींद की कमी, ज्यादा काम, मानसिक तनाव या थकावट के कारण भी हो सकता है। अगर यह समस्या लगातार बनी रहे और बिना किसी कारण के बार-बार जम्हाई आने लगे, तो सावधान हो जाना चाहिए। खासतौर पर जब इसके साथ चक्कर आना, कमजोरी महसूस होना, ध्यान केंद्रित करने में परेशानी या सोचने-समझने में बदलाव जैसे लक्षण दिखाई दें, तो यह शरीर का चेतावनी संकेत हो सकता है।

गर्मियों में खीरा है वरदान, गलत तरीके से खाया तो बढ़ सकती हैं पेट की समस्याएं

नई दिल्ली। गर्मी का मौसम शुरू होते ही लोग अपने खानपान में ऐसी चीजें शामिल करने लगते हैं, जो शरीर को ठंडक पहुंचाने के साथ-साथ हाइड्रेटेड भी रखें। खीरा भी उन्हीं में से एक है, जो अक्सर सलाद के रूप में हर घर की थाली में शामिल होता है, हालांकि बहुत से लोग यह नहीं जानते कि खीरे को सही तरीके से कैसे खाया जाए, ताकि इसके पूरे फायदे मिल सकें।

गलत तरीके से या जरूरत से ज्यादा सेवन करने पर खीरा पेट से जुड़ी समस्याएं भी पैदा कर सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि सही तरीके से खाया गया खीरा न सिर्फ शरीर को ठंडक देता है, बल्कि त्वचा को भी अंदर से स्वस्थ और चमकदार बनाता है।

खीरे में लगभग 90 से 95 प्रतिशत तक पानी होता है, जो शरीर को हाइड्रेट रखने में अहम भूमिका निभाता है। जब शरीर में पानी की कमी नहीं होती, तो खून का प्रवाह बेहतर रहता है और पोषक तत्व आसानी से त्वचा तक पहुंचते हैं। यही प्रक्रिया चेहरे पर ताजगी और निखार लाने में मदद करती है। इसके साथ ही खीरे में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स भी पाए जाते हैं, जो त्वचा की कोशिकाओं को नुकसान से बचाते हैं और उन्हें रिपेयर करने में मदद करते हैं।

खीरे को खाने से पहले अच्छी तरह धोना बहुत जरूरी है, क्योंकि इसकी सतह पर धूल, बैक्टीरिया या केमिकल्स हो सकते हैं। अगर खीरा ऑर्गेनिक है, तो इसे छिलके सहित खाना ज्यादा फायदेमंद होता है। इसके छिलके में फाइबर भरपूर मात्रा में होता है, जो पाचन तंत्र को मजबूत करता है और पेट को साफ रखने में मदद करता है।

खीरे का जूस शरीर में जमा टॉक्सिन्स को निकालने में भी मदद करता है, जिससे शरीर फिट रहता है। खीरे का सेवन सीमित मात्रा में करना ही बेहतर होता है। जरूरत से ज्यादा खीरा खाने से पेट में गैस, अपच या भारीपन महसूस हो सकता है। इसका कारण यह है कि खीरे में मौजूद कुछ तत्व पाचन प्रक्रिया को धीमा कर सकते हैं, खासकर तब जब इसे ज्यादा मात्रा में खाया जाए। इसलिए संतुलित मात्रा में ही इसका सेवन करना चाहिए।

खीरे के तापमान का भी ध्यान रखना जरूरी है। कई लोग इसे फ्रिज से निकालकर तुरंत बहुत ठंडा खा लेते हैं, जो पेट के लिए सही नहीं माना जाता। बहुत ठंडी चीजें खाने से पाचन तंत्र पर असर पड़ सकता है। गैस या दर्द की समस्या हो सकती है, इसलिए बेहतर होगा कि खीरे को हल्का सामान्य तापमान पर लाकर खाया जाए, ताकि शरीर उसे आसानी से पचा सके।

तेजी से बढ़ रहा हेयर फॉल, जानिए पोषक तत्वों की कमी जड़ों को कर देती है कमजोर

नई दिल्ली। आज के दौर में बाल झड़ना एक आम लेकिन गंभीर समस्या बनती जा रही है। खराब लाइफस्टाइल, फास्ट फूड का बढ़ता चलन, अनियमित दिनचर्या और बढ़ता तनाव शरीर के संतुलन को बिगाड़ रहे हैं, जिसका सीधा असर बालों की सेहत पर पड़ रहा है। अक्सर लोग हेयर फॉल को केवल बाहरी कारणों से जोड़ते हैं और अलग-अलग शैंपू या हेयर प्रोडक्ट्स बदलते रहते हैं, लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार बालों की असली मजबूती अंदरूनी पोषण पर निर्भर करती है।

जब शरीर को जरूरी विटामिन और मिनरल्स नहीं मिलते, तो बालों की जड़ें कमजोर हो जाती हैं और झड़ने की समस्या बढ़ने लगती है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं कि बालों की जड़ों तक पोषण और ऑक्सीजन का सही तरीके से पहुंचना बेहद जरूरी होता है। इस प्रक्रिया में आयरन की भूमिका बहुत अहम होती है। आयरन शरीर में हीमोग्लोबिन बनाने में मदद करता है, जो खून के जरिए ऑक्सीजन को शरीर के हर हिस्से तक पहुंचाता है। जब शरीर में

आयरन की कमी होती है, तो स्कैल्प तक पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाती। इससे हेयर फॉलिकल्स कमजोर हो जाते हैं और बाल तेजी से झड़ने लगते हैं।

इसी तरह विटामिन डी भी बालों की ग्रोथ में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह विटामिन हेयर फॉलिकल्स को सक्रिय रखने में मदद करता है, जिससे नए बाल उगते रहते हैं। जब शरीर में विटामिन डी की कमी हो जाती है, तो नए बाल बनने की प्रक्रिया धीमी पड़ जाती है और पुराने बाल गिरने लगते हैं। धीरे-धीरे बाल पतले और बेजान दिखने लगते हैं।

विटामिन बी12 भी बालों के लिए जरूरी पोषक तत्वों में शामिल है। यह शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण में मदद करता है। जब बी12 की कमी होती है, तो खून में ऑक्सीजन का स्तर कम हो जाता है, जिससे बालों की जड़ों तक सही पोषण नहीं पहुंच पाता। इसका असर बालों की ग्रोथ पर पड़ता है और बाल कमजोर होकर टूटने लगते हैं। लंबे समय तक इसकी कमी रहने पर हेयर फॉल की समस्या और गंभीर हो सकती है।

बाल मुख्य रूप से केराटिन नामक प्रोटीन से बने होते हैं। इसलिए शरीर में प्रोटीन की कमी का सीधा असर बालों पर पड़ता है। जब पर्याप्त प्रोटीन नहीं मिलता, तो शरीर जरूरी अंगों को प्राथमिकता देता है और बालों की ग्रोथ धीमी हो जाती है। इससे बाल पतले, कमजोर और जल्दी टूटने वाले हो जाते हैं। यही कारण है कि संतुलित आहार में प्रोटीन का होना बेहद जरूरी है।

जिंक भी एक ऐसा मिनरल है, जो स्कैल्प को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है। यह बालों की जड़ों को मजबूत करता है और नई कोशिकाओं के निर्माण में सहायक होता है। जिंक की कमी होने पर स्कैल्प ड्राई हो सकता है, डैंड्रफ बढ़ सकता है और बालों का गिरना तेज हो जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि हेयर फॉल को रोकने के लिए सिर्फ बाहरी देखभाल ही नहीं, बल्कि अंदर से पोषण देना भी जरूरी है। इसके लिए रोजाना की डाइट में हरी सब्जियां, ताजे फल, दालें, दूध और सूखे मेवे शामिल करना चाहिए। ये सभी शरीर को जरूरी विटामिन और मिनरल्स प्रदान करते हैं, जिससे बालों की जड़ें मजबूत होती हैं।

पाई डेटा सेंटर्स की बड़ी घोषणा, मुंबई में लॉन्च करेगी 3 मेगावाट का नया डेटा सेंटर, अगस्त 2026 से शुरू होगा ऑपरेशन

नई दिल्ली। पाई डेटा सेंटर्स ने सोमवार को घोषणा की कि वह सेंट्रल मुंबई में 3 मेगावाट क्षमता वाले डेटा सेंटर की शुरुआत करने जा रही है, जिसका पहला फेज अगस्त 2026 से चालू होगा।

प्रॉपर्टी कंसल्टेंसी फर्म जेएलएल ने कहा कि उसने पाई के मुंबई प्रोजेक्ट के लिए लीज डील में विशेष सलाहकार की भूमिका निभाई है। इसके साथ ही जेएलएल कंपनी के 23 मेगावाट के विस्तार प्रोजेक्ट पर भी सलाह दे रही है, जिसमें हाइपरस्केल, कोलोकेशन और क्लाउड डेटा सेंटर क्षमता शामिल होगी।

कंपनी के अनुसार, मुंबई का यह नया डेटा सेंटर आंध्र प्रदेश के अमरावती में पहले से मौजूद 60 मेगावाट की हाइपरस्केल क्षमता को सपोर्ट करेगा। इसके अलावा हैदराबाद में अक्टूबर 2026 में 3 मेगावाट का एक और डेटा सेंटर शुरू करने की योजना है।पाई डेटा सेंटर्स के फाउंडर, चेयरमैन और सीईओ कल्याण मुप्पानेनी ने कहा कि मुंबई का यह नया सेंटर भारत में तेजी से बढ़ती एंटरप्राइज जरूरतों, एआई-आधारित बदलाव, क्लाउड अपनाने और डेटा लोकलाइजेशन की मांग को पूरा करने में अहम भूमिका निभाएगा। कंपनी ने बताया कि यह सुविधा खास तौर पर अगली पीढ़ी की डिजिटल जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाई गई है ताकि एंटरप्राइज, हाइपरस्केल और एआई-आधारित बिजनेस को बेहतर सेवाएं मिल सकेंगी।

जेएलएल के एपीएसी क्षेत्र के डेटा सेंटर लीजिंग के मैनेजिंग डायरेक्टर रचित मोहन ने कहा कि एआई वर्कलोड, डिजिटलाइजेशन और क्लाउड सेवाओं की वजह से इस सेक्टर में तेजी बनी रहेगी। मुंबई, अमरावती और हैदराबाद में मौजूदगी से कंपनी कम लेटेंसी और बड़े स्तर की क्षमता का फायदा उठा सकेगी। रिपोर्ट के अनुसार, भारत का डेटा सेंटर उद्योग 2020 से अब तक 24 प्रतिशत की कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट (सीएजीआर) से बढ़ा है और पिछले पांच साल में इसकी मांग लगभग दोगुनी हो गई है। हाइपरस्केल कंपनियों, बैंकिंग (बीएफएसआई), ई-कॉमर्स, मीडिया और टेक्नोलॉजी सेक्टर की मजबूत मांग ने इस ग्रोथ को बढ़ावा दिया है। भारत अब लागत के लिहाज से प्रतिस्पर्धी होने, पर्याप्त ऊर्जा उपलब्धता और स्थिर नीतियों के चलते वैश्विक डेटा सेंटर हब के रूप में उभर रहा है।

जेएलएल का अनुमान है कि 2026 से 2030 के बीच भारत में 100 गीगावाट नए डेटा सेंटर जोड़े जाएंगे, जिससे वैश्विक क्षमता दोगुनी हो सकती है। वैश्विक स्तर पर डेटा सेंटर सेक्टर 2030 तक 14 प्रतिशत सीएजीआर से बढ़ने का अनुमान है। इस दौरान ऊर्जा से जुड़ी नई तकनीकों की जरूरत होगी ताकि बिजली ग्रिड पर दबाव कम किया जा सके। वहीं, हाइपरस्केल कंपनियां इस सेक्टर की ग्रोथ में अहम भूमिका निभाती रहेंगी।

सब्जियों को खाने का सही तरीका सेहत के लिए जरूरी

नई दिल्ली। आजकल लोग सेहतमंद रहने के लिए अपनी डाइट में कच्ची सब्जियों को तेजी से शामिल कर रहे हैं। हालांकि, हर सब्जी को कच्चा खाना सही नहीं होता। कुछ सब्जियां ऐसी होती हैं जिन्हें बिना पकाए खाने से शरीर को नुकसान पहुंच सकता है।

ऐसे में यह समझना बेहद जरूरी है कि कौन-सी सब्जियां किस तरीके से खानी चाहिए, ताकि उनसे पूरा पोषण मिल सके और सेहत पर कोई नकारात्मक असर भी न पड़े। वैज्ञानिक रिसर्च के अनुसार, कुछ सब्जियों में प्राकृतिक तत्व ऐसे होते हैं जो कच्चे रूप में शरीर पर नकारात्मक असर डाल सकते हैं। उदाहरण के लिए, ब्रोकली, फूलगोभी और पत्तागोभी जैसी सब्जियों में ऐसे तत्व पाए जाते हैं जो थायरॉइड के काम में बाधा डाल सकते हैं, खासकर उन लोगों में जिनके शरीर में आयोडीन की कमी होती है। इन सब्जियों को हल्का पकाने से इनके हानिकारक तत्व कम हो जाते हैं और ये पचाने में भी आसान हो जाती हैं।

इसी तरह बैंगन में पाया जाने वाला सोलानिन नामक तत्व कच्चे रूप में आंतों के लिए परेशानी पैदा कर सकता है। यही वजह है कि इसे हमेशा पकाकर खाने की सलाह दी जाती है।

मशरूम पर भी यही बात लागू होती है। इसमें कुछ ऐसे कंपाउंड होते हैं जिन्हें शरीर कच्चे रूप में ठीक से पचा नहीं पाता, जबकि पकाने से ये सुरक्षित और सुपाच्य बन जाते हैं।

हरी पत्तेदार सब्जियों जैसे पालक और चुकंदर के पत्तों को भी लेकर सावधानी जरूरी है। इनमें ऑक्सालेट नामक तत्व ज्यादा मात्रा में पाया जाता है, जो शरीर में कैल्शियम के अवशोषण को प्रभावित कर सकता है। अगर इन्हें कच्चा खाया जाए, तो यह किडनी से जुड़ी समस्याओं का कारण भी बन सकता है। इसलिए इनका सेवन संतुलित मात्रा में और सही तरीके से पकाकर करना बेहतर माना जाता है।

कच्ची सब्जियों का असर हमारे पाचन तंत्र पर भी पड़ता है। हालांकि इनमें फाइबर, विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर होते हैं, लेकिन हर व्यक्ति का पाचन तंत्र एक जैसा मजबूत नहीं होता। जिन लोगों को इरिटेबल बाउल सिंड्रोम (आईबीएस) जैसी समस्या होती है या जिनकी आंतें संवेदनशील होती हैं, उन्हें कच्ची सब्जियां ज्यादा खाने से पेट फूलना, गैस और असहजता महसूस हो सकती है। ऐसे में उनके लिए हल्की पकी हुई सब्जियां ज्यादा फायदेमंद होती हैं।

ऐसे में सब्जियों को पकाने का तरीका भी जानना जरूरी है। बहुत ज्यादा पकाने से विटामिन सी और बी नष्ट हो सकते हैं, जबकि बहुत कम पकाने से हानिकारक तत्व बने रह सकते हैं। ऐसे में भाप में पकाना एक बेहतर तरीका माना जाता है।

रोज सुबह पीते हैं जीरा पानी, आयुर्वेद से जाने सेवन करने का सही तरीका

नई दिल्ली। आज के समय में अच्छी लाइफस्टाइल के लिए लोग अलग-अलग तरह के पानी पर भरोसा करते हैं। आम लोगों से लेकर बॉलीवुड स्टार्स तक अच्छी सेहत के लिए अलग-अलग तरह के पानी, औषधीय पानी का सहारा लेते हैं, जैसे जीरा पानी, अजवाइन पानी, मेथी पानी और सौंफ पानी। पेट से जुड़े रोगों से निजात पाने के लिए जीरा पानी और अजवाइन पानी पीने की सलाह दी जाती है, लेकिन इसके सेवन की विधि कम ही लोगों को पता है। पेट की चर्बी कम करने के लिए हर कोई जीरा पानी का सेवन कर रहा है, लेकिन सेवन कब और कितनी मात्रा में करना जरूरी है, जिसके बारे में कोई बात नहीं करता। जीरा पानी सुबह की छोटी सी शुरुआत है, लेकिन अगर सेवन गलत तरीके से करते हैं तो यह सेहत को फायदा देने से ज्यादा नुकसान पहुंचा सकता है। आयुर्वेद के मुताबिक जीरा पानी मंद पाचन अग्नि को तेज करता है, भूख को बढ़ाता है, पाचन को सही करता है, और शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है। इसलिए जीरा पानी को रसोई की औषधि माना जाता है, लेकिन लोग जल्दी परिणाम हासिल करने के लिए ज्यादा मात्रा में पानी पी लेते हैं, या पूरे दिन धीरे-धीरे जीरा पानी पीते रहते हैं। इससे पानी को पीने के उतने फायदे नहीं मिल पाते हैं, जितने मिलने चाहिए। पहले जानते हैं कि जीरा पानी बनाने का सही तरीका क्या है। रात के समय जीरा को भिगोकर रख दें और सुबह जीरे के पानी को उबाल लें।

गोल्फर रोरी मैकलॉय ने लगातार दूसरा मास्टर्स खिताब जीता, अमेरिका के स्कॉटी शेफलर को दी शिकस्त

ऑगस्टा । आयरलैंड के गोल्फर रोरी मैकलॉय ने दुनिया के नंबर 1 अमेरिका के स्कॉटी शेफलर को एक शॉट से हराकर लगातार दूसरा मास्टर्स टाइटल जीता। इस जीत के साथ ही मैकलॉय लगातार दो मास्टर्स टाइटल जीतने वाले सिर्फ चार खिलाड़ियों के एलीट ग्रुप में शामिल हो गए हैं। वह 2001-02 में टाइगर वुड्स के बाद यह कारनामा करने वाले पहले खिलाड़ी भी बन गए हैं।

रोरी मैकलॉय ने शानदार खेल दिखाते हुए टूर्नामेंट 12-अंडर-पार पर खत्म किया। उन्होंने आखिरी राउंड 71 स्कोर के साथ पूरा किया और पूरे टूर्नामेंट के दौरान हर राउंड में कभी न कभी बढ़त बनाए रखी। पिछले साल उन्होंने द मास्टर्स जीतकर अपना करियर ग्रैंड स्लैम पूरा किया था, जिसमें उन्हें 10 साल से ज्यादा समय लगा। हालांकि इस बार उन्होंने सिर्फ एक साल में ही फिर से जीत हासिल कर ली और अपने नाम एक और 'ग्रीन जैकेट' जोड़ी।

रोरी मैकलॉय ने कहा कि ग्रैंड स्लैम पूरा करने के दबाव ने पिछले साल को खास तौर पर मुश्किल बना दिया था, लेकिन उन्हें यह समझ में आया कि हालात कैसे भी हों, मास्टर्स जीतना हमेशा एक मुश्किल काम होता है। जीत के बाद उन्होंने कहा, 'मुझे लगा था कि पिछले साल जीतना बहुत मुश्किल था, क्योंकि मैं मास्टर्स और ग्रैंड स्लैम जीतने की कोशिश कर रहा था। फिर इस साल मुझे एहसास हुआ कि मास्टर्स जीतना वाकई बहुत मुश्किल है।

नौ होल में दो शॉट के फायदे के साथ उतरे ब्रिटिश गोल्फर जस्टिन रोज चार बोगी के साथ लड़खड़ा गए और आखिर में टायरेल हैटन, रसेल हेनले और कैमरन यंग के साथ 10-अंडर पर तीसरे स्थान पर रहे। जस्टिन अगर खिताब को अपने नाम करने में सफल रहते, तो वह चैंपियन बनने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी होते।

रोज पिछले साल एक प्लेऑफ में भी रोरी मैकलॉय से पीछे रह गए थे।

18वें होल पर एक शॉट ज्यादा (बोगी) करने के बावजूद रॉरी बढ़त बनाए रखने में सफल रहे। वहीं, स्कॉटी शेफलर ने शानदार खेल दिखाते हुए आखिरी राउंड 68 स्कोर के साथ पूरा किया। उन्होंने एक खास रिकॉर्ड भी बनाया। वे दूसरे विश्व युद्ध के बाद द मास्टर्स के आखिरी 36 होल बिना एक भी बोगी के खत्म करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए।

आईपीएल 2026: डेब्यू मैच में प्रफुल्ल हिंगे का तूफान, एचआरएच ने आरआर 57 रन से हराया

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 21वें मैच को अपने नाम किया। इस टीम ने सोमवार को राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) को 57 रन से हराया। इसी के साथ लगातार चार मुकाबलों से चला आ रहा आरआर की जीत का सिलसिला भी टूट गया।

5 में से एक मुकाबला गंवाने के बावजूद आरआर प्वाइंट्स टेबल में शीर्ष पर बरकरार है, जबकि 5 में से 2 मैच जीतकर एसआरएच चौथे पायदान पर पहुंच गई है।

टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी सनराइजर्स हैदराबाद ने निर्धारित ओवरों में 6 विकेट खोकर 216 रन बनाए। मैच की पहली ही गेंद पर इस टीम ने अभिषेक शर्मा (0) का विकेट खो दिया था। इसके बाद ईशान किशन ने ट्रेविस हेड के साथ दूसरे विकेट के लिए 55 रन की साझेदारी करते हुए टीम को परेशानी से निकाला।

ट्रेविस हेड ने 18 गेंदों में 3 चौकों के साथ 18 रन पारी खेली। उनके आउट होने के बाद ईशान ने हेनरिक क्लासेन के साथ 39 गेंदों में 88 रन की साझेदारी करते हुए टीम को मजबूत स्थिति में ला दिया। कप्तान ईशान 44 गेंदों में 6 छक्कों और 8 चौकों के साथ 91 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जबकि क्लासेन ने 40 रन की पारी खेली। नितीश रेड्डी ने 28 रन और सलिल अरोड़ा ने 24 रन की नाबाद पारी खेली।

विपक्षी खेमे से जोफ्रा आर्चर ने सर्वाधिक 2 विकेट निकाले, जबकि संदीप शर्मा, तुषार देशपांडे और रियान पराग ने 1-1 विकेट हासिल किया।

इसके जवाब में राजस्थान रॉयल्स की टीम 19 ओवरों में महज 159 रन पर सिमट गई। डेब्यूटेंट प्रफुल्ल हिंगे ने अपने पहले ही ओवर में 3 विकेट निकालकर आरआर को संकट में डाल दिया। दूसरे ओवर में टीम ने यशस्वी जायसवाल (1) का विकेट भी खो दिया। अगले ओवर में कप्तान रियान पराग (0) भी चलते बने।

आलम ये था कि टीम 3 ओवरों की समाप्ति तक महज 9 रन बनाकर 5 विकेट गंवा चुकी थी। इसके बाद अनुभवी बल्लेबाज रवींद्र जडेजा ने डोनोवन फरेरा के साथ छठे विकेट के लिए 72 गेंदों में 118 रन की साझेदारी करते हुए टीम को जीत की राह पर ला दिया था, लेकिन 127 के स्कोर पर इस साझेदारी के टूटते ही टीम फिर से परेशानी में आ गई।

फरेरा 44 गेंदों में 3 छक्कों और 7 चौकों के साथ 69 रन बनाकर आउट हुए, जबकि जडेजा ने 32 गेंदों में 5 चौकों के साथ 45 रन बनाए। तुषार देशपांडे ने टीम के खाते में 25 रन का योगदान दिया। विपक्षी खेमे से प्रफुल्ल ने 34 रन देकर 4 विकेट निकाले, जबकि साकिब हुसैन ने 24 रन देकर 4 सफलता प्राप्त की। इनके अलावा, ईशान मलिंगा ने 2 विकेट हासिल किए।

पाटीदार गेंदबाजों के लिए एक बुरे सपने की तरह रहे हैं: इरफान पठान

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 20वें मैच में मुंबई इंडियंस (एमआई) के हाथों 18 रन से हार का सामना करना पड़ा। इरफान पठान और हरभजन सिंह ने एमआई के चेज में कमियों, आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार की पारी, विराट कोहली की भूमिका और क्रुणाल पांड्या की गेंदबाजी का विश्लेषण किया है।

'जियोहॉटस्टार' पर इरफान पठान ने रन चेज के दौरान एमआई के प्रदर्शन के बारे में कहा, 'बैटिंग में कुछ चिंताएं हैं, इसमें कोई शक नहीं, लेकिन सबसे बड़ी समस्या 240 रन लुटाने से शुरू होती है। फिर भी, इस तरह की पिच पर 241 रनों का पीछा करते हुए, आप उनसे उम्मीद करते हैं कि वे लक्ष्य के करीब तो पहुंचेंगे ही। समस्या यह थी कि पावरप्ले में उन्हें ठोस शुरुआत नहीं मिली और उन्होंने जल्दी विकेट गंवा दिए, जिससे मिडिल ऑर्डर पर दबाव आ गया। मिडिल ओवर्स में, ऐसे कुछ मौके आए जब वे बड़े शॉट लगा सकते थे, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। हार्दिक पंड्या ने रन बनाए, लेकिन वे कभी भी पूरी तरह से नियंत्रण में नहीं दिखे। तिलक वर्मा की पिछली कुछ पारियां शांत रही हैं, और रिकेल्टन जैसे खिलाड़ियों को स्पिन के खिलाफ और भी विकल्प तलाशने की जरूरत है। इन्हीं छोटी-छोटी कमियों ने मैच का नतीजा बदल दिया।

आरसीबी की तरफ कप्तान रजत पाटीदार ने 20 गेंदों में 5 छक्कों और 4 चौकों के साथ 53 रन की पारी खेली। उनकी इस पारी के दम पर टीम ने निर्धारित ओवरों में 240/4 का स्कोर खड़ा किया।

कप्तान पाटीदार की पारी पर इरफान पठान ने कहा, 'रजत पाटीदार गेंदबाजों के लिए एक बुरे सपने की तरह रहे हैं। वह मैदान पर आते ही पहली गेंद से ही आक्रामक खेलना शुरू कर देते हैं। उनकी यही सोच बहुत बड़ा फर्क पैदा करती है। जैसे ही वह क्रीज पर आए, उन्होंने मैच का मिजाज ही बदल दिया। उनकी खेली गई हर गेंद को देखकर ऐसा लग रहा था कि वह बाउंड्री पार कर जाएगी।

आईपीएल 2026 : मुंबई इंडियंस को हराकर आरसीबी ने पॉइंट टेबल में तीसरे स्थान पर बनाई जगह

नई दिल्ली । आईपीएल 2026 के 20वें मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने मुंबई इंडियंस को 18 रन से हरा दिया। आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए एमआई को सामने 241 रनों का लक्ष्य दिया था। लेकिन आरसीबी के गेंदबाजों के सामने मुंबई इंडियंस 5 विकेट के नुकसान पर 222 रन ही बना पाई।

ये आरसीबी की इस सीजन में तीसरी जीत है, जबकि मुंबई इंडियंस की तीसरी हार है। इस मैच के बाद प्वाइंट्स टेबल में बड़ा बदलाव आया है। हालांकि, टॉप पर अभी भी राजस्थान रॉयल्स की टीम है, जो एक भी मुकाबला नहीं हारी है।

राजस्थान रॉयल्स ने अब तक 4 मैच खेले हैं और सभी जीत कर 8 अंक हासिल किए हैं। वहीं, पंजाब किंग्स 4 में से 3 मैच जीत कर 7 अंक के साथ दूसरे स्थान पर है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने भी 4 में तीन मैच जीतकर 6 अंक हासिल करते हुए तीसरे स्थान पर है।

दिल्ली कैपिटल्स, गुजरात टाइटंस, लखनऊ सुपर जांयट्स के पास अभी 4-4 अंक हैं। वहीं, सनराइज हैदराबाद, मुंबई इंडियंस, चेन्नई सुपरकिंग्स ने अभी तक 4-4 मैच में से सिर्फ 1-1 मैच ही जीत सके हैं। इन तीनों टीमों के अंक 2 हैं। वहीं, सबसे निचले पायदान पर कोलकाता नाइट राइडर्स है, जिसने अभी तक एक मैच भी नहीं जीता है।आरसीबी ने रविवार को टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए ओवर में 4 विकेट गंवाकर 240 रन बनाए। फिल साल्ट और विराट कोहली ने टीम को शानदार शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 120 रनों की साझेदारी निभाई। कोहली ने 38 गेंदों में 50 रन बनाए, तो साल्ट ने 36 गेंदों में 78 रनों की शानदार पारी खेली। साल्ट ने अपनी इस पारी में 6 चौके और 6 छक्के लगाए।

कप्तान रजत पाटीदार बेहतरीन लय में दिखाई दिए और उन्होंने 20 गेंदों में 53 रन बनाए। अंत के ओवरों में टिम डेविड ने सिर्फ 16 गेंदों का सामना करते हुए नाबाद 34 रन बनाए।

समोआ ने लगातार दूसरी बार अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप के लिए किया क्वालीफाई

पोर्ट मोरेस्बी । समोआ ने लगातार दूसरी बार आईसीसी अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप का टिकट हासिल कर लिया है। सोमवार को ईस्ट एशिया-पैसिफिक क्वालिफायर 2026 को जीतकर समोआ की टीम ने विश्व कप में अपनी जगह पक्की कर ली है।

समोआ की टीम का प्रदर्शन टूर्नामेंट में शानदार रहा। ओलिव लेफागा लेमो की अगुवाई में टीम टूर्नामेंट में अजेय रही। समोआ ने फिजी, इंडोनेशिया, वानुअतु और मेजबान टीम को हराकर ट्रॉफी जीती। समोआ ने आखिरी दिन फिजी को हराकर अपना कैंपेन खत्म किया और वर्ल्ड कप टिकट हासिल किया। फिजी के खिलाफ टीम की गेंदबाजों ने 131 रनों का बचाव किया।

समोआ की ओर से वाओला गेब्रियल ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर के स्पेल में सिर्फ 19 रन देकर 4 विकेट चटकाए। वहीं, हरदिया पड्डा ने तीन ओवर के स्पेल में महज 9 रन देकर 2 विकेट

निकाले। फिजी की बल्लेबाजों ने समोआ के मजबूत गेंदबाजी अटैक के सामने आसानी से घुटने टेक दिए और पूरी टीम सिर्फ 72 रन बनाकर ढेर हो गई।

2024 में अंडर-19 विश्व कप में समोआ टीम की कप्तानी करने वालीं अवेटिया मापू का प्रदर्शन बल्ले से दमदार रहा।

उन्होंने 62 गेंदों का सामना करते हुए 67 रनों की बेहतरीन पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने 5 चौके और 2 छक्के लगाए। हालांकि, समोआ की अन्य बल्लेबाज कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकीं। मापू के अलावा नॉरा सलिमा ने 12 रन बनाए।

समोआ ने टूर्नामेंट का आगाज वानुअतु को 58 रनों से हराकर किया था। इसके बाद टीम ने इंडोनेशिया के खिलाफ 53 रनों से शानदार जीत दर्ज की थी। हालांकि, पापुआ न्यू गिनी के खिलाफ समोआ का बल्लेबाजी क्रम बुरी तरह से फेल रहा था और पूरी टीम 58 रन बनाकर ऑलआउट हो गई थी। हालांकि, हार्दिया पड्डा के 4/9 और टेलेसिया वाओला गेब्रियल के 4/7 ने गेंद से शानदार प्रदर्शन करते हुए पापुआ न्यू गिनी की पूरी टीम को महज 48 रनों पर समेट दिया था।

लेफागा लेमो के नेतृत्व में टीम अगले साल होने वाले महिला अंडर-19 टी20 विश्व कप में पहली बार जीत दर्ज करना चाहेगी। साल 2024 में टीम का यह सपना अधूरा रह गया था। प्रशांत महासागर की यह टीम रीजनल क्वालिफिकेशन के जरिए वर्ल्ड कप के लिए टिकट बुक करने वाली पहली टीम है और अगली जगह इस महीने के आखिर में एशिया रीजन टूर्नामेंट से तय होगी।

2024 में समोआ ने अंडर-19 विमेंस ईस्ट एशिया-पैसिफिक क्वालीफायर में अपने प्रदर्शन से हर किसी को हैरान कर दिया था और विमेंस अंडर-19 टी20 विश्व कप 2025 के लिए टिकट बुक करने के लिए चार टीमों की प्रतियोगिता में पहला स्थान हासिल किया था।

भारत में फॉर्मूला 1 को वापस लाने की तैयारी चल रही है : खेल मंत्री मनसुख मांडविया

नई दिल्ली। केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को कहा कि सरकार मोटरस्पोर्ट्स को बढ़ावा देने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि लगभग 13 साल बाद 2027 से पहले भारत में फॉर्मूला 1 की वापसी हो सकती है।

केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि भारत में फॉर्मूला 1 की वापसी की तैयारी चल रही है और हमारा लक्ष्य 2027 से पहले एफ1 रेस को होस्ट करना है।

उन्होंने कहा, 'लगभग 13 साल के गैप के बाद भारत में फॉर्मूला 1 (एफ1) की वापसी की तैयारी चल रही है। ट्रैक से जुड़े मसले सुलझा लिए गए हैं और अगले छह महीनों में काम पूरा होने की उम्मीद है। टारगेट 2027 से पहले भारत में फिर से एफ1 रेस होस्ट करना है।

इसके अलावा, खेल मंत्री ने कहा कि मोटोजीपी जैसे इवेंट्स को जल्द ही भारत में लाने का प्लान है, जिसमें जरूरी सुधार अभी चल रहे हैं।फॉर्मूला 1 इंडियन ग्रैंड प्रिक्स 2011 से 2013 तक तीन सीजन के लिए उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट में हुआ था। रेड बुल रेसिंग के लिए ड्राइव करते हुए सेबेस्टियन वेट्टल ने तीनों रेस जीती थीं। टैक्स, ज्यादा खर्च और अन्य दिक्कतों की वजह से 2013 के बाद इस इवेंट को कैलेंडर से हटा दिया गया था।

'हमेशा जीतना और सीखना होता है', कप्तान हार्दिक ने ड्रेसिंग रूम में बढ़ाया एमआई का हौसला

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के 20वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस (एमआई) को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ 18 रनों से हार का सामना करना पड़ा। इस सीजन में मिली तीसरी हार के बाद एमआई के कप्तान हार्दिक पांड्या ने ड्रेसिंग रूम में टीम का मनोबल बढ़ाया।

मुंबई इंडियंस द्वारा अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर शेयर किए गए वीडियो में हार्दिक ने कहा कि किसी भी मुकाबले में हम जीत दर्ज कर सकते हैं या फिर उस मैच में मिली हार से सीख सकते हैं। हारने जैसी कोई चीज नहीं होती है।

उन्होंने कहा, 'महेला जयवर्धने ने जो कहा उसे देखते हुए मुझे लगता है कि हमारे पास दो विकल्प हैं। पहला यह है कि हम सभी अपने कमरों में चले जाएं और सोचने की कोशिश करें कि गलती कहां पर हुई। मुझे पता है कि यह मुश्किल है, हारना हमेशा मुश्किल होता है, लेकिन हमें अपनी गलतियों से सीख लेनी होगी। एक मुकाबले को जीतना होता है या फिर उससे सीखना होता है। हारना कभी विकल्प नहीं होता।

रविवार को वानखेड़े के मैदान पर खेले गए मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मुंबई इंडियंस का गेंदबाजी अटैक पूरी तरह से बेबस नजर आया। पहले बल्लेबाजी करते हुए आरसीबी ने 20 ओवर में 4 विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 240 रन लगाए। टीम की ओर से फिल साल्ट ने 36 गेंदों में 78 रनों की दमदार पारी खेली, तो विराट कोहली और रजत पाटीदार ने भी अर्धशतक लगाया। कोहली ने 50 रन बनाए, जबकि रजत ने 53 रनों का योगदान दिया। अंत के ओवरों में टिम डेविड ने सिर्फ 16 गेंदों में 34 रनों की नाबाद पारी खेली।

आरसीबी से मिले 241 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई इंडियंस की टीम 20 ओवर में 5 विकेट गंवाकर 222 रन ही बना सकी। रोहित शर्मा 13 गेंदों में 19 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हो गए, जबकि रयान रिकेल्टन ने 22 गेंदों में 37 रन बनाए। तिलक वर्मा महज एक रन बनाकर पवेलियन लौटे, तो सूर्यकुमार यादव ने 33 रन बनाए।

विमेंस टी20 वर्ल्ड कप के लिए रिकॉर्ड प्राइज पूल की घोषणा, विजेता को मिलेंगे 2.34 मिलियन

दुबई । इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने आईसीसी विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए प्राइज मनी में 10 प्रतिशत इजाफा किया है। आगामी विमेंस वर्ल्ड कप में 87,64,615 यूएस डॉलर की प्राइज मनी दी जाएगी।

यह रकम दो साल पहले संयुक्त अरब अमीरात में हिस्सा लेने वाले 10 देशों के बीच बांटे गए 79,58,077 यूएस डॉलर से ज्यादा है, क्योंकि यह टूर्नामेंट पहली बार 12 टीमों तक बढ़ाया जा रहा है। साल 2026 के एडिशन में मेजबान इंग्लैंड के साथ ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, भारत, आयरलैंड, नीदरलैंड्स, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, स्कॉटलैंड, साउथ अफ्रीका, श्रीलंका और वेस्टइंडीज शामिल होंगे।

विजेता को एक बार फिर 23,40,000 यूएस डॉलर मिलेंगे,

जबकि उपविजेता को 11,70,000 यूएस डॉलर मिलेंगे। सेमीफाइनल हारने वाली टीमों को 6,75,000 यूएस डॉलर मिलेंगे। प्रत्येक ग्रुप मैच जीतने पर 31,154 यूएस डॉलर का इनाम मिलेगा। आईसीसी ने एक रिलीज में बताया कि हिस्सा लेने वाली सभी 12 टीमों को कम से कम 2,47,500 यूएस डॉलर का प्राइज मिलना तय है।आईसीसी विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत 12 जून से होगी, जब इंग्लैंड बर्मिंघम के एजबेस्टन में श्रीलंका का सामना करेगा। 33 मुकाबलों का यह टूर्नामेंट 24 दिनों तक 7 वेन्यू पर खेला जाएगा, जिसमें टीमें सबसे बड़े इनाम के लिए मुकाबला करेंगी। आईसीसी के सीईओ संजोग गुप्ता ने कहा, 'महिला क्रिकेट का विकास लगातार तेज हो रहा है, और आईसीसी विमेंस टी20 वर्ल्ड कप का 12 टीमों तक विस्तार, साथ ही रिकॉर्ड प्राइज पूल, एक मजबूत और ज्यादा प्रतिस्पर्धी वैश्विक खेल बनाने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दिखाता है। ज्यादा निवेश और मौकों के जरिए महिला क्रिकेट का लगातार आगे बढ़ना वैश्विक मंच पर महिला खिलाड़ियों के बढ़ते प्रभाव और असर को दिखाता है।

टूर्नामेंट डायरेक्टर बेथ बैरेट-वाइल्ड ने कहा, 'आईसीसी विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 इस खेल के लिए एक ऐतिहासिक पल साबित होने वाला है। यह इतिहास का सबसे ज्यादा दर्शकों वाला महिला क्रिकेट इवेंट बनने की राह पर है, जिसमें टिकटों की रिकॉर्ड तोड़ मांग है ।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415